वर्ष : 3 अंक : 12 www.kheltoday.com ₹ 50 मार्च 2019

खेल टुडे

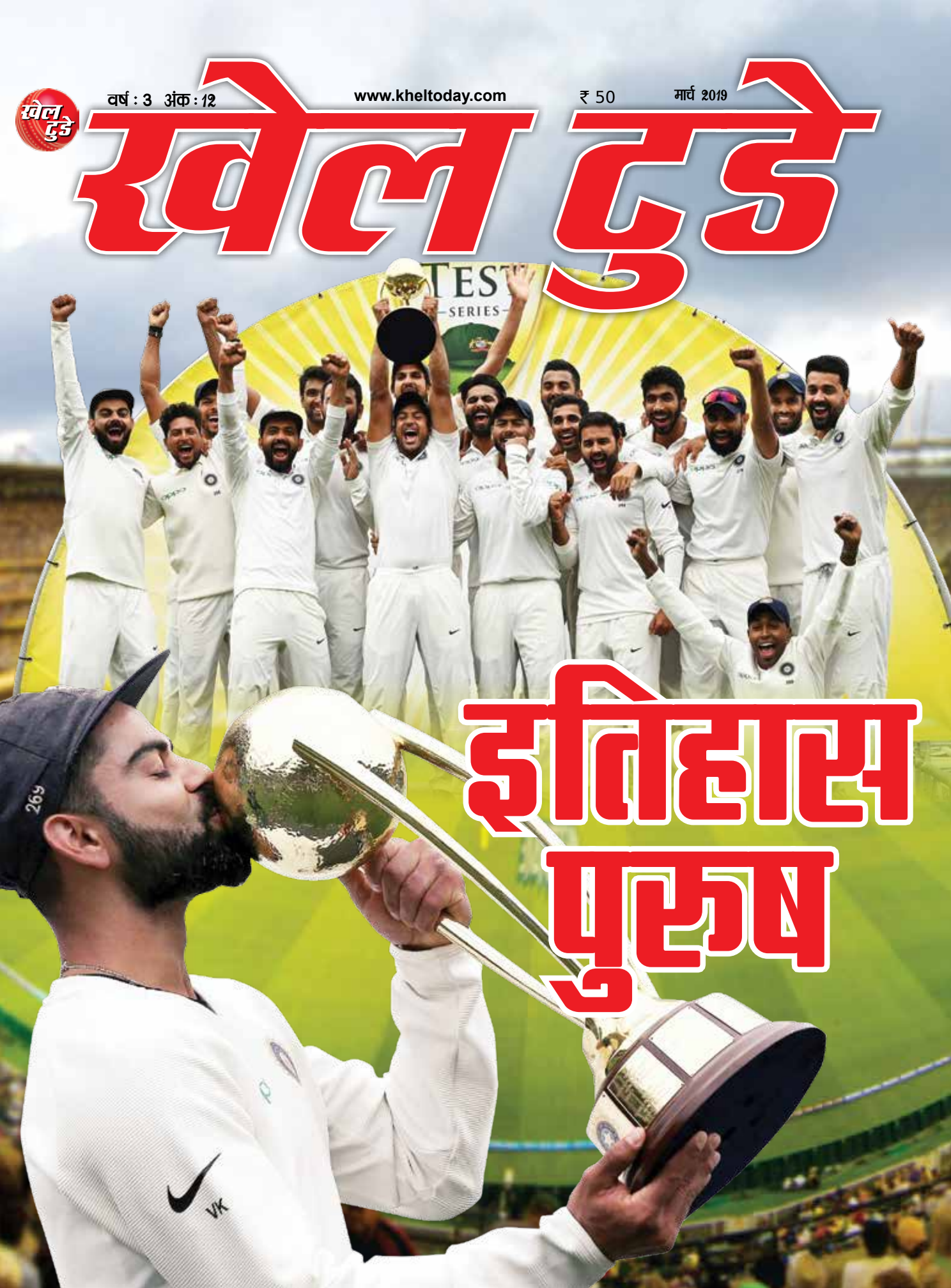

इतिहास पुरुष

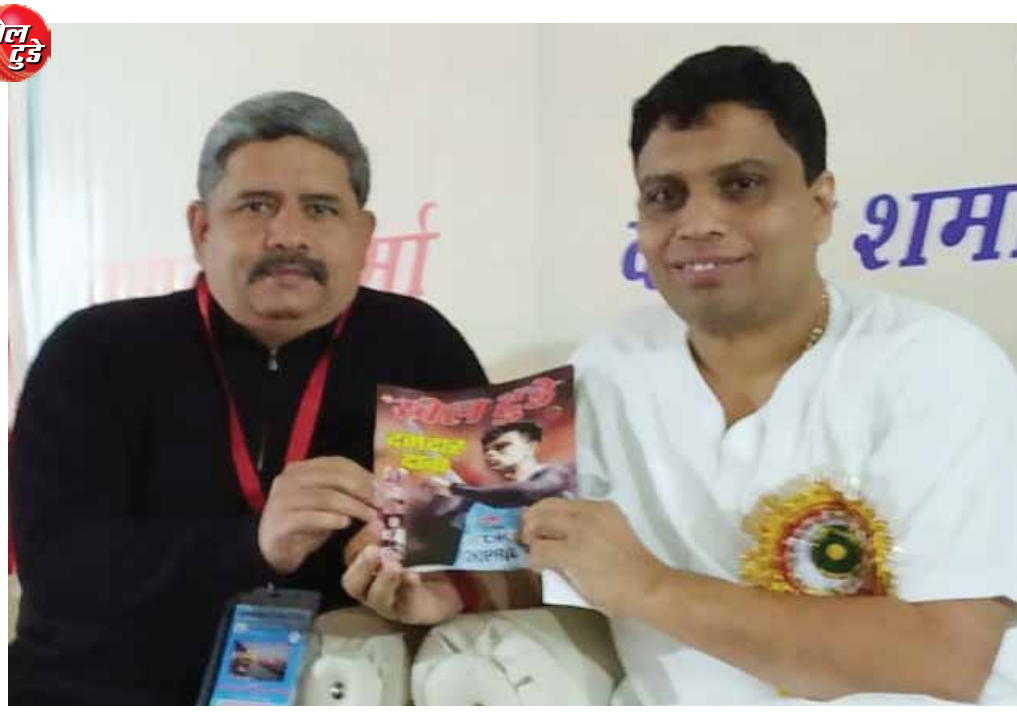

पतंजलि योग पीठ के आचार्य बालकृष्ण को हरिद्वार में 'खेल टुडे' भेंट करते हुए संपादक राकेश थपलियाल।

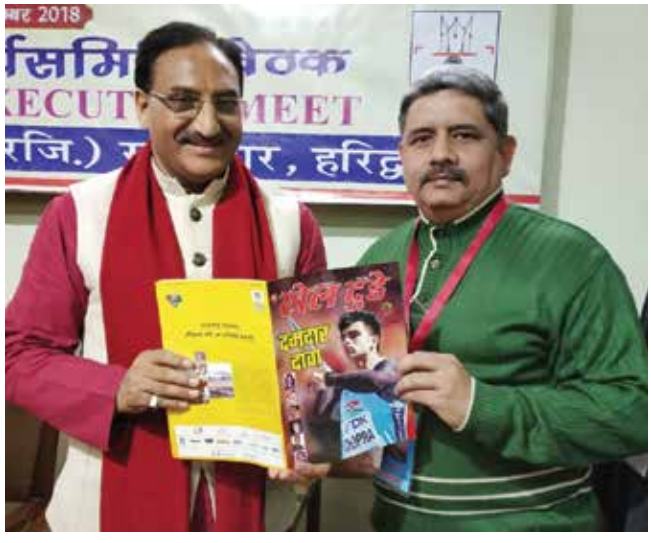

उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी के सांसद श्री रमेश पोखरियाल निशंक को हरिद्वार में 'खेल टुडे' भेंट करते हुए संपादक राकेश थपलियाल।

उत्तराखंड के हरिद्वार में श्री कैलाशानंद जी महाराज को उनके आश्रम 'खेल टुडे' भेंट करते हुए संपादक राकेश थपलियाल।

अंतरराष्ट्रीय शूटर संजीव राजपूत को 'खेल टुडे' पत्रिका भेंट करते हुए संपादक राकेश थपलियाल।

कांग्रेस के पूर्व सांसद जय प्रकाश अग्रवाल को 'खेल टुडे' पत्रिका भेंट करते हुए संपादक राकेश थपलियाल।

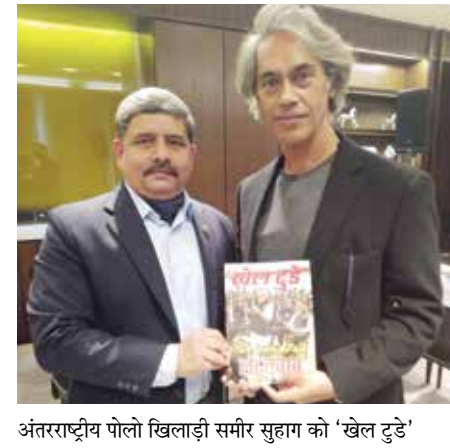

अंतरराष्ट्रीय पोलो खिलाड़ी समीर सुहाग को 'खेल टुडे' पत्रिका भेंट करते हुए संपादक राकेश थपलियाल।

राकेश थपलियाल

हॉकी और फुटबॉल में ऐसे तो नहीं बदलेगी तस्वीर

'भाग्य ने हमारा साथ नहीं दिया वरना...' यह वाक्य हम सुन सुन कर खेल प्रेमियों के कान पक चुके हैं। कुछ ऐसी ही स्थिति हम फुटबॉल में भी देख सुन रहे हैं। हॉकी और फुटबॉल दोनों ही आम लोगों के खेल रहे हैं जो आजादी से पहले से ही स्कूल और कॉलेज स्तर पर गांव-गांव में खेले जाते थे लेकिन फिर भी हम इनमें काफी पिछड़े हुए हैं। यहां बड़ा सवाल यही है कि हम हॉकी और फुटबॉल में कब तक बार-बार कोच को हटाने-रखने की प्रक्रिया निभाने और जीतने के लिए भाग्य पर निर्भर रहेंगे? हमे दोनों खेलों की फेडरेशनों में प्रशासनिक व्यवस्था को और कुशल करना होगा। पूर्व खिलाड़ियों को भी बतौर चयनकर्ता अपनी भूमिका और बेहतर ढंग से निभानी होगी तभी स्थितियां बदलेंगी।

हॉकी में हमारी तरह आठ ओलंपिक स्वर्ण पदक किसी और देश ने नहीं जीते हैं लेकिन ये बीते जमाने की बात हो चुकी है। हमने हॉकी में अपना पिछला ओलंपिक स्वर्ण 1980 में जीता था। इसके बाद से हम विश्व स्तर पर सफलताओं के लिए तरसते ही रहे हैं। हार का ठीकरा कोच के सिर पर फोड़ उसे बाहर का रास्ता दिखाने की परंपरा भी कायम है। 'भाग्य ने हमारा साथ नहीं दिया वरना....' यह वाक्य हम सुन सुन कर खेल प्रेमियों के कान पक चुके हैं। कुछ ऐसी ही स्थिति हम फुटबॉल में भी देख सुन रहे हैं। हॉकी और फुटबॉल दोनों ही आम लोगों के खेल रहे हैं जो आजादी से पहले से ही स्कूल और कॉलेज स्तर पर गांव-गांव में खेले जाते थे लेकिन फिर भी हम इनमें काफी पिछड़े हुए हैं। हॉकी में स्थिति कुछ बेहतर है हम जूनियर विश्व कप 2016 के चैंपियन हैं पर सीनियर विश्व कप 2018 में हम पहले ही नॉकआउट मैच में पिटकर बाहर हो गए। इससे कुछ पहले हम एशियाई खेलों में कांस्य पदक ही जीत पाए और अब ओलंपिक में खेलने का टिकट पाने के संघर्ष में जुट हुए हैं। एक पूर्व कोच ने बताया कि आजादी के बाद से 52 कोच भारतीय टीम के रहे हैं। 2010 के बाद से लगभग 11 कोच रहे हैं। यह आंकड़ा दिखाता है कि कोच बदलने में फेडरेशन कितनी उदार है। कोच बदलने से भारतीय हॉकी की तस्वीर बदल नहीं पा रही है। देश में हॉकी कोचिंग के कोर्स करने के हिसाब से सबसे योग्य हरेन्द्र सिंह को विश्व कप में अंपायरिंग के खिलाफ आवाज उठाना भारी पड़ गया। हालांकि वह पहले कोच नहीं है जिसने ऐसा किया हो पर इस समय एक भारतीय डॉ. नरिंदर ध्रुव बत्रा एफआईएच के अध्यक्ष हैं इस कारण इस पर बहस छिड़ी और हरेन्द्र को सीनियर टीम से हटा जूनियर टीम सौंपने का सुझाव दिया गया है। हरेन्द्र का अनुबंध भारतीय खेल प्राधिकरण के साथ 2020 तक है और वह उनका इस्तेमाल अपनी राष्ट्रीय अकादमी में करना चाहता है पर हरेन्द्र किसी विदेशी टीम को कोचिंग देने का मन बना चुके हैं। भारत में विदेशी कोचों की नियुक्ति को लेकर हमेशा से विरोध होता रहा है और हमारा कोर्स करने के हिसाब से सबसे पढ़ा लिखा कोच विदेशी बनने की राह पर है।

फुटबॉल में विदेशी क्लब भारत के स्कूली फुटबॉलरों के लिए कोचिंग अभियान चला रहे हैं। उन्हें भारतीय फुटबॉल में काफी संभावनाएं नजर आती हैं और धनवान माता पिता भी अपने बच्चों को इनकी कोचिंग में भेजने में गर्व महसूस कर रहे हैं। एक बड़ा लालच प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को विदेश में ट्रेनिंग के मौके का भी रहता है। मजे की बात यह है कि इनमें से कुछ की कोचिंग और प्रतियोगिताएं फुटबॉल ग्राउंड के एक चौथाई हिस्से में चलती हैं और सेवन ए साइड मुकाबले कराए जाते हैं। फिर भी इनकी दुकान जोरों पर चल रही है। स्विट्जरलैंड के एफसी बासेल क्लब ने तो चेन्नई सिटी एफसी क्लब में 26 प्रतिशत साझेदारी भी खरीद नई शुरुआत कर दी है। हालांकि इसका उनके देश में भी काफी विरोध भी हो रहा है। उसके अधिकारी भारत को फुटबॉल का 'सिलिपिंग जाइंट' बोल रहे हैं। कुछ साल पहले फीफा अध्यक्ष ने भी भारतीय फुटबॉल के बारे में यही कहा था। ये फुटबॉल के बड़े जानकार यह तस्वीर दिखा रहे हैं कि भारत जल्दी ही विश्व कप में खेल सकता है। यद्यपि सच्चाई यह है कि भारतीय टीम एएफसी एशियन कप में पहले दौर की बाधा भी पार नहीं कर सकी और इससे निराश कोच स्टीफन कांस्टेनटाइन ने इस्तीफा देकर स्वदेश की फ्लाइट पकड़ ली थी। कुछ सप्ताह पूर्व हमने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के सचिव कुशल दास से पूछा था कि ये क्या माजरा है। जो भी विदेशी क्लब भारतीय क्लबों से जुड़ते हैं वो भारतीय फुटबॉल की जमकर तारीफ करते हैं और उसके निकट भविष्य में विश्व कप में खेलने की आशा जताते हैं जबकि वास्तविकता यह है कि हमारी टीम एशियन कप में पहले दौर से ही बाहर हुई है? इस पर दास ने लंबी सफाई देते कहा, 'सुधार हो रहा है, बस थोड़ा लक ने साथ नहीं दिया वरना एशियन कप में दूसरे राउंड में पहुंच जाते।' यहां बड़ा सवाल यही है कि हम हॉकी और फुटबॉल में कब तक बार-बार कोच को हटाने-रखने की प्रक्रिया निभाने और जीतने के लिए भाग्य पर निर्भर रहेंगे? हमे इससे ऊपर उठकर दोनों की फेडरेशनों में प्रशासनिक व्यवस्था को और कुशल करना होगा। पूर्व खिलाड़ियों को भी बतौर चयनकर्ता अपनी भूमिका और बेहतर ढंग से निभानी होगी तभी स्थितियां बदलेंगी। ■

राकेश थपलियाल

मार्च , 2019
वर्ष-3, अंक - 12, मूल्य 50 रुपये

प्रेरणास्त्रोत

स्वर्गीय कमलेश थपलियाल

सलाहकार संपादक
अशोक किंकर

संपादक
राकेश थपलियाल

ग्राफिक्स
डीजीटेक सॉल्यूशंस

संपादकीय कार्यालय
37- बी, शेख सराय, फेज -1,
नई दिल्ली 110017

उत्तर प्रदेश ब्यूरो
प्लॉट नं. 241, सेक्टर 2बी,
वैशाली, गाजियाबाद,
उत्तर प्रदेश-201010

पंजीकृत कार्यालय
130-बी, पॉकेट-ए, दिलशाद गार्डन,
दिल्ली-110095

ई-मेल -kheltoday16@gmail.com
@KhelToday
/Khel Today
फोन : 9810308653, 7011442313
9818015448

किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र केवल दिल्ली ही होगा। इस अंक में प्रकाशित रचनाओं और फोटो के सर्वाधिकार सुरक्षित हैं। प्रकाशित लेखों से संपादक का सहमत होना जरूरी नहीं है।

संपादक, स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश थपलियाल द्वारा खेल टुडे के लिए ग्राफिक प्रिंट, 383 ग्राउंड फ्लोर एफआईई, पटपड़गंज इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली 110092, से मुद्रित एवं 130-बी, पॉकेट-ए, दिलशाद गार्डन, दिल्ली-110095 से प्रकाशित।

RNI No. : DELHIN/2016/67585

इस अंक में

इतिहास पुरुष विराट कोहली

08-17

06-07

खिलाड़ियों ने की खेल के मैदान में पाकिस्तान के बहिष्कार की मांग

छोटे शहरों, गांवों और कस्बों की युवा प्रतिभाओं का बड़ा योगदान 05

क्रिकेट मेरी जिंदगी का हिस्सा है, जिंदगी नहीं: विराट 10

आईसीसी और कोका-कोला मिलकर मनाएंगे विश्व क्रिकेट का जश्न 23

अब शूटिंग की धांय धांय से गूंजेगा टेलीविजन 28

स्वस्थ रहने के लिए खेल एक बढ़िया तरीका: चौधरी बीरेन्द्र सिंह 30

मिट्टी में कुश्ती पर फेडरेशनों में 'लड़ंत' 34

खालसा कॉलेज ने चैंपियन बन चौंकाया 40

18

स्मृति मंधाना

आईसीसी वुमेन क्रिकेटर ऑफ द ईयर

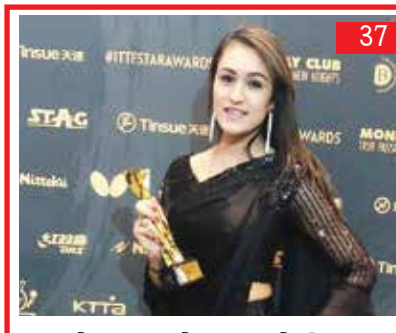

37

'ब्रेकथ्रू टेबल टेनिस स्टार' अवॉर्ड पाने ...

छोटे शहरों, गांवों और कस्बों की युवा प्रतिभाओं का बड़ा योगदान

नरेन्द्र मोदी
(भारत के प्रधानमंत्री)

जब हमारा खेल का लोकल इको सिस्टम मजबूत होगा यानी जब हमारी बुनियाद मजबूत होगी तब ही हमारे युवा देश और दुनिया भर में अपनी क्षमता का सर्वोत्तम प्रदर्शन कर पाएंगे। जब लोकल लेवल पर खिलाड़ी बेस्ट प्रदर्शन करेगा तब ही वो ग्लोबल लेवल पर भी बेस्ट प्रदर्शन करेगा। इस बार खेलो इंडिया में हर राज्य के खिलाड़ियों ने अपने-अपने स्तर पर अच्छा प्रदर्शन किया है। मेडल जीतने वाले कई खिलाड़ियों का जीवन जबर्दस्त प्रेरणा देने वाला है। जब हम इंडिया के निर्माण की बात कर रहे हैं तो वो युवा शक्ति के संकल्प का ही तो न्यू इंडिया है। खेलो इंडिया की ये कहानियां बता रही है कि न्यू इंडिया के निर्माण में सिर्फ बड़े शहरों के लोगों का योगदान नहीं है बल्कि छोटे शहरों, गांव, कस्बों से आने वाले युवाओं-बच्चों, युवा खेल प्रतिभाओं का भी बहुत बड़ा योगदान है।

मेरे प्यारे देशवासियों,मै हमेशा कहता हूं, जो खेले वो खिले और इस बार के खेलो इंडिया में ढ़ेर सारे तरुण और युवा खिलाड़ी खिल के सामने आए हैं। जनवरी महीने में पुणे में खेलो इंडिया यूथ गेम्स में 18 गेम्स में करीब 6,000 खिलाड़ियों ने भाग लिया। जब हमारा खेल का लोकल इको सिस्टम मजबूत होगा यानी जब हमारी बुनियाद मजबूत होगी तब ही हमारे युवा देश और दुनिया भर में अपनी क्षमता का सर्वोत्तम प्रदर्शन कर पाएंगे। जब लोकल लेवल पर खिलाड़ी बेस्ट प्रदर्शन करेगा तब ही वो ग्लोबल लेवल पर भी बेस्ट प्रदर्शन करेगा। इस बार खेलो इंडिया में हर राज्य के खिलाड़ियों ने अपने-अपने स्तर पर अच्छा प्रदर्शन किया है। मेडल जीतने वाले कई खिलाड़ियों का जीवन जबर्दस्त प्रेरणा देने वाला है।

मुक्केबाजी में युवा खिलाड़ी आकाश गोरखा ने सिल्वर मेडल जीता। मैं पढ़ रहा था आकाश के पिता रमेश जी, पुणे में एक कॉम्प्लेक्स में बतौर वॉचमैन का काम करते हैं। वे अपने परिवार के साथ एक पार्किंग शेड में रहते हैं। वहीं महाराष्ट्र की अंडर-21 महिला कबड्डी टीम की कप्तान सोनाली हेलवी सतारा की रहने वाली है। उन्होंने बहुत कम उम्र में ही अपने पिता को खो दिया और उनके भाई और उनकी मां ने सोनाली के हुनर को बढ़ावा दिया। अक्सर ऐसा देखा जाता है कि कबड्डी जैसे खेलों में बेटियों को इतना बढ़ावा नहीं मिलता है। इसके बावजूद सोनाली ने कबड्डी को चुना और उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।आसनसोल के 10 साल के अभिनव शॉ, खेलो इंडिया यूथ गेम्स में सबसे कम उम्र के स्वर्ण पदक विजेता हैं। कर्नाटक से एक किसान की बेटी अक्षता बासवानी कमती ने वेटलिफ्टिंग में स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने अपनी जीत का श्रेय अपने पिता को दिया। उनके पिता बेलगाम में एक किसान हैं। जब हम इंडिया के निर्माण की बात कर रहे हैं तो वो युवा शक्ति के संकल्प का ही तो न्यू इंडिया है। खेलो इंडिया की ये कहानियां बता रही है कि न्यू इंडिया के निर्माण में सिर्फ बड़े शहरों के लोगों का योगदान नहीं है बल्कि छोटे शहरों, गांव, कस्बों से आने वाले युवाओं-बच्चों, युवा खेल प्रतिभाओं का भी बहुत बड़ा योगदान है। ■

खिलाड़ियों ने की खेल के मैदान में पाकिस्तान के बहिष्कार की मांग

पुलवामा में हुए आतंकी हमले में शहीद जवानों की मदद करने के लिए भारतीय खिलाड़ियों ने बड़ी संख्या में हाथ बढ़ाए हैं। अब भारतीय खेल जगत से यह आवाज एक सुर में आ रही है कि खेलों में पाकिस्तान का बहिष्कार किया जाना चाहिए। खिलाड़ियों की भावनाएं तो मीडिया के माध्यम से सामने आ रही हैं लेकिन देश की सरकार को अभी इस पर फैसला लेना है। 'खेल टुडे' देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले सभी शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें सलाम करता है। क्रिकेटर मोहम्मद शमी ने सीआरपीएफ के सभी जवानों के परिवारों के लिए 5 लाख रुपए की आर्थिक मदद की घोषणा की है। शिखर धवन ने भी सभी भारतीयों से शहीद जवानों की मदद करने की गुहार लगाई और खुद भी शहीद जवानों के परिवार वालों की आर्थिक मदद देने की बात कही थी। विश्व कप के हीरो गौतम गंभीर भी पुलवामा आतंकी हमले में शहीद हुए परिवारों की मदद को आगे आए थे। गंभीर ने कहा था की शहीद हुए जवानों के परिवार के लिए उन्हें दुख है और वह इस हमले से प्रभावित परिवारों के 100 बच्चों का खर्च उठाने के लिए तैयार हैं। आईपीएल की दिल्ली कैपिटल फ्रेंचाइजी ने पहले होम मैच की कमाई देने की बात कही। ईरानी कप जीतने के बाद विदर्भ के कप्तान फैज फजल ने पूरी पुरस्कार राशि शहीद हुए जवानों के परिवारों को देने की घोषणा की है।

मैं स्ट्रेंड्जा मेमोरियल टूर्नामेंट में जीते गए स्वर्ण पदक को पुलवामा आतंकी हमले में शहीद सीआरपीएफ के जवानों को समर्पित करता हूं मैं खुद आर्मी से हूं, दर्द इसलिए थोड़ा ज्यादा है। मैं पदक जीतने के लिये बेताब था क्योंकि मैं इसे पुलवामा में अपनी जान गंवाने वाले नायकों को समर्पित करना चाहता था। यहां पहुंचने के बाद जब मुझे हमले की खबर मिली तो तभी से यह बात मेरे दिमाग में थी। मैं टूर्नामेंट के दौरान अपने परिवार वालों के संपर्क में था और उन्होंने मुझसे कहा कि मुझे पुलवामा शहीदों के सम्मान में पदक जीतना होगा। इस विचार से मैं दोगुना प्रेरित था।–

अमित पंघाल, भारतीय मुक्केबाज

पुलवामा हमले के बाद हम पाकिस्तान से क्रिकेट खेलने की सोच भी नहीं सकते हैं। इसके लिए चाहे कितना भी आर्थिक नुकसान हो जाए, मेरा मानना है कि हमें पाकिस्तान से क्रिकेट नहीं खेलना चाहिए। इस बारे में भारतीय क्रिकेट बोर्ड को खुद फैसला लेना चाहिए। हम जानते हैं कि इस बारे में आम लोगों का बड़ा पॉजिटिव रवैया रहेगा कि हमें पाकिस्तान से क्रिकेट नहीं खेलना चाहिए।

- राजनाथ सिंह, गृहमंत्री, भारत सरकार

हम शहीदों के लिए कुछ भी करें तो वह काफी नहीं होगा, लेकिन पुलवामा में शहीद हुए सीआरपीएफ के जवानों के बच्चों की पढ़ाई का झज्जर स्थित सहवाग स्कूल में मैं पूरा खर्च उठाने का प्रस्ताव देता हूं। सौभाग्य होगा।

-वीरेंद्र सहवाग, पूर्व भारतीय कप्तान

पुलवामा में हुए आतंकी हमले में 40 सीआरपीएफ के जवानों की शहादत के बाद भारत को वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ नहीं खेलना चाहिए। देश से बड़ा कोई क्रिकेट टूर्नामेंट नहीं हो सकता और ऐसे में भारत को वर्ल्ड कप में ही नहीं खेलना चाहिए। 16 जून को भारत का पाकिस्तान के साथ मुकाबला है और ऐसे में उसे वर्ल्ड कप का बॉयकॉट कर देना चाहिए। सीधी सी बात है, क्या ज्यादा जरूरी है ? क्या देश पहले आता है या भारतीय क्रिकेट ? खेल को एक ओर रख दें। पहले हमें दूसरे मुद्दे सुलझाने चाहिए। बात जब देश की आती है तो वर्ल्ड कप बहुत छोटा मुद्दा है। 40 जवान की जान की कीमत कौन चुका सकता है ? हमें देश के साथ खड़ा होना चाहिए। अगर इस वजह से हम वर्ल्ड कप 2019 में नहीं भी खेलते तब भी कोई बात नहीं। लोग हमें इसलिए प्यार करते हैं क्योंकि हम भारत के लिए खेलते हैं।

- हरभजन सिंह, पूर्व भारतीय टेस्ट गेंदबाज

विश्व कप के एक मैच में पाकिस्तान के खिलाफ नहीं खेलने से भारत की संभावनाओं पर असर नहीं पड़ेगा। यह 10 टीमों का विश्व कप है और प्रत्येक टीम अन्य टीम के साथ खेलेगी और मुझे लगता है कि अगर भारत विश्व कप में एक मैच नहीं खेलता है तो यह कोई मुद्दा होगा। मुझे लगता है कि आईसीसी के लिए भारत के बिना विश्व कप में जाना काफी मुश्किल होगा। लेकिन आपको यह भी देखना होगा कि क्या भारत में आईसीसी को ऐसी चीज करने से रोकने की ताकत है। लेकिन निजी तौर पर मुझे लगता है कि कड़ा संदेश दिया जाना चाहिए। भारत को पड़ोसी देश से सभी संबंध तोड़ देने चाहिए।

- सौरव गांगुली, पूर्व भारतीय टेस्ट कप्तान

इसे एक बार में ही खत्म कर देना चाहिए। हम इसे और बर्दाश्त नहीं कर सकते। हर तीन महीने में सुनने को मिलता है कि हमारे जवानों ने आतंकी हमले में जान गंवा दी। हम चीजों के होने का इंतजार नहीं कर सकते। हमें चीजें करनी होंगी और हमें आमने-सामने इसका जवाब देना होगा, फिर चाहे इसका मतलब आर-पार की लड़ाई (जंग के मैदान में) क्यों ना हो। पाकिस्तान के खिलाफ विश्व कप मैच खेलने का फैसला बीसीसीआई और सरकार द्वारा लिया जाना चाहिए। एक या दो खिलाड़ी फैसला नहीं कर सकते लेकिन मुझे लगता है कि समय आ गया है और हमें आतंक के सरगनाओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी होगी। -

—यजुवेन्द्र चहल, भारतीय क्रिकेटर

मैं इस दुख की घड़ी में सीआरपीएफ जवानों और उनके परिवारों के साथ खड़ी हूं। यह दिन भूला नहीं जा सकता और न ही इसके गुनाहगारों को माफ किया जा सकता है, लेकिन हां मैं अब भी शांति के लिए प्रार्थना करूंगी और आपको भी नफरत फैलाने के बजाए ऐसा ही करना चाहिए। गुस्सा अच्छा होता है अगर उसे कहीं सही जगह पर लगाया जाए।

हमें अपनी देशभक्ति को साबित करने के लिए किसी अटैक की निंदा ट्विटर और इंस्टाग्राम या अन्य किसी सोशल मीडिया चैनल पर करनी चाहिए.. क्यों ? आप एक कुंठित व्यक्ति हैं, जो अपना गुस्सा कहीं और निकालने के लिए और नफरत फैलाने के लिए ऐसे अवसरों को ढूंढता है ? मुझे किसी हमले के बारे में सार्वजनिक रूप से निंदा करने की जरूरत नहीं है। मैं कहीं छत पर या सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर खड़ी होकर चिल्लाऊं कि हम आतंकवाद के खिलाफ हैं।

कोई भी व्यक्ति जो सही दिमाग से है वह आतंकवाद के खिलाफ ही होगा और अगर वे नहीं हैं, तो यह समस्या है!

–सानिया मिर्जा, भारतीय टेनिस खिलाड़ी

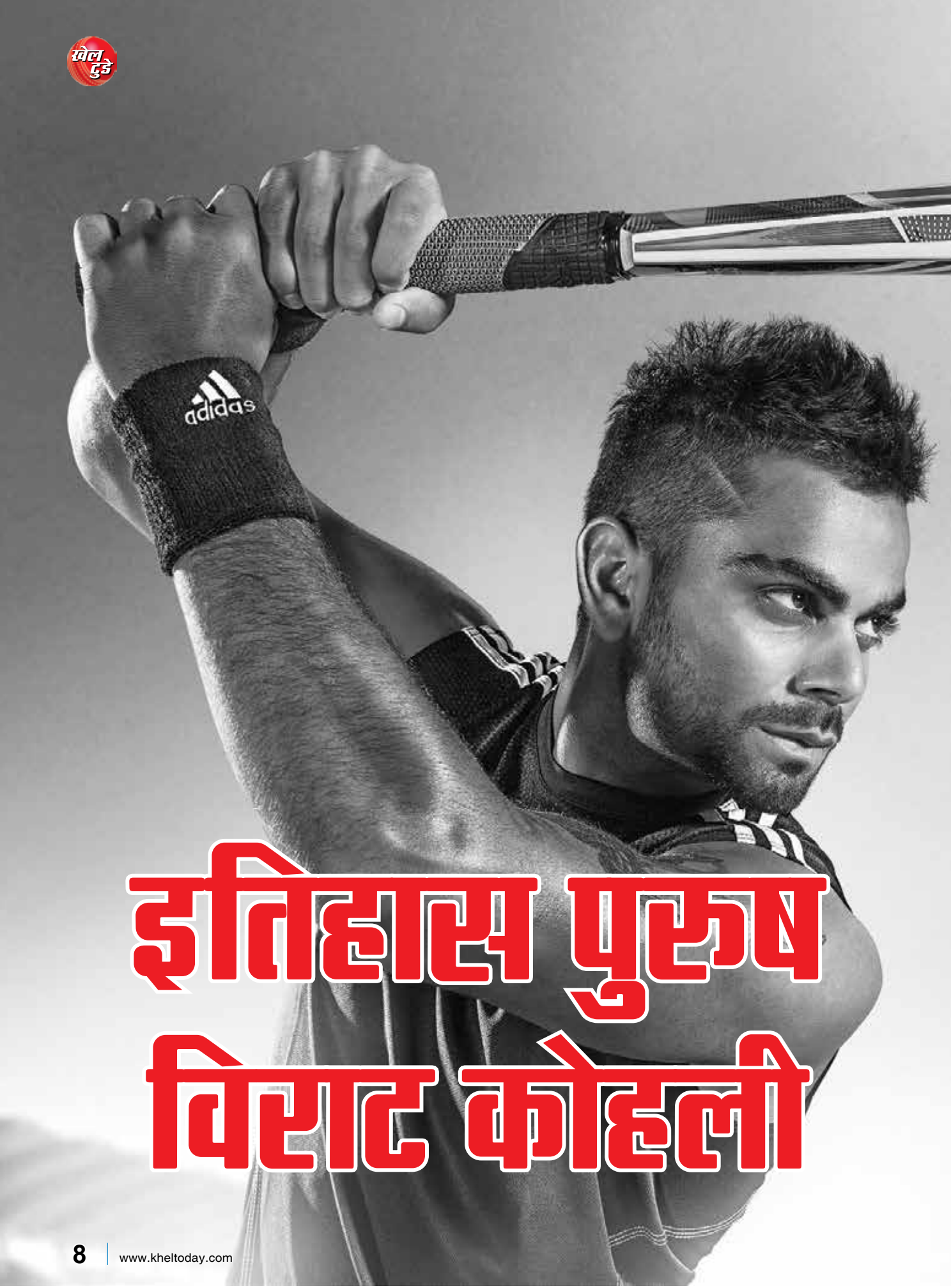

इतिहास पुरुष विराट कोहली

कोहली के अवॉर्ड

क्रिकेटर ऑफ द ईयर **टेस्ट क्रिकेटर ऑफ द ईयर**

वनडे क्रिकेटर ऑफ द ईयर

वर्ष की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट और वनडे टीम का कप्तान चुना

राकेश थपलियाल

क्रिकेट की दुनिया में शिखर पर हैं 'इतिहास पुरुष' विराट कोहली! क्या कोई भी क्रिकेट प्रेमी इस बात से इनकार कर सकता है? शायद नहीं क्योंकि न केवल विस्फोटक और बेहद सफल बल्लेबाज के रूप में बल्कि एक सफल कप्तान के रूप में भी 'विराट युग' का डंका बज रहा है। ऑस्ट्रेलिया में भारतीय टीम का 70 साल में पहली बार टेस्ट सीरीज जीत इतिहास रचना और पहली बार वहां दो देशों के बीच वनडे सीरीज भी जीतना अद्भुत क्षण हैं। इसके बाद आईसीसी अवॉर्ड्स 2018 में क्रिकेटर ऑफ द ईयर, टेस्ट क्रिकेटर ऑफ द ईयर और वनडे क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुने जाने के साथ-साथ आईसीसी की वर्ष की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट और वनडे टीम का कप्तान बनाया जाना ऐसा करिश्मा है जो अभी तक दुनिया का कोई और क्रिकेटर एक साथ नहीं कर सका है। विराट ने 2018 में एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे तेज 10 हजार रन बनाने की उपलब्धि भी हासिल की।

इसलिए विराट कोहली को हमने क्रिकेट का 'इतिहास पुरुष' कह कर कोई अतिश्योक्ति नहीं की है। उन्होंने जब करियर शुरू किया था तो कोई अंदाजा नहीं लगा सकता था कि वह इतना चमकेंगे। उन्होंने अपनी काबिलियत के शानदार प्रदर्शन से सभी को चौंकाया है। जूनियर स्तर पर मौज मस्ती के साथ क्रिकेट की शुरुआत करने के बाद 'चीकू' ने मैदान में विपक्षी खिलाड़ियों के साथ 'आक्रामकता' दिखाने को दरकिनार कर गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ टीम का नेतृत्व करने और जीत के लिए सब कुछ झोंकने का रवैया अपना करियर के शिखर पर रहते हुए

2018 में कोहली की रन वर्षा

11	09	37	47	2,735	68.37
शतक	अर्धशतक	मैच	पारियां	रन	औसत

13	1,322	05	55.08
टेस्ट	रन	शतक	औसत

14	1,202	06	133.55	211 रन
वनडे	रन	शतक	औसत	टी 20

आईसीसी की टेस्ट टीम

विराट कोहली (भारत, कप्तान)
टॉम लैथम (न्यूजीलैंड)
दिमुथ करुणारत्ने (श्रीलंका)
केन विलियमसन (न्यूजीलैंड)
हेनरी निकोल्स (न्यूजीलैंड)
ऋषभ पंत (भारत)
जेसन होल्डर (वेस्ट इंडीज)
कगीसो रबाडा (साउथ अफ्रीका)
नाथन लियोन (ऑस्ट्रेलिया)
जसप्रीत बुमराह (भारत)
मोहम्मद अब्बास (पाकिस्तान)

आईसीसी की वनडे टीम

विराट कोहली (भारत) (कप्तान)
रोहित शर्मा (भारत)
जॉनी बेयरस्टो (इंग्लैंड)
जो रूट (इंग्लैंड)
रॉस टेलर (न्यू जीलैंड)
जोस बटलर (इंग्लैंड)
बेन स्टोक्स (इंग्लैंड)
मुश्तिफिजुर रहमान (बांग्लादेश)
राशिद खान (अफगानिस्तान)
कुलदीप यादव (भारत)
जसप्रीत बुमराह (भारत)

क्रिकेट मेरी जिंदगी का हिस्सा है, जिंदगी नहीं: विराट

अपनी कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर इतिहास रचने के बाद विराट कोहली ने अपने फैन्स के लिए कुछ समय निकाला और एक वीडियो अपने आधिकारिक एप पर शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपने भविष्य की योजनाओं के साथ, अपने परिवार और क्रिकेट को लेकर काफी खुलासा किए हैं। कोहली ने कहा कि क्रिकेट उनकी जिंदगी का हिस्सा तो है, लेकिन उनकी जिंदगी नहीं है। उन्होंने कहा, आठ साल बाद उनकी प्राथमिकता परिवार होगा। अनुष्का और हमारा परिवार सबसे पहले होंगे। उन्होंने कहा कि क्रिकेट उनकी जिंदगी का हिस्सा जरूर होगा, लेकिन उनका मानना है कि प्राथमिकता परिवार होनी चाहिए, क्योंकि जिंदगी से बढ़कर कुछ नहीं होता।

क्रिकेट को जिंदगी ना मानने पर पर कोहली ने यह भी कहा कि उन्हें पता है कि लोग इसे गंभीरता से लेंगे कि यदि आप कहते हैं कि क्रिकेट आपकी जिंदगी नहीं हैं तो इसका मतलब मैं पर्याप्त समर्पित नहीं हूं लेकिन मैं इन सबमें विश्वास नहीं करता। रन मशीन ने कहा कि यदि मैं इस समय यह बात कह रहा हूं तो मतलब उसके लिए समर्पित हूं लेकिन हमेशा जिंदगी प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि क्रिकेट उनकी जिंदगी का विशेष हिस्सा रहेगा, लेकिन उनकी जिंदगी की सबसे खास चीज नहीं।

इस बयान से चौंकाया है कि, 'क्रिकेट मेरी जिंदगी का हिस्सा है, जिंदगी नहीं।' अभी तक क्रिकेट प्रेमी यही समझते थे कि सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर बनने के लिए फिटनेस की खातिर खुद को 'दाने-दाने' के लिए तरसाते हुए जी तोड़ मेहनत करने वाले विराट के लिए 'क्रिकेट ही जिंदगी है'। वैसे शादी से पूर्व उनकी अभिनेत्री अनुष्का शर्मा के साथ दोस्ती चल रही थी तो विराट ने यह कहकर भी चौंकाया था कि, 'मैं अनुष्का के लिए जान भी दे सकता हूं।' अभिनेत्रियों से क्रिकेटर गैरी सोबर्स की अंजू महेंद्रू से, मंसूर अली खां पटौदी की शर्मिला टैगोर से और मोहम्मद अजहरुद्दीन की संगीता बिजलानी से मोहब्ब्त शायद सबसे ज्यादा चर्चित रही है लेकिन इनमें से कोई क्रिकेटर कभी इस तरह की टिप्पणी खुलकर नहीं कर सका। इंग्लैंड दौरे पर अनुष्का के टीम होटल में विराट के संग रहने के मुद्दे के मीडिया में उछलने पर विराट इतने गुस्से में आ गए थे कि इंग्लैंड दौरे पर टीम मैनेजर, जो दिल्ली के ही थे, को फोन कर कोसने में भी नहीं चूके थे। इसके बाद एक बेकसूर पत्रकार को मैदान में खुलकर गालियां भी इसलिए दे गए थे कि उसने अनुष्का के उनके साथ रहने की खबर छापी थी। हालांकि बाद में गलत पहचान के मामले को समझ विराट ने एक अन्य पत्रकार के माध्यम से उसे सॉरी कह दिया था। उनके इसी व्यवहार की वजह से मेरी पूर्व भारतीय टेस्ट क्रिकेटर विनोद कांबली से भी बहस हो गई थी। यह शायद 2013 की बात है वेस्टइंडीज में त्रिकोणीय सीरीज के दौरान महेन्द्र सिंह धोनी के चोटिल होने पर विराट को कप्तानी सौंपी गई थी। इस पर 'एबीपी न्यूज चैनल' पर एक कार्यक्रम के दौरान मैंने कहा, '1962 में वेस्टइंडीज की ही धरती पर चार्ली ग्रिफिथ की गेंद पर भारतीय कप्तान नरिमन जहांगीर कांट्रेक्टर के सिर पर गहरी चोट लगने के बाद युवा मंसूर अली खां पटौदी को कप्तानी सौंप दी गई थी। वह बेहद आक्रामक कप्तान साबित हुए थे और अब विराट को भी वेस्टइंडीज में धोनी के चोटिल होने पर कप्तानी मिली है तो वह भी टाइगर पटौदी की तरह अच्छे आक्रामक और सफल कप्तान साबित हो सकते हैं।' इस पर कांबली ने उखड़ते हुए कहा कि 'विराट का टेम्परामेंट कप्तानी वाला नहीं है, वह मैदान पर आक्रामक हो जाता है, खिलाड़ियों से भिड़ता है उनसे जुबानी लड़ाई करता है। वह अच्छा कप्तान नहीं हो सकता।' तब मैंने यह तर्क

दिया था कि 'विराट विपक्षी खिलाड़ियों से भिड़ता जरूर है। आक्रामक भी है लेकिन भारतीय टीम की कप्तानी मिलने के बाद वह अपने को बदल सकता है। वह इस बात की गंभीरता को निश्चित ही समझेगा कि उसके ऊपर कितनी जिम्मेदारी है। राष्ट्रीय टीम का कप्तान बनने के लिए जो गुण चाहिए होते हैं उनमें से बहुत विराट में हैं। वह दिल्ली की रणजी ट्रॉफी में कप्तानी कर चुका है, आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूर की कप्तानी कर रहा है और अंडर-19 स्तर पर भारतीय टीम को अपनी कप्तानी में विश्व कप चैंपियन बना चुका है।' कप्तानी करते हुए अनुभव हासिल करने के साथ विराट ने अपने व्यवहार में काफी बदलाव किया है। वह अपनी आक्रामकता बोलने में नहीं बल्कि बल्लेबाजी, फील्डिंग और नेतृत्व करने में दिखाता है।

विराट कोहली अपने करियर के शुरू से ही चौंकाता रहा है। 2006 में जब वह अंडर-19 कूच बिहार ट्रॉफी के साथ-साथ दिल्ली की रणजी टीम का भी हिस्सा था तो करियर के चौथे ही रणजी मैच के तीसरे दिन 19 दिसंबर 2006 की सुबह उनके पिता प्रेम कोहली का निधन हो गया। वह पिता के शव को घर पर छोड़ कर्नाटक के खिलाफ इस मैच में बल्लेबाजी करने फिरोजशाह कोटला मैदान पहुंच गया था। विराट के अनुसार उन्होंने ऐसा इसलिए किया था क्योंकि उनके पिता उन्हें बड़ा क्रिकेटर बनाना चाहते थे। इस 90 रन की पारी ने 18 वर्ष के विराट की क्रिकेट जिंदगी को बदलकर रख दिया। उस दिन कोटला में मौजूद मेरे जैस चंद लोगों ने क्रिकेट के आकाश में नए सितारे का उदय देखा था। दो साल बाद 2 मार्च, 2008 के दिन विराट की कप्तानी में भारतीय टीम ने अंडर-19 विश्व कप जीता तो इस दिल्लीवाले को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली। चार माह बाद 18 अगस्त, 2008 के दिन श्रीलंका के खिलाफ दाम्बुला में वह पहला एकदिवसीय मैच खेल गए। वो भी बतौर ओपनर, क्योंकि मैच से पूर्व विरेन्दर सहवाग चोटिल हो गए थे। तब के राष्ट्रीय चयन समिति के अध्यक्ष पूर्व टेस्ट सितारे दिलीप वेंगसरकर का दावा है कि 2008 में विराट का चयन श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय एकदिवसीय टीम में करने पर उन्हें चयन समिति से हटा दिया गया था। विराट के चुने जाने की वजह उनका एमर्जिंग प्लेयर्स टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया दौरे पर बेहतरीन प्रदर्शन था। विराट महान बल्लेबाज

कुछ वर्ष पूर्व सचिन तेंदुलकर से एक कार्यक्रम में अभिनेता सलमान खान ने पूछा था कि आपके रिकॉर्ड कौन तौड़ सकता है? तब सचिन ने कहा था, 'विराट कोहली और रोहित शर्मा ऐसा कर सकते हैं।' विराट कोहली ने अपने आदर्श क्रिकेटर की इस भविष्यवाणी को सही साबित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी हुई है।

सचिन तेंदुलकर को अपना रोल मॉडल मानते रहे हैं पर जब वह पहली बार भारतीय टीम में चुने गए तो सचिन उस टीम का हिस्सा नहीं थे। श्रीलंका में टेस्ट सीरीज के दौरान तेंदुलकर चोटिल होकर एकदिवसीय सीरीज से हट गए थे। कुछ वर्ष पूर्व सचिन तेंदुलकर से एक कार्यक्रम में अभिनेता सलमान खान ने पूछा था कि आपके रिकॉर्ड कौन तौड़ सकता है? सचिन ने कहा, 'विराट कोहली और रोहित शर्मा ऐसा कर सकते हैं।' विराट ने अपने आदर्श की इस भविष्यवाणी को सही साबित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी हुई है। विराट और सचिन की तुलना पर कोच रवि शास्त्री कहते हैं, 'तेंदुलकर ज्यादा शांत खिलाड़ी थे और अपने दायरे में रहते थे जबकि कोहली काफी आक्रामक है।' विराट को बचपन से गुर सिखाने वाले दिल्ली के पूर्व रणजी खिलाड़ी द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित राजकुमार शर्मा का कहना है कि 'खिलाड़ी को अपनी ताकत और कमजोरी का पता होना चाहिए और उसी हिसाब से अपनी पारी को संवारना चाहिए, विराट इसे समझता है वह अपने पाले की गेंद का इंतजार करता है। उसने दिखाया है कि नियंत्रण के साथ आक्रामक बल्लेबाजी से कैसे रन बना टीम को जिताया जा सकता है।'

कुछ वर्ष पहले की बात है पंजाब के मोहाली स्टेडियम के ड्रेसिंग रूम की दीवरों में लगी भारतीय क्रिकेट सितारों की फोटो गैलरी में कुछ और खिलाड़ियों की फोटो लगाने का काम चल रहा था। तभी अभ्यास सत्र के बाद वहां से गुजर रहे विराट कोहली ने बड़े गौर से उन फोटो को देखना शुरू किया। पंजाब क्रिकेट संघ का जो अधिकारी फोटो लगवा रहा था विराट ने उससे बड़ी बेताबी के साथ पूछा, सर, मेरी फोटो भी लगवा दो। इस पर उस अधिकारी ने कहा, लगवा देंगे। विराट ने कहा, मेरी फोटो कब लगेगी? अधिकारी ने कहा, पहले कुछ चमकदार प्रदर्शन तो करो,जवाब सुनकर विराट निराशा और उत्साह के मिलेजुले भाव के साथ टीम बस में जाकर बैठ गया था। आज वही विराट भारतीय क्रिकेट का 'पोस्टर ब्वॉय' बनकर छाया हुआ है। दुनिया भर में लाखों उभरते क्रिकेटर विराट बनने का सपना देखते हैं। उसकी फोटो अखबारों और मैगजीनों के पन्नों, स्टेडियमों और घरों की दीवारों के साथ-साथ देसी-विदेशी क्रिकेट प्रेमियों के दिलों में पूरी तरह छप चुकी है। विराट के जलवे का एक बड़ा उदाहरण यह है कि कुछ वर्ष पूर्व एक पाकिस्तानी फैन ने कहा था, 'हमें गोली से नहीं कोहली से डर लगता है।' ■

यह उस कड़ी मेहनत का नतीजा है जो आप पूरे साल करते हैं। वैश्विक स्तर से ऐसा सम्मान मिलने पर आप एक क्रिकेटर के रूप में गर्व महसूस करते हैं, क्योंकि आप समझते हैं कि इस खेल में कई खिलाड़ी हैं। जाहिर है यह मेरे लिए बहुत गर्व का क्षण है। लगातार दूसरी बार यह प्रतिष्ठित पुरस्कार जीतकर खुश हूं। जब टीम ने पूरे कैलेंडर साल में बेहतर किया हो और उसमें मेरी परफॉर्मेंस का भी योगदान हो, तो अच्छा महसूस होता है।आईसीसी द्वारा अवॉर्ड देने की पहल से क्रिकेटरों को और अच्छा करने की प्रेरणा मिलती। मेरे लिए यह साल (2018) शानदार बीता। मैंने शायद ऐसी कल्पना भी नहीं की थी। अगर आपके इरादे पॉजिटिव हो और आप कड़ी मेहनत करें, तो ऐसे ही परिणाम सामने आते हैं। मुझे लगता है खिलाड़ी का इरादा टीम की बेहतरी के लिए खेलना ही होता है।

—विराट कोहली, भारतीय कप्तान

तेंदुलकर ज्यादा शांत खिलाड़ी थे और अपने दायरे में रहते थे जबकि कोहली काफी आक्रामक है। किसी ने मुझ से पूछा कि क्या सचिन (तेंदुलकर) और विराट कोहली में कोई समानता है तो मैंने कहा बहुत समानता है। चलिए काम की नैतिकता से शुरू करते है। वे काफी कड़ी मेहनत करते है। घंटो नेट पर अभ्यास करते है और आपके क्रिकेट के लिए अपनी जरूरी चीजों का त्याग करते है। दोनों दूसरे पर अंगुली नहीं उठाते। अगर आप गलती करते है तो उसे स्वीकार करना चाहिए। वे ऐसा ही करते है। विराट काफी आक्रामक है। वह जिस तरह से बल्लेबाजी करते है वह विवियन रिचर्ड्स के काफी करीब है। वह तेज गेंदबाजों और विरोधियों को आक्रामकता से जवाब देते है। वह कड़ी मेहनत से पीछे नहीं हटते। उन्होंने बल्लेबाजी के ये गुर इंग्लैंड में सीखे। कोहली की सबसे बड़ी खासियत उनकी मानसिकता है जो उनसे काफी मिलती है। वह टीम के खिलाड़ियों का काफी खयाल रखते है और दूसरो के लिए आदर्श है।

—रवि शास्त्री, भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच

ऋषभ पंत इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द ईयर

भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को 2018 में किए गए शानदार प्रदर्शन की वजह से इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द इयर चुना गया है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज एरॉन फिंच को मेंस टी-20 परफॉर्मेंस ऑफ द ईयर, स्कॉटलैंड के केलम मैक्लोड को असोसियट प्लेयर ऑफ द ईयर और न्यूजीलैंड के केन विलियमसन को स्प्रिट ऑफ क्रिकेट अवॉर्ड दिया गया। इसके अलावा, श्रीलंका के अंपायर कुमार धर्मसेना को अंपायर ऑफ द ईयर- 2018 चुना गया।

यह देखकर अच्छा लग रहा है कि आप के पास टेस्ट क्रिकेटर होने का आत्मविश्वास है और किसी और को नहीं बल्कि खुद को यह साबित करना कि आप टेस्ट क्रिकेट में मिलनी वाली सभी चुनौतियों का सामना करने के योग्य हैं। जब आप मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड जैसे स्थल पर 75 हजार दर्शकों की नजरें आप पर होती हैं जब आप क्रीज पर गार्ड ले रहे होते तो ऐसे में मैंने वास्तविक नवर्स को महसूस किया जिसके बारे में हम क्रिकेटर एक बड़े मैच के बाद अक्सर बात करते हैं।

—मयंक अग्रवाल,
भारतीय टेस्ट क्रिकेटर

मेरा विजन है भारतीय टीम टेस्ट क्रिकेट की सुपर पॉवर बने

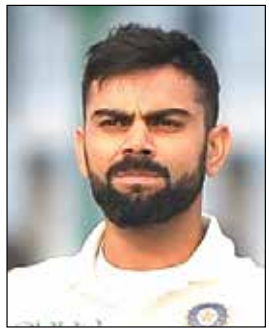

विराट कोहली
(भारतीय कप्तान)

मेरे लिए यह बेहद भावुक क्षण है, क्योंकि मैंने देखा है कि यहां जीतना कितना मुश्किल रहा है। हम पूरी शिद्दत से घर से बाहर कोई सीरीज जीतना चाहते थे। एक टीम के तौर पर हम अब पूर्ण महसूस कर रहे हैं। मैं आने वाले दिनों में भारत को टेस्ट में सबसे मजबूत टीम बनते देखना चाहता हूं। मुझे लगता है कि भारतीय क्रिकेट टेस्ट क्रिकेट का सम्मान करती है और भारतीय खिलाड़ी भी इसे इज्जत देते हैं तो टेस्ट क्रिकेट हमेशा शीर्ष पर रहेगी। शॉर्ट फॉर्मेट क्रिकेट की लोकप्रियता के लिए जरूरी हैं लेकिन सिर्फ उसी पर ध्यान दिया जाता है और उसका नाम लेकर टेस्ट क्रिकेट से बचने की कोशिश की जाती है तो आने वाले खिलाड़ियों को दिक्कत हो सकती है। सिर्फ सीमित ओवरों के प्रारूप पर फोकस करना ही टेस्ट क्रिकेट की चुनौतियों का सामना कर पाने में असमर्थ होने का बहाना नहीं होना चाहिए। युवा अगर पांच दिनी क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकेंगे तो उन्हें मानसिक दिक्कतें होंगी।

मेरी ख्वाहिश टेस्ट प्रारूप में भारतीय टीम को सुपर पॉवर बनाने की है। मेरे लिए टेस्ट क्रिकेट हमेशा प्राथमिकता रहेगी और अगर भारतीय क्रिकेट में इसे सम्मान मिलता है तो क्रिकेट का यह प्रारूप हमेशा शीर्ष पर रहेगा। मैं इसे लक्ष्य नहीं बल्कि विजन कहूंगा। मैं भारत को टेस्ट क्रिकेट में सुपर पॉवर बनते देखना चाहता हूं और आने वाले दिनों में भारत को टेस्ट में सबसे मजबूत टीम बनते देखना चाहता हूं। मुझे लगता है कि भारतीय क्रिकेट टेस्ट क्रिकेट का सम्मान करती है और भारतीय खिलाड़ी भी इसे इज्जत देते हैं तो टेस्ट क्रिकेट हमेशा शीर्ष पर रहेगी। शॉर्ट फॉर्मेट क्रिकेट की लोकप्रियता के लिए जरूरी हैं लेकिन सिर्फ उसी पर ध्यान दिया जाता है और उसका नाम लेकर टेस्ट क्रिकेट से बचने की कोशिश की जाती है तो आने वाले खिलाड़ियों को दिक्कत हो सकती है। सिर्फ सीमित ओवरों के प्रारूप पर फोकस करना ही टेस्ट क्रिकेट की चुनौतियों का सामना कर पाने में असमर्थ होने का बहाना नहीं होना चाहिए। युवा अगर पांच दिनी क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकेंगे तो उन्हें मानसिक दिक्कतें होंगी।

भारत के मौजूदा टेस्ट क्रिकेटर युवा पीढ़ी के लिए उदाहरण पेश करने की कोशिश में हैं। मेरा काम आसान करने के लिये कोच रवि शास्त्री का धन्यवाद। कोच हमेशा पूरी ईमानदारी से उनके सामने बात रखते हैं। 2014 में जब से शास्त्री आए हैं तब से वह मुझे पूरी ईमानदारी फीडबैक देते हैं। मुझे याद है कि जब इंग्लैंड के खिलाफ मैंने एक ही मैच में शतक और अर्धशतक जमाया था तब उन्हें मुझसे कहा था कि तुम्हारी बल्लेबाजी के बारे में मुझे कुछ नहीं कहना, लेकिन कप्तानी के बारे में हमें बात करनी होगी कि कैसे खिलाड़ियों से उनका सर्वश्रेष्ठ निकाला जाए। इससे मुझे काफी फर्क पड़ा क्योंकि मैं जानता हूं कि कई बार आप जितना सोचते हो कप्तानी में उससे कई ज्यादा देना होता है।

सबसे पहले मैं यह कहना चाहता हूं कि टीम का हिस्सा बनते हुए मुझे इससे ज्यादा खुशी कभी नहीं हुई। मैंने यहीं पहली बार कप्तानी की थी और आज यहां हम इस मुकाम पर पहुंचे हैं। मुझे यकीन नहीं हो रहा है कि 4 साल बाद हम यहां टेस्ट सीरीज जीते हैं। मैं सिर्फ एक शब्द कहना चाहता हूं- प्राउड, इस टीम की कप्तानी करते हुए मैं मुझे गर्व है और मैं खुद को खुशकिस्मत समझता हूं। खिलाड़ी कप्तान को बेहतर दिखाते हैं।

मेरे लिए यह बेहद भावुक क्षण है, क्योंकि मैंने देखा है कि यहां जीतना कितना मुश्किल रहा है। हम पूरी शिद्दत से घर से बाहर कोई सीरीज जीतना चाहते थे। एक टीम के तौर पर हम अब पूर्ण महसूस कर रहे हैं। यह मेरे करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि है। जब 2011 में हम वर्ल्ड कप जीते थे तो मैं टीम का सबसे युवा सदस्य था। मैंने सबको वहां भावुक होते देखा था। मुझे वहां वह अहसास नहीं हुआ। अब यहां तीन बार आने के बाद मैं कह सकता हूं यह सीरीज जीतना मेरे लिए कुछ अलग है।

यह सीरीज हमें अलग पहचान देगी। हम वह हासिल करने में कामयाब रहे जिस पर गर्व कर सकते हैं। मैं पुजारा का नाम खास लेना चाहूंगा। वह सीरीज मे शानदार खेले।

पुजारा का पिछला ऑस्ट्रेलिया दौरा अच्छा नहीं रहा था लेकिन इस बार उन्होंने बढ़िया खेल दिखाया। पुजारा लगातार सीखना चाहते हैं। वह अपने खेल पर काम करते हैं। वह टीम के सबसे अच्छे सदस्यों में से एक हैं। मैं उनके लिए काफी खुश हूं। इस सीरीज में डेब्यू करने वाले मयंक अग्रवाल वह बॉक्सिंग डे टेस्ट में चैंपियन की तरह खेले। यह उनकी मानसिक दृढ़ता का परिचय देता है। एक बल्लेबाजी यूनिट के रूप में हम सभी मिलकर अच्छा खेले। बोलर्स ने सिर्फ यहीं नहीं साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड में भी दमदार खेल दिखाया था। मैं पहला ऐसा नहीं देखा था। टीम की फिटनेस और मानसिक दृढ़ता लाजवाब रही। मैं उन्हें सलाम करता हूं।

(प्रेस कांफ्रेंस पर आधारित) ■

भारतीय टीम का ऑस्ट्रेलिया दौरे पर प्रदर्शन

तीन मैचों की टी20 सीरीज : 1-1 से बराबर

तारीख	मैच	मैदान	नतीजा
21 नवंबर	पहला टी20	ब्रिसबेन	ऑस्ट्रेलिया 4 रन से जीता
23 नवंबर	दूसरा टी20	मेलबर्न	परिणाम नहीं
25 नवंबर	तीसरा टी20	सिडनी	भारत 6 विकेट से जीता

चार टेस्ट मैचों की सीरीज : भारत 2-1 से जीता

तारीख	मैच	मैदान	नतीजा
6-10 दिसंबर	पहला टेस्ट मैच	एडिलेड	भारत 31 रन से जीता
14-18 दिसंबर	दूसरा टेस्ट मैच	पर्थ	ऑस्ट्रेलिया 146 रन से जीता
26-30 दिसंबर	तीसरा टेस्ट मैच	मेलबर्न	भारत 137 रन से जीता
3-7 जनवरी 2019	चौथा टेस्ट मैच	सिडनी	ड्रॉ

विदेश में भारत की यह 19वीं टेस्ट सीरीज जीत थी। दरअसल, भारत ने अब तक कुल 82 विदेशी दौरे किए। जहां उसे 19 में जीत मिली तो 48 सीरीज में हार का स्वाद चखना पड़ा। हालांकि 15 सीरीज ऐसी जरूर रहीं जो ड्रॉ पर खत्म हुईं।

तीन वनडे मैचों की सीरीज : भारत 2-1 से जीता

तारीख	मैच	मैदान	नतीजा
12 जनवरी 2019	पहला वनडे	सिडनी (डे-नाइट)	ऑस्ट्रेलिया 34 रन से जीता
15 जनवरी 2019	दूसरा वनडे	एडिलेड (डे-नाइट)	भारत 6 विकेट से जीता
18 जनवरी 2019	तीसरा वनडे	मेलबर्न (डे-नाइट)	भारत 6 विकेट से जीता

भारत-न्यूजीलैंड वनडे और टी20 सीरीज का परिणाम

23 जनवरी	पहला वनडे	नेपियर	भारत 8 विकेट से जीता
26 जनवरी	दूसरा वनडे	माउंट मंगनुई	भारत 90 रनों से जीता
28 जनवरी	तीसरा वनडे	माउंट मंगनुई	भारत 7 विकेट से जीता
31 जनवरी	चौथा वनडे	हैमिल्टन	न्यूजीलैंड 8 विकेट से जीता
03 फरवरी	पांचवां वनडे	वेलिंगटन	भारत 35 रनों से जीता
6 फरवरी	पहला टी20	वेलिंगटन	न्यूजीलैंड 80 रनों से जीता
8 फरवरी	दूसरा टी20	ऑकलैंड	भारत 7 विकेट से जीता
10 फरवरी	तीसरा टी20	हैमिल्टन	न्यूजीलैंड 4 रन से जीता

बधाइयां

विराट कोहली और उनकी टीम को अंतिम किला फतह करने और पहली बार ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज में जीत दर्ज करने के लिए बधाई। शानदार बल्लेबाजी, बेहतरीन तेज गेंदबाजी और टीम के शानदार प्रयास ने हमें गौरवान्वित किया है। अब इसकी आदत बनाएं।

- रामनाथ कोविंद, भारत के राष्ट्रपति

ऑस्ट्रेलिया में ऐतिहासिक जीत। विराट कोहली और उनकी टीम को ऑस्ट्रेलिया के चुनौतीपूर्ण दौरे में जीत की बधाई। भारतीय टीम सीरीज जीत की हकदार थी।

- नरेंद्र मोदी, भारत के प्रधानमंत्री

ऑस्ट्रेलियाई टीम अगर डेविड वॉर्नर और स्टीव स्मिथ के बिना खेली तो यह भारत की गलती नहीं है। भारत के सामने जो टीम उतारी गई वह उससे खेला और यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। इस टीम और पूर्व की टीमों में मुख्य अंतर फिटनेस का है। हम भी जीत के लिए खेले थे लेकिन फिटनेस के मामले में यह टीम भिन्न स्तर पर है और कप्तान इसमें उदाहरण पेश करता है।

- सुनील गावस्कर, पूर्व भारतीय कप्तान

ऑस्ट्रेलिया में इस ऐतिहासिक जीत के लिए भारतीय टीम को बधाई। यह संपूर्ण टीम के प्रयासों का नतीजा है। खिलाड़ियों ने मैदान पर जो कुछ किया वह आनंद और संतुष्टि की असीम अनुभूति प्रदान करता है। आओ इस विशेष जीत का जश्न मनाएं।

- वीवीएस लक्ष्मण, पूर्व भारतीय खिलाड़ी

भारतीय टीम को इस यादगार जीत के लिए बधाई। प्रत्येक भारतीय क्रिकेट प्रेमी को इस जीत पर बहुत गर्व होगा। टीम के प्रत्येक सदस्य ने विशेष प्रयास से यह परिणाम सुनिश्चित किया।

- वीरेंद्र सहवाग, पूर्व भारतीय खिलाड़ी

भारतीय क्रिकेट टीम को इतिहास रचने पर बधाई। ऑस्ट्रेलिया में पहली बार जीतना भारत में सभी के लिए गौरवशाली क्षण है।

- मिचेल जॉनसन, पूर्व ऑस्ट्रेलिया खिलाड़ी

ऑस्ट्रेलिया में भारत ने खेली 12 टेस्ट सीरीज

वर्ष	विजेता	परिणाम	टेस्ट
1947-48	ऑस्ट्रेलिया	4-0	5
1967-68	ऑस्ट्रेलिया	4-0	4
1977-78	ऑस्ट्रेलिया	3-2	5
1980-81	ड्रॉ	1-1	3
1985-86	ड्रॉ	0-0	3
1991-92	ऑस्ट्रेलिया	4-0	5
1999-00	ऑस्ट्रेलिया	3-0	3
2003-04	ड्रॉ	1-1	3
2007-08	ऑस्ट्रेलिया	2-1	4
2011-12	ऑस्ट्रेलिया	4-0	4
2014-15	ऑस्ट्रेलिया	2-0	4
2018-19	भारत	2-1	4

यह हम सबके लिए शानदार अहसास है। हमने विदेशों में सीरीज जीतने के लिए कड़ी मेहनत की और ऑस्ट्रेलिया में जीतना कभी आसान नहीं रहा। मैं जिन भारतीय टीमों का हिस्सा रहा उनमें यह सर्वश्रेष्ठ है। मैं टीम के सभी साथियों को बधाई देता हूं।

-चेतेश्वर पुजारा, ऑस्ट्रेलिया दौरे पर मैन ऑफ द टेस्ट सीरीज

सीरीज जीत के हीरो

चेतेश्वर पुजारा
(प्लेयर ऑफ द सीरीज)
521
रन
3
शतक
1
अर्धशतक

जसप्रीत बुमराह
21
विकेट
6/33
श्रेष्ठ प्रदर्शन

ऋषभ पंत
350
रन
20
शिकार

विराट कोहली
282
रन
01
शतक
01
अर्धशतक

- विराट कोहली के नेतृत्व में टीम इंडिया की विदेश में यह चौथी जीत रही। इसी के साथ विदेश में सबसे ज्यादा जीत दर्ज करने के मामले में विराट कोहली ने सौरव गांगुली की बराबरी की।
- इंग्लैंड में कपिल की टीम ने 1986 में और राहुल द्रविड़ की कप्तानी में 2007 में सीरीज जीती थी।
- अजित वाडेकर की अगुआई में भारत ने 1971 में वेस्टइंडीज और इंग्लैंड में सीरीज जीती थी।

कोहली की कप्तानी में अब तक विदेशी पर धरती पर सीरीज जीत

2015 में बनाम श्रीलंका 2-1
2016 में बनाम वेस्टइंडीज 2-0
2017 में बनाम श्रीलंका 3-0
2018-19 में बनाम ऑस्ट्रेलिया 2-1

मेरे प्रतिस्पर्धी रवैये में कोई कमी नहीं आई है लेकिन अब मैं छीटाकशी को तवज्जो नहीं देता और अपनी ऊर्जा देश की क्रिकेट टीम की कप्तानी की बड़ी जिम्मेदारी पर लगाता हूं। यह मेरे करियर के बीच के दौर में होता था। यह 2014 -15 में शुरू हुआ। मैं उस समय इन बातों पर बहुत ध्यान देता था लेकिन अब टीम का कप्तान होने के नाते मुझे इन पर फोकस करने की जरूरत नहीं है। मेरे ऊपर बड़ी जिम्मेदारियां हैं और देश के लिये खेलना सम्मान की बात है। दर्शक मेरे साथ रहें या मेरे खिलाफ रहें, मेरा काम अपनी जिम्मेदारी निभाना है। मैदान में चाहे एक व्यक्ति हो या 50000 । मुझे अपना काम करना है।

- विराट कोहली, भारतीय कप्तान

भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया में कोई टेस्ट सीरीज जीतने वाली पहली एशियन, जबकि दुनिया की पांचवीं टीम बनी। इससे पहले इंग्लैंड (1882-83), वेस्ट इंडीज(1979-80), न्यूजीलैंड (1985-86) और दक्षिण अफ्रीका (2008-09) ही यह उपलब्धि हासिल कर पाए हैं।

विराट की कप्तानी में सीरीज

सीरीज	कितनी	जीत	हार	ड्रॉ
विदेश में	08	04	03	01
घर में	07	07	00	00
कुल	15	11	03	01

”

अगर मुझे लगता है कि राष्ट्रीय टीम की आलोचना किसी एजेंडे के तहत की जा रही है तो मैं इसका सीधे जवाब दूंगा। आप इसकी उम्मीद करते हो। मैं उन व्यक्तियों में से एक हूं जो मानते हैं कि अगर ये रचनात्मक हैं तो ठीक है लेकिन अगर मुझे लगता है कि ये किसी एजेंडे को लेकर की जा रही हैं तो मैं सीधे इसका जवाब दूंगा। मैं सच कह रहा हूं। मुझे परवाह नहीं कि वो कोई महान व्यक्ति है या कोई सामान्य व्यक्ति। अगर मुझे लगता है कि मुझे इसका जवाब देना है तो मैं ऐसा करूंगा।

—रवि शास्त्री, भारतीय कोच

“

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज का कार्यक्रम

24 फरवरी	पहला टी20	विशाखापत्तनम	शाम 7 बजे से
27 फरवरी	दूसरा टी20	बेंगलुरू	शाम 7 बजे से
2 मार्च	पहला वनडे	हैदराबाद	दोपहर 1:30 बजे से
5 मार्च	दूसरा वनडे	नागपुर	दोपहर 1:30 बजे से
8 मार्च	तीसरा वनडे	रांची	दोपहर 1:30 बजे से
10 मार्च	चौथा वनडे	मोहाली	दोपहर 1:30 बजे से
13 मार्च	पांचवां वनडे	दिल्ली	दोपहर 1:30 बजे से

टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम

विराट कोहली (कप्तान), रोहित शर्मा (उपकप्तान), केएल राहुल, शिखर धवन, ऋषभ पंत, दिनेश कार्तिक, महेंद्र सिंह (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, कृणाल पंड्या, विजय शंकर, युजवेंद्र चहल, जसप्रीत बुमराह, उमेश यादव, सिद्धार्थ कौल, मयंक मार्कंडेय।

पहले दो वनडे मैचों के लिए भारतीय टीम

विराट कोहली (कप्तान), रोहित शर्मा (उपकप्तान), शिखर धवन, अंबाती रायुडू, केदार जाधव, महेंद्र सिंह धोनी (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, विजय शंकर, ऋषभ पंत, सिद्धार्थ कौल, केएल राहुल।

आखिरी तीन वनडे मैचों के लिए भारतीय टीम

विराट कोहली (कप्तान), रोहित शर्मा (उपकप्तान), शिखर धवन, अंबाती रायुडू, केदार जाधव, महेंद्र सिंह धोनी (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, विजय शंकर, ऋषभ पंत, भुवनेश्वर कुमार, केएल राहुल ।

CRICKET AUSTRALIA

स्मृति मंधाना

आईसीसी वुमेन क्रिकेटर ऑफ द ईयर

वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला वनडे खिलाड़ी भी चुनी गईं आईसीसी की महिला वनडे और टी20 में मिली जगह

खेल टुडे ब्यूरो

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की प्रारंभिक बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने आईसीसी की साल की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी के रूप में रेचेल हेयोइ फ्लिंट पुरस्कार हासिल किया है। इसके साथ मंधाना ने आईसीसी की सर्वश्रेष्ठ महिला वनडे खिलाड़ी का खिताब भी जीता है। 22 वर्षीय की स्मृति को आईसीसी की सर्वश्रेष्ठ महिला वनडे टीम और साल की सर्वश्रेष्ठ महिला टी-20 टीम में भी शामिल किया गया है। उन्होंने 12 वनडे मैचों में 66.90 की स्ट्राइक रेट से 669 रन बनाए हैं। मंधाना ने 25 टी-20 मैचों में 130.67 की स्ट्राइक रेट से 622 रन बनाए हैं। स्मृति इस समय आईसीसी की वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में नंबर एक स्थान पर हैं, वहीं टी-20 महिला बल्लेबाजों की रैंकिंग में छठे स्थान पर हैं।

आईसीसी ने वर्ष 2018 की महिला वनडे और टी20 टीम की घोषणा की है। आईसीसी वुमेंस टी20 टीम में हरमनप्रीत के अलावा स्मृति मंधाना और गेंदबाज पूनम यादव को स्थान मिला है। इसी तरह आईसीसी वूमेंस वनडे टीम ऑफ द ईयर में भारत की दो खिलाड़ी शामिल हैं. आश्चर्यजनक रूप से हरमनप्रीत कौर को इस वनडे टीम में जगह नहीं मिली है। टी20 टीम की तरह स्मृति मंधाना और पूनम यादव वनडे टीम में जगह बनाने में सफल रही हैं। स्मृति ने अब तक भारत के लिए दो टेस्ट, 44 वनडे और 52 टी20 मैच खेले हैं। टेस्ट मैचों में उन्होंने 27 के औसत से 81 रन बनाए हैं। वनडे में स्मृति ने 39.07 के औसत से 1602 रन बनाए हैं, जिसमें 135 रन का उच्च स्कोर शामिल हैं। बाएं हाथ की बल्लेबाज स्मृति वनडे इंटरनेशनल में तीन शतक बना चुकी हैं। टी20 इंटरनेशनल में स्मृति ने 22.73 के औसत से 1046 रन बनाए हैं, इसमें छह अर्धशतक हैं। ■

> “यह पुरस्कार बेहद खास है। एक खिलाड़ी के तौर पर आप रन बनाना चाहते हैं, अपनी टीम को जिताना चाहते हैं। ऐसे में आपकी कड़ी मेहनत के लिए आपका सम्मान भी किया जाता है तो यह बेहद प्रेरणादायी होता है और आपको टीम के लिए बेहतर प्रदर्शन करने पर प्रेरित करता है।
>
> -स्मृति मंधाना,
> भारतीय क्रिकेटर ”

आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप 2019 का कार्यक्रम

तारीख	मैच	मैदान
30 मई	इंग्लैंड बनाम साउथ अफ्रीका	द ओवल, लंदन
31 मई	वेस्टइंडीज बनाम पाकिस्तान	ट्रेंट ब्रिज, नॉटिंघम
1 जून	न्यूजीलैंड बनाम श्रीलंका	कार्डिफ वेल्स स्टेडियम, कार्डिफ
	अफगानिस्तान बनाम ऑस्ट्रेलिया (डे नाइट)	
2 जून	साउथ अफ्रीका बनाम बांग्लादेश	द ओवल, लंदन
3 जून	इंग्लैंड बनाम पाकिस्तान	ट्रेंट ब्रिज, नॉटिंघम
4 जून	अफगानिस्तान बनाम श्रीलंका	कार्डिफ वेल्स स्टेडियम, कार्डिफ
5 जून	भारत बनाम साउथ अफ्रीका	हैंपशायर बाउल, साउथैंप्टन
	बांग्लादेश बनाम न्यूजीलैंड (डे नाइट)	द ओवल लंदन
6 जून	ऑस्ट्रेलिया बनाम वेस्टइंडीज	ट्रेंट ब्रिज, नॉटिंघम
7 जून	पाकिस्तान बनाम श्रीलंका	ब्रिस्टल काउंटी ग्राउंड, ब्रिस्टल
8 जून	इंग्लैंड बनाम बांग्लादेश	कार्डिफ वेल्स स्टेडियम
	अफगानिस्तान बनाम न्यूजीलैंड	काउंटी ग्राउंड, टॉन्टन
9 जून	भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया	द ओवल, लंदन
10 जून	साउथ अफ्रीका बनाम वेस्टइंडीज	हैंपशायर बाउल, साउथैंप्टन
11 जून	बांग्लादेश बनाम श्रीलंका	ब्रिस्टल काउंटी ग्राउंड, ब्रिस्टल
12 जून	ऑस्ट्रेलिया बनाम पाकिस्तान	काउंटी ग्राउंड, टॉन्टन
13 जून	भारत बनाम न्यूजीलैंड	ट्रेंट ब्रिज, नॉटिंघम
14 जून	इंग्लैंड बनाम वेस्टइंडीज	हैंपशायर बाउल, साउथैंप्टन
15 जून	श्रीलंका बनाम ऑस्ट्रेलिया	द ओवल, लंदन
	साउथ अफ्रीका बनाम अफगानिस्तान	कार्डिफ वेल्स, कार्डिफ
16 जून	भारत बनाम पाकिस्तान	ओल्ड ट्रेफर्ड, मैनचेस्टर
17 जून	वेस्टइंडीज बनाम बांग्लादेश	काउंटी ग्राउंड, टॉन्टन
18 जून	इंग्लैंड बनाम अफगानिस्तान	ओल्ड ट्रेफर्ड, मैनचेस्टर
19 जून	न्यूजीलैंड बनाम साउथ अफ्रीका	एजबेस्टन, बर्मिंघम
20 जून	ऑस्ट्रेलिया बनाम बांग्लादेश	ट्रेंट ब्रिज, नॉटिंघम
21 जून	इंग्लैंड बनाम श्रीलंका	हेडिंग्ले, लीड्स
22 जून	भारत बनाम अफगानिस्तान	हैंपशायर बाउल, साउथैंप्टन
	वेस्टइंडीज बनाम न्यूजीलैंड (डे नाइट)	ओल्ड ट्रेफर्ड, मैनचेस्टर
23 जून	पाकिस्तान बनाम साउथ अफ्रीका	लॉर्ड्स, लंदन
24 जून	बांग्लादेश बनाम अफगानिस्तान	हैंपशायर बाउल, हैंपशायर
25 जून	इंग्लैंड बनाम ऑस्ट्रेलिया	लॉर्ड्स, लंदन
26 जून	न्यूजीलैंड बनाम पाकिस्तान	एजबेस्टन, नॉटिंघम
27 जून	भारत बनाम वेस्टइंडीज	ओल्ड ट्रेफर्ड, मैनचेस्टर
28 जून	श्रीलंका बनाम साउथ अफ्रीका	द रिवर साइड, डरहम
29 जून	पाकिस्तान बनाम अफगानिस्तान	हेडिंग्ले, लीड्स
	न्यूजीलैंड बनाम ऑस्ट्रेलिया (डे नाइट)	लॉर्ड्स, लंदन
30 जून	भारत बनाम इंग्लैंड	एजबेस्टन, बर्मिंघम
1 जुलाई	श्रीलंका बनाम वेस्टइंडीज	द रिवर साइड, डरहम
2 जुलाई	भारत बनाम बांग्लादेश	एजबेस्टन, बर्मिंघम
3 जुलाई	इंग्लैंड बनाम न्यूजीलैंड	द रिवर साइड, डरहम
4 जुलाई	अफगानिस्तान बनाम वेस्टइंडीज	हेडिंग्ले, लीड्स
5 जुलाई	पाकिस्तान बनाम बांग्लादेश	लॉर्ड्स, लंदन
6 जुलाई	भारत बनाम श्रीलंका	हेडिंग्ले, लीड्स
	ऑस्ट्रेलिया बनाम साउथ अफ्रीका	ओल्ड ट्रेफर्ड, मैनचेस्टर
9 जुलाई	पहला सेमीफाइनल 1 बनाम 4	ओल्ड ट्रेफर्ड , मैनचेस्टर
बुधवार 10 जुलाई	रिजर्व डे	
गुरुवार 11 जुलाई	दूसरा सेमीफाइनल 2 बनाम 3	एजबेस्टन, बर्मिंघम
शुक्रवार 12 जुलाई	रिजर्व डे	
रविवार 14 जुलाई	फाइनल लॉर्ड्स,	लंदन
सोमवार 15 जुलाई	रिजर्व डे	

पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगा भारत

अशोक किंकर

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने टी20 विश्व कप टूर्नामेंट के कार्यक्रम का ऐलान किया। पूर्व चैंपियन भारत का सामना अगले साल ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका से होगा। यह मैच पर्थ में 24 अक्टूबर को खेला जाएगा, जबकि टूर्नमेंट 18 अक्टूबर से शुरू होगा जब क्वॉलिफाइंग मुकाबले खेले जाएंगे। पुरूषों का टी20 विश्व कप 18 अक्टूबर से 15 नवंबर तक चलेगा। इसके पहले मैच में मेजबान ऑस्ट्रेलिया का सामना 24 अक्टूबर को सिडनी में दुनिया की नंबर एक टीम पाकिस्तान से होगा। गत चैंपियन वेस्ट इंडीज पहला सुपर 12 ग्रुप मैच न्यूजीलैंड से 25 अक्टूबर को मेलबर्न में खेलेगा। टी-20 वर्ल्ड कप के मुकाबले ऑस्ट्रेलिया के 7 शहरों के 7 स्टेडियमों में खेले जाएंगे। इनमें पर्थ, एडीलेड, मेलबर्न, होबार्ट, सिडनी, ब्रिस्बेन और गीलॉन्ग शामिल हैं। ग्रुप वन में ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान, वेस्टइंडीज , न्यूजीलैंड और दो क्वॉलिफायर हैं जबकि दूसरे ग्रुप में भारत, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, अफगानिस्तान और दो क्वॉलिफायर होंगे। ■

हम जब भी ऑस्ट्रेलिया में किसी टूर्नमेंट की मेजबानी करते हैं तो हमें पता होता है कि दुनिया के एक अरब क्रिकेटप्रेमियों को बेहतरीन आयोजन की गारंटी रहती है। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी और बेहतरीन मैदान। शोर मचाने वाले, क्रिकेट को समझने वाले जुनूनी दर्शक जो टी20 विश्व कप के लिए चाहिए।

— डेव रिचर्डसन,
आईसीसी के मुख्य कार्यकारी

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने इस बार महिला और पुरुष टी-20 वर्ल्ड कप की मेजबानी ऑस्ट्रेलिया को सौंपी है। इस बार पहली बार ऐसा हो रहा है कि टी-20 वर्ल्ड कप में महिला और पुरुष दोनों टीमें एक साल और एक ही देश में कुछ माह के अंतराल पर खेलेंगी। महिला टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल मैच सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर अलग-अलग दिन खेले जाएंगे, जबकि पुरुष टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल मैचों का आयोजन सिडनी और एडिलेड ओवल में होगा। 2015 का वर्ल्ड भी ऑस्ट्रेलिया में ही हुआ था और काफी सफल रहा था। तब भी फाइनल मुकाबला मेलबर्न में ही हुआ था और इसे देखने रिकॉर्ड संख्या में लोग पहुंचे थे। आईसीसी को उम्मीद है कि इस बार दर्शकों के स्टेडियम पहुंचने का नया रिकॉर्ड बनेगा।

टी20 वर्ल्ड कप पुरुष टूर्नामेंट

18 अक्टूबर से 15 नवंबर 2020

7	7	16	45
शहर	स्टेडियम	टीमें	मैच

ग्रुप-ए

पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज और दो क्वालिफायर

ग्रुप-बी

भारत, इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका, अफगानिस्तान और दो क्वालिफायर

भारतीय पुरुष टीम के मुकाबले

24 अक्टूबर	भारत बनाम साउथ अफ्रीका	पर्थ
29 अक्टूबर	भारत बनाम क्वॉलिफायर-1	मेलबर्न
01 नवंबर	भारत बनाम इंग्लैंड	मेलबर्न
05 नवंबर	भारत बनाम क्वॉलिफायर-2	एडिलेड
08 नवंबर	भारत बनाम अफगानिस्तान	सिडनी

आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप (पुरुष) टूर्नामेंट का कार्यक्रम

पहला दौर

18 अक्टूबर	श्रीलंका बनाम क्वॉलिफायर, साउथ जीलोंग	क्वॉलिफायर ए टू बनाम क्वॉलिफायर ए फोर, साउथ जीलोंग
19 अक्टूबर	बांग्लादेश बनाम क्वॉलिफायर, तस्मानिया	क्वॉलिफायर बी टू बनाम क्वॉलिफायर बी फोर, तस्मानिया
20 अक्टूबर	क्वॉलिफायर ए थ्री बनाम क्वॉलिफायर ए फोर, साउथ जीलोंग	श्रीलंका बनाम क्वॉलिफायर ए टू, साउथ जीलोंग
21 अक्टूबर	क्वॉलिफायर बी थ्री बनाम क्वॉलिफायर बी फोर, तस्मानिया	बांग्लादेश बनाम क्वॉलिफायर बी टू, तस्मानिया
22 अक्टूबर	क्वॉलिफायर ए टू बनाम क्वॉलिफायर ए थ्री, साउथ जीलोंग	श्रीलंका बनाम क्वॉलिफायर ए फोर, साउथ जीलोंग
23 अक्टूबर	क्वॉलिफायर बी टू बनाम क्वॉलिफायर बी थ्री, तस्मानिया	बांग्लादेश बनाम क्वॉलिफायर बी फोर, तस्मानिया

सुपर 12

24 अक्टूबर	ऑस्ट्रेलिया बनाम पाकिस्तान, सिडनी	भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका, पर्थ
25 अक्टूबर	ए वन बनाम बी टू, होबार्ट	न्यू जीलैंड बनाम वेस्टइंडीज, मेलबर्न
26 अक्टूबर	अफगानिस्तान बनाम ए टू, पर्थ	इंग्लैंड बनाम बी वन, पर्थ
27 अक्टूबर	न्यूजीलैंड बनाम बी टू, होबार्ट	
28 अक्टूबर	अफगानिस्तान बनाम बी वन, पर्थ	ऑस्ट्रेलिया बनाम वेस्टइंडीज, पर्थ
29 अक्टूबर	पाकिस्तान बनाम ए वन, सिडनी	भारत बनाम ए टू, मेलबर्न
30 अक्टूबर	इंग्लैंड बनाम दक्षिण अफ्रीका, सिडनी	वेस्टइंडीज बनाम बी टू, पर्थ
31 अक्टूबर	पाकिस्तान बनाम न्यूजीलैंड, ब्रिसबेन	ऑस्ट्रेलिया बनाम ए वन, ब्रिसबेन
1 नवंबर	द. अफ्रीका बनाम अफगानिस्तान, एडीलेड	भारत बनाम इंग्लैंड, मेलबर्न
2 नवंबर	ए टू बनाम बी वन, सिडनी	न्यूजीलैंड बनाम ए वन, ब्रिसबेन
3 नवंबर	पाकिस्तान बनाम वेस्टइंडीज, एडीलेड	ऑस्ट्रेलिया बनाम बी टू, एडीलेड
4 नवंबर	इंग्लैंड बनाम अफगानिस्तान, ब्रिसबेन	
5 नवंबर	दक्षिण अफ्रीका बनाम ए टू, एडीलेड	भारत बनाम बी वन, एडीलेड
6 नवंबर	पाकिस्तान बनाम बी टू, मेलबर्न	ऑस्ट्रेलिया बनाम न्यू जीलैंड, मेलबर्न
7 नवंबर	इंग्लैंड बनाम ए टू, एडीलेड	वेस्ट इंडीज बनाम ए वन, मेलबर्न
8 नवंबर	दक्षिण अफ्रीका बनाम बीवन, सिडनी	भारत बनाम अफगानिस्तान, सिडनी

सेमीफाइनल

11 नवंबर
पहला सेमीफाइनल
सिडनी

12 नवंबर
दूसरा सेमीफाइनल
एडीलेड

फाइनल

15 नवंबर,
मेलबर्न

टी20 वर्ल्ड कप महिला टूर्नामेंट

21 फरवरी से 8 मार्च, 2020

4	4	10	23
शहर	स्टेडियम	टीमें	मैच

ग्रुप-1

भारत, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, श्रीलंका और क्वालिफायर

ग्रुप-2

इंग्लैंड, द.अफ्रीका, पाकिस्तान, वेस्टइंडीज और क्वालिफायर

भारतीय महिला टीम के मुकाबले

21 फरवरी	भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया	स्पोटलेस, सिडनी
24 फरवरी	भारत बनाम क्वॉलिफायर 1	वाका स्टेडियम पर्थ
27 फरवरी	भारत बनाम न्यूजीलैंड	जंक्शन ओवल मेलबर्न
29 फरवरी	भारत बनाम श्रीलंका	जंक्शन ओवल मेलबर्न

टी20 वर्ल्ड कप (महिला) टूर्नामेंट का कार्यक्रम

21 फरवरी	ऑस्ट्रेलिया बनाम भारत	सिडनी
22 फरवरी	वेस्टइंडीज बनाम क्वॉलिफायर दो	पर्थ
	न्यूजीलैंड बनाम श्रीलंका	पर्थ
23 फरवरी	इंग्लैंड बनाम दक्षिण अफ्रीका	पर्थ
24 फरवरी	ऑस्ट्रेलिया बनाम श्रीलंका	पर्थ
	भारत बनाम क्वॉलिफायर एक	पर्थ
26 फरवरी	इंग्लैंड बनाम क्वॉलिफायर दो	कैनबरा
	वेस्टइंडीज बनाम पाकिस्तान	कैनबरा
27 फरवरी	भारत बनाम न्यूजीलैंड	मेलबर्न
	ऑस्ट्रेलिया बनाम क्वॉलिफायर एक	कैनबरा
28 फरवरी	दक्षिण अफ्रीका बनाम क्वॉलिफायर दो	कैनबरा
	इंग्लैंड बनाम पाकिस्तान	कैनबरा
29 फरवरी	भारत बनाम श्रीलंका	मेलबर्न
	दक्षिण अफ्रीका बनाम पाकिस्तान	सिडनी
1 मार्च	दक्षिण अफ्रीका बनाम पाकिस्तान	सिडनी
	इंग्लैंड बनाम वेस्टइंडीज	सिडनी
2 मार्च	श्रीलंका बनाम क्वॉलिफायर एक	मेलबर्न
	आस्ट्रेलिया बनाम न्यूजीलैंड	मेलबर्न
3 मार्च	पाकिस्तान बनाम क्वॉलिफायर दो	सिडनी
	वेस्टइंडीज बनाम दक्षिण अफ्रीका	सिडनी
5 मार्च	पहला	सिडनी
	दूसरा सेमीफाइनल	सिडनी

सेमीफाइनल 5 मार्च
पहला सेमीफाइनल, सिडनी
दूसरा सेमीफाइनल, सिडनी

फाइनल
8 मार्च मेलबर्न

पहले मैच में भारत का सामना ऑस्ट्रेलिया से

आईसीसी महिला टी20 विश्व कप अगले साल 21 फरवरी से 8 मार्च तक खेला जाएगा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम अपना पहले मैच में आस्ट्रेलिया से खेलेगी। अभ्यास मैच 15 से 20 फरवरी तक एडीलेड और ब्रिसबेन में खेले जायेंगे। टूर्नामेंट चार शहरों सिडनी, कैनबरा, पर्थ और मेलबर्न में होगा। मेजबान टीम से खेलने के बाद भारतीय टीम 24 फरवरी को पर्थ में क्वॉलिफायर से खेलेगी। इसके बाद 27 फरवरी को मेलबर्न में न्यूजीलैंड से खेलना है। इसी मैदान पर भारत को आखिरी राउंड रॉबिन मैच श्रीलंका से खेलना है। सेमीफाइनल पांच मार्च को और फाइनल आठ मार्च को क्रमशः सिडनी और मेलबर्न में खेले जाएंगे। ■

आईसीसी और कोका-कोला मिलकर मनाएंगे विश्व क्रिकेट का जश्न

अशोक किंकर

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल और कोका-कोला अब साथ मिलकर दुनिया के सबसे लोकप्रिय खेलों में शुमार क्रिकेट और इसके अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों का जश्न मनाएंगे। इसके लिए दोनों संगठनों ने 5-वर्ष की वैश्विक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। इस साझेदारी के जरिए कोका-कोला कंपनी के ब्रांड्स वर्ष 2023 तक आईसीसी के एक्सक्लुसिव नॉन-अल्कोहलिक बेवरेज पार्टनर्स बनेंगे। पांच-वर्ष के लिए हुए इस समझौते के तहत दुनिया भर में होने वाले आईसीसी के सभी आयोजन शामिल हैं, जैसे-इंग्लैंड एवं वेल्स में आईसीसी मेन्स क्रिकेट वर्ल्ड कप 2019, वर्ष 2020 में ऑस्ट्रेलिया में आईसीसी मेन्स ऐंड वुमेन्स टी20 वर्ल्ड कप्स, न्युजीलैंड में आईसीसी वुमेन्स वर्ल्ड कप 2021 और वर्ष 2023 में भारत में आईसीसी मेन्स क्रिकेट वर्ल्ड कप व अन्य वैश्विक टूर्नामेंट। यह साझेदारी लंबी अवधि के लिए आईसीसी और कोका-कोला कंपनी दोनों को योजनाबद्ध तरीके से एक साथ लायेगी। आईसीसी द्वारा इस खेल को दुनिया के कोने-कोने तक पहुंचाने के उद्देश्य को पूरा करने हेतु कोका-कोला के 500 से अधिक ब्रांड्स वाले डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो एवं विश्वव्यापी पहुंच की ताकत का उपयोग किया जायेगा। इस साझेदारी के बारे में टिप्पणी करते हुए, आईसीसी के चीफ एक्जिक्यूटिव डेविड रिचर्डसन ने कहा 'अगले पाँच वर्षों के लिए आईसीसी के पार्टनर के रूप में कोका-कोला का स्वागत करते हुए हमें बेहद खुशी है। क्रिकेट इस दुनिया का सबसे बड़ा खेल है जिसके 1 बिलियन से अधिक प्रशंसक हैं, और हम इसके लिए दुनिया के सबसे बड़े ब्रांड्स में से एक कोका-कोला से हाथ मिलाने पर उत्साहित हैं।आईसीसी इस खेल को दुनिया भर में पहुंचाने के प्रति समर्पित है। इसके तीन फॉर्मेट्स की लोकप्रियता और इनके लिए आयोजित किये जाने वाले प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय इवेंट्स सभी बड़े ब्रांड्स के लिए हमारे खेल के साथ जुड़ने हेतु आकर्षक मौका पेश करेंगे।'

इस अवसर पर, टी. कृष्णकुमार, प्रेसिडेंट, कोका-कोला इंडिया और साउथ वेस्ट एशिया ने कहा 'क्रिकेट एक वैश्विक खेल है। इस खेल का जुनून विभिन्न पीढ़ियों, महिला-पुरुष, बूढ़े-बच्चों और संस्कृतियों से जुड़े 1 बिलियन से अधिक लोगों के सिर चढ़कर बोलता है। वैश्विक स्तर पर होने वाले प्रमुख खेल आयोजनों से जुड़ने का हमारा लंबा इतिहास रहा है। इस सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए आईसीसी के साथ हमारी साझेदारी खेल प्रशंसकों को खुशियां प्रदान करने और उनके मनोरंजन अनुभव को बेहतर बनाने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत बनाती है। हम अपने विविध पोर्टफोलियो के साथ अपने ग्राहकों को खुशियां प्रदान करना चाहते हैं और हमारे उत्पादों से जुड़ने के अवसर पेश करते हुए क्रिकेट प्रेमियों के अगले पांच वर्षों तक और उससे आगे भी विशेष अनुभव तैयार करने की उम्मीद करते हैं।'

श्री विजय परसुरामन, वाइस-प्रेसिडेंट - मार्केटिंग, कोका-कोला इंडिया और दक्षिण पश्चिम एशिया 'कोका-कोला का बेवरेज पोर्टफोलियो ग्राहकों पर केंद्रित है। कंपनी बारीकी से उनकी पसंद को समझती है और लोगों को हमारे ब्रांड से जोड़ने के लिए लगातार नये-नये तरीके तलाशती है। ग्राहकों में आशावादिता एवं खुशी के पलों हेतु प्रेरणा देने के लिए आईसीसी के साथ हमारी साझेदारी के तहत, हम प्रशंसकों को 2019 आईसीसी वर्ल्ड कप मैच लाइव देखने हेतु भी अवसर प्रदान करेंगे।'

कोका-कोला कंपनी का ओलंपिक्स के साथ आठ-दशक पुराना गठबंधन है, फीफा के साथ चार दशकों का गठबंधन है और वर्ल्ड कप रग्बी के साथ लगभग 25 वर्षों का गठबंधन है। कोका-कोला कंपनी तेजी से ऐसी संपूर्ण बेवरेज कंपनी बनने की ओर बढ़ रही है, जो हर अवसर और प्रत्येक व्यक्ति के लिए ड्रिंक उपलब्ध करायेगी। इस रूपांतरण के तहत कंपनी द्वारा स्पार्कलिंग से लेकर हाइड्रेशन और रेडी-टू-ड्रिंक टी व कॉफी की बेवरेज श्रेणियों की रेंज में ग्राहक केंद्रित पोर्टफोलियो तैयार किया जा रहा है। भारत, टीसीसीसी के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है और कोका-कोला इंडिया, कोका-कोला सिस्टम में सबसे बड़े आकार वाला बाजार बनने के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। हाल ही में, कोका-कोला इंडिया ने भारत में अपनी 25वीं वर्षगाँठ मनाई और यह ऐसे अनोखे एवं लोकलाइज्ड बेवरेजेस लाने पर ध्यान दे रही है, जो क्षेत्र विशेष के ग्राहकों के स्वाद एवं पसंद के अनुरूप हो। ■

टीम फोर्स ने जीता जेके टायर विमेंस ड्राइव रैली का टीडीएस क्लींस ऑफ नार्थ इंडिया खिताब

माला और प्रतिभा ने दिखाया कार रेसिंग का दम

खेल टुडे ब्यूरो

डॉ. माला कपूर और उनकी सहचालिका प्रतिभा आनंद ने जेके टायर विमेंस ड्राइव रैली का टीडीएस क्लींस ऑफ नार्थ इंडिया खिताब जीत लिया। माला और प्रतिभा ने तिरंगे रंग से रंगी अपने फोर्स कार से नई दिल्ली से चंडीगढ़ की 250 किलोमीटर की दूरी को सबसे कम 37:35 पेनाल्टी मिनट में पूरी कर एफएमएससीआई द्वारा मान्यता प्राप्त इस रैली के पहले संस्करण का खिताब अपने नाम कर लिया।

रैली में करीब 300 महिलाओं ने 100 कारों के साथ सुबह राष्ट्रीय राजधानी के मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम से रेस की शुरूआत की। रैली में टीमों की ड्राइविंग स्किल्स और नेविगेशन स्किल्स की दो चरणों में जांच की गई। इनकी प्रोग्रेस को रिकार्ड करने लिए रास्ते में करीब 14 हिडन टाइम कंट्रोल लगाए गए थे।

पहला चरण करनाल की ओर जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर पहुंचने से पहले किया गया। इसके बाद दूसरे चरण की शुरूआत करनाल से शुरू होकर पंचकूला के रास्ते चंडीगढ़ तक किया गया। स्वप्ना धवन, नीना जैन और पूजा मट्टा की तिकड़ी को दूसरा स्थान मिला। उन्होंने टोयोटा फॉर्च्यूनर कार के साथ 46: 47 मिनट के पेनाल्टी के साथ रेस पूरी की। दीपालो सक्सेना, संगीता महरोत्रा और नुपुर गल्होत्रा की वी-2 रैली टीम ने 65 मिनट के पेनाल्टी के साथ रैली पूरी कर तालिका में तीसरा स्थान हासिल किया। अभिनेता विद्युत जामवाल और जेके टायर मोटरस्पोर्ट के प्रमुख संजय शर्मा ने सेलीब्रीटिज की मौजूदगी में चंडीगढ़ में आयोजित पुरस्कार समारोह में विजेता टीमों को पुरस्कृत किया। इस आयोजन को सफल बनाने के लिए महिलाओं द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना करते हुए शर्मा ने प्रतियोगियों से अपने सपने को न छोड़ने और अपने पेशन को जारी रखने का अनुरोध किया। रैली के दौरान प्रतिभागियों ने और कैंसर, बेटी बचाओ, शिक्षा, सेफ ड्राइविंग और महिला सशक्तिकरण सहित विभिन्न मुद्दों के बारे में भी जागरूकता पैदा करने की कोशिश की।

कई टीमों ने तो सुरक्षा बलों को श्रद्धांजलि भी दी। देश के असली हीरो को सलामी देने के लिए

"इस रैली में हिस्सा लेने के लिए इतनी सारी महिलाओं को बाहर आते हुए देखकर बहुत अच्छा लगा। मैं यह देखकर बेहद खुश हूं कि देश में मोटरस्पोर्ट के प्रति महिलाओं में भी जुनून बढ़ रहा है। हम उनके बीच इस खेल को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

—संजय शर्मा,
जेके टायर मोटर स्पोर्ट के प्रमुख"

तान्या ने प्रियंका संग जीती रैली

जेके टायर यंग फिक्की लेडीज आर्गेनाइजेशन पावर ड्राइव का सफल आयोजन हुआ। एनसीआर के कुछ आयकोनिक रोड्स पर हुए इस आयोजन में 30 युवा महिला चालकों ने अपने लक्जुरियस सेडान और एसयूवी में हिस्सा लिया। अपनी तरह की इस अलग रैली का आयोजन टीडीएस फॉर्मेट पर हुआ और इसका आयोजन एफएमएससीआई गाइडलाइंस के आधार पर हुआ। इस रैली का आयोजन महिलाओं के बीच मोटरस्पोर्ट्स को लोकप्रिय बनाने के लिए किया गया। फिक्की के सहयोग से आयोजित इस रैली को जेके टायर मोटरस्पोर्ट्स के उस विजन का हिस्सा माना जा रहा है, जिसमें महिलाओं को इस रोमांचक खेल के लिए आगे लाना तय किया गया है। यंग फिक्की लेडीज आर्गेनाइजेशन (एफवाईएलओ) की सदस्यों ने फिक्की हाउस से बड़ी उत्साह के साथ इस रैली में हिस्सा लिया। फिक्की की अध्यक्ष (महिला विंग) सुश्री सीता रैना ने रैली को फ्लैगऑफ किया। इस दौरान जेके टायर के मार्केटिंग डाइरेक्टर श्री विक्रम मल्होत्रा और जेके इंडस्ट्रीज के श्री श्रीवस्त सिंघानिया भी मौजूद थे। 50 किलोमीटर की इस चुनौती में आठ टाइम कंट्रोल रखे गए थे। इससे इन महिलाओं की ड्राइविंग और नेवीगेशन स्किल्स की परीक्षा हुई। रैली गुरुग्राम के आईटीसी भारत होटल पर जाकर समाप्त

उन्होंने अच्छे से अपनी कारों को भी सजाया था। इसके लिए पुरस्कार वितरण समारोह में उपस्थित अतिथियों ने भी उनकी तारीफ की। टीएसडी विजेताओं के अलावा कई अन्य पुरस्कार भी दिए गए। इनमें राशि गुप्ता, बिंदु सेहरा और श्वेता रंजन की टीम को बेस्ट ड्रेस्ड टीम का पुरस्कार मिला। साधना, अदिती और मीनाक्षी को बेस्ट ग्रुपफी का पुरस्कार मिला। इसके अलावा ग्लोब ट्रोटर्स की मोहिता भारद्वाज को मोस्ट स्टाइलिश वूमेन अवार्ड और गीतांजलि, विभा तथा सीमा की टीम को बेस्ट सोशल मैसेज ऑन कार का पुरस्कार मिला। बेस्ट कार काराओके वर्ग का पुरस्कार मोनिशा और स्निग्धा को जबकि कार्तिक और जेस्मिन की टीम को मोस्ट सोशियली एक्टिव टीम का पुरस्कार मिला। ■

हुई। तान्या गोरवारा ने अपनी सहचालक प्रियंका आहूजा के साथ 17.57 पेनाल्टी मिनट्स के साथ यह रैली जीती। मीनल कोठारी और आंचल भल्ला ने दूसरा स्थान हासिल किया जबकि अपर्णा पासरिचा और सुमेधा शराफ ने तीसरा स्थान हासिल किया। विजेताओं को देश की सबसे तेज एलजीबी 4 चालक स्नेहा शर्मा ने ट्राफी दी।

जेके टायर हमेशा से खेल की दुनिया से करीबी से जुड़ा रहा है। करीब तीन दशक पहले कंपनी ने मोटरस्पोर्ट को बढ़ावा देने के लिए एक दूरगामी और मजबूत पहल की थी। इस तरह के खेलों में भागीदारी के जरिये कंपनी को अपने उत्पादों को बेहतर बनाने और मुश्किल भारतीय परिस्थितियों के हिसाब से ढालने में मदद मिली। ■

भारत के जाने माने क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर मशहूर जिमनास्ट दीपा करमाकर पर लिखी पुस्तक का विमोचन करते हुए। साथ में हैं दीपा, उनके कोच नंदी व लेखक विमल मोहन और दिग्विजय सिंह देव।

भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष डॉ. नरिंदर ध्रुव बत्रा, महासचिव राजीव मेहता व कोषाध्यक्ष आनंदेश्वर पांड्ये उत्तराखंड के पूर्व मुख्य सचिव राकेश शर्मा (आईएएस) को तोक्यो ओलंपिक 2020 में भारतीय दल का उप प्रमुख नियुक्त करने का पत्र देते हुए।

भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष डॉ. नरिंदर ध्रुव बत्रा और महासचिव राजीव मेहता वेटलिफ्टिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष बी पी बैश्य को तोक्यो ओलंपिक 2020 में भारतीय दल का प्रमुख नियुक्त करने का पत्र देते हुए।

भारत के अंतरराष्ट्रीय जूडो खिलाड़ी सचिन मलिक ने पुणे में खेलो इंडिया यूथ गेम्स में स्वर्ण पदक जीता। वह दिल्ली विश्वविद्यालय के श्याम लाल कॉलेज का छात्र है।

राजपति मिश्रा स्मृति क्रिकेट टूर्नामेंट के विजेता एल बी शास्त्री क्लब के खिलाड़ी पूर्व टेस्ट क्रिकेटर यशपाल शर्मा व पूर्व रणजी खिलाड़ी विजय बहादुर के साथ।

सुदामा यादव स्मृति उत्तर प्रदेश राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता की चैंपियन बनी गौतमबुद्धनगर जिला की फुटबॉल टीम के खिलाड़ी। खुशी जताते हुए।

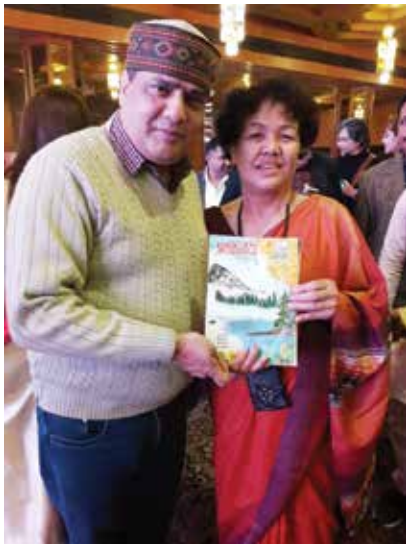

भारत की मशहूर पर्वतारोही बछेन्द्री पाल को अपनी पत्रिका भेंट करते हुए 'अलकनंदा' के संपादक विनोद ढौंडियाल।

भारत की अंतरराष्ट्रीय शूटर तेजस्विनी सावंत 'खेल टुडे' के साथ।

भारतीय ओलंपिक संघ एवं अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एएफआईएच)के अध्यक्ष डॉ. नरिंदर ध्रुव बत्रा हॉकी इंडिया की कॉफी टेबल बुक 'द इलस्ट्रेटेड हिस्ट्री ऑफ इंडियन हॉकी- ए सागा ऑफ ट्राइंफ्स,पेन एंड ड्रीम्स' के विमोचन के अवसर पर पूर्व हॉकी खिलाड़ियों अजित पाल सिंह, जफर इकबाल, हरबिंदर सिंह व ममता खरब आदि के साथ।

अब शूटिंग की धांय धांय से गूंजेगा टेलीविजन

हम शूटिंग को लोगों का खेल बनाना चाहते हैं : रणइंदर

राकेश थपलियाल

भारत की धरती पर पहली बार ऐसी प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है जिसमें ओलंपिक कोटा मिल सकेगा। आईएसएसएफ वर्ल्ड कप राइफल एवं पिस्टल 2019 का आयोजन डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में 20 से 28 फरवरी तक किया जाएगा। इसमें 58 देशों के 495 एथलीट 10 पदक स्पर्धाओं में आठ में तोक्यो ओलंपिक 2020 के लिए 16 कोटा प्लेस पाने के लिए शिरकत करेंगे। दो मिक्स्ड टीम इवेंट, एयर राइफल और एयर पिस्टल में, कोई ओलंपिक कोटा नहीं होगा। भारत इसमें 23 सदस्यीय मजबूत टीम उतारेगा जो 7 स्पर्धाओं में भारत14 कोटा प्लेस पाने की कोशिश करेगी।11 भारतीय खिलाड़ी गैर प्रतिस्पर्धी एमक्यूएस में शिरकत करेंगे।

नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरआई) के अध्यक्ष रणइंदर सिंह जो अंतर्राष्ट्रीय शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) के उपाध्यक्ष भी हैं ने बताया कि 'इस वर्ल्ड कप को सोनी टेन चैनल पर सीधा प्रसारण 60 देशों में किया जाएगा और इसे दूरदर्शन पर भी दिखाया जाएगा। इसके साथ भविष्य के सभी आईएसएसएफ वर्ल्ड कप प्रतियोगिताओं का सीधा प्रसारण किया जाएगा। शूटिंग को टेलीविजन तक पहुंचान के लिए जो कमेटी बनाई गई है उसका मैं चेयरमैन हूं और यह मेरी ड्यूटी है कि इस दिशा में काम करूं। हम चाहते हैं कि शूटिंग के खेल को ऐसा आकर्षक बनाया जाए कि यह लोगों तक पहुंचे। हम शूटिंग को लोगों का खेल बनाना चाहते हैं।'

वर्ल्ड कप के बारे में जानकारी देने के लिए आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में रणइंदर ने कहा कि 'हमें सरकार से कोई फंडिंग प्राप्त नहीं हुई है।' इस पर जब 'खेल टुडे' उनसे पूछा कि क्या आपने सरकार से अर्थिक मदद करने का अनुरोध किया था? यह सुनकर रणइंदर ने कहा, 'हमने सरकार से वर्ल्ड कप आयोजन के लिए कोई आर्थिक मदद नहीं मांगी।' तब 'खेल टुडे' ने पूछा कि 'फिर आपका यह कहने का क्या अर्थ है कि हमें सरकार से कोई फंडिंग प्राप्त नहीं हुई है।' इसके बाद रणइंदर ने अपनी बात को स्पष्ट करते हुए कहा कि 'मैंने यह नहीं कहा था और यह आईएसएसएफ की इंवेंट है इसका खर्च वह प्रायोजकों के जरिए उठाती है और सरकार से हम इसके लिए कुछ नहीं लेते हैं। भारत सरकार हमें स्टेडियम व अन्य सुविधाएं दे रही है।'

प्रेस कांफ्रेंस में इसके बाद पत्रकारों से बातचीत करने के लिए 'खेल टुडे' के कहने पर टीम के सबसे युवा खिलाड़ी सौरभ चौधरी को और फिर रणइंदर के कहने पर टीम के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी संजीव राजपूत को मंच पर बुलाया गया। खेल टुडे ने संजीव से पूछा कि इस वर्ल्ड कप से आपके पास एक बार फिर ओलंपिक का कोटा पाने का अवसर होगा। 2016 के रियो ओलंपिक में आप ओलंपिक कोटा हासिल करने के बावजूद नहीं जा पाए थे। क्या आपको भरोसा है कि इस बार वैसा नहीं होगा? इस पर संजीव ने कहा, 'मेरा काम पदक जीतना और कोटा हासिल करना है। पिछली बार भी फेडरेशन को जो ठीक लगा था उसने वही किया था। फेडरेशन जो भी करती है सही करती है।' इस पर 'खेल टुडे' ने रणइंदर से पूछा कि क्या वह संजीव की इस बात से सहमत हैं कि 'फेडरेशन जो करती है ठीक करती है' ? इस प्रश्न के जवाब में रणइंदर ने कहा, नहीं ऐसा नहीं है। हम जो करते हैं वह हर बार सही नहीं होता है। हम गलतियां करते हैं और पता चलने पर उसमे सुधार भी करते हैं। मैं इस चैरिटेबल कमेंट के लिए संजीव का शुक्रिया अदा करता हूं। हमारी राष्ट्रीय चैंपियनशिप में सात हजार शूटर भाग लेते हैं। उनके रिजल्ट वेबसाइट पर डाले जाते हैं। ऐसा होता है कि दो-तीन दिन बाद शूटर हमें बताते हैं कि कुछ गलत डल गया है तो हम उसमें सुधार करते हैं। जहां तक ओलंपिक कोटा पाने वाले शूटर को न भेजने की बात है तो कोटा व्यक्तिगत नहीं बल्कि देश का होता है। हम शूटर की करंट फॉर्म को ध्यान में रखते हैं। हर चैंपियनशिप के अंक देते हैं और उसी के आधार पर तय किया जाता है कि कौन सा शूटर ओलंपिक में जाएगा। कई बार तो अंकों का अंतर बहुत ही कम होता है।' इसके बाद रणइंदर ने एथलीट्स कमीशन के

आईएसएसएफ वर्ल्ड कप राइफल एवं पिस्टल, नई दिल्ली - 2019

20 से 28 फरवरी

58 देश | **495 एथलीट**

10 स्पर्धाएं

अपूर्वी चंदेला ने वर्ल्ड रिकॉर्ड के साथ जीता गोल्ड

भारत की स्टार निशानेबाज अपूर्वी चंदेला ने शूटिंग वर्ल्ड कप में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल इवेंट में गोल्ड मेडल जीता है। अपूर्वी ने फाइनल में 252.9 अंक हासिल किए जो एक वर्ल्ड रिकॉर्ड भी है। इसके साथ ही वह अंजलि भागवत के बाद महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल में गोल्ड मेडल जीतने वाली भारत की दूसरी महिला निशानेबाज बन गई हैं।

भारतीय टीम :

10 मीटर एयर राइफल : पुरुष - रवि कुमार, दीपक कुमार, दिव्यांश सिंह पंवार। महिला : अपूर्वी चंदेला, अंजुम मुद्गिल, इलावेनिल वलारिवन। मिक्स्ड टीम - दीपक कुमार/ अपूर्वी चंदेला, रवि कुमार/ अंजुम मुद्गिल।

10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम : सौरभ चौधरी/ मनु भाकर, अभिषेक वर्मा/ हीना सिद्धू।

50 मीटर राइफल 3 पोजिशन : पुरुष - चैन सिंह, संजीव राजपूत, पारुल कुमार। महिला - ज्ञायत्री नित्यानदम, तेजस्विनी सावंत, सुनिधि चौहान।

10 मीटर एयर पिस्टल : पुरुष - सौरभ चौधरी, अभिषेक वर्मा, रविंदर सिंह। महिला - मनु भाकर, हीना सिद्धू, अनुराधा।

25 मीटर रैपिड फायर : पुरुष, अनीष, अर्पित गोयल, आदर्श सिंह।

25 मीटर पिस्टल : महिला - राही सरनोबत, मनु भाकर, चिंकी यादव।

“**इस वर्ल्ड कप को सोनी टेन चैनल पर सीधा प्रसारण 60 देशों में किया जाएगा और इसे दूरदर्शन पर भी दिखाया जाएगा। इसके साथ भविष्य के सभी आईएसएसएफ वर्ल्ड कप प्रतियोगिताओं का सीधा प्रसारण किया जाएगा। शूटिंग को टेलीविजन तक पहुंचान के लिए जो कमेटी बनाई गई है उसका मैं चेयरमैन हूं और यह मेरी ड्यूटी है कि इस दिशा में काम करूं। हम चाहते हैं कि शूटिंग के खेल को ऐसा आकर्षक बनाया जाए कि यह लोगों तक पहुंचे। हम शूटिंग को लोगों का खेल बनाना चाहते हैं।**

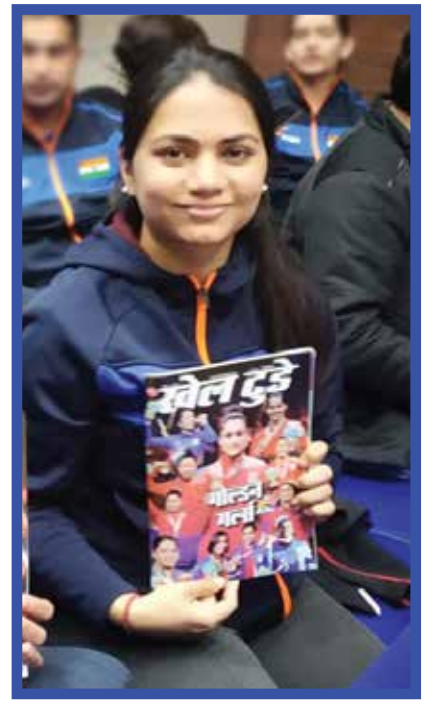

— रणइंदर सिंह, अध्यक्ष, नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई)”

चेयरमैन पूर्व अंतरराष्ट्रीय शूटर मोराद अली खान से इस बारे में बोलने को कहा। मोराद ने कहा, ‘एक समय था जब हमारे देश में शूटर कम होते थे तो जो कोटा हासिल करता था वही ओलंपिक में चला जाता था लेकिन अब ऐसा नहीं है। हमारे पास बड़ी संख्या में अच्छे शूटर हैं तो हम करंट फॉर्म पर फैसला करते हैं।’ मेजबान भारत 34 सदस्यीय टीम उतारेगा, जिसमें गैर-प्रतिस्पर्धा एमक्यूएस श्रेणी में 11 शामिल हैं। अपने समय के महान और पूर्व ओलंपिक चैंपियंस, विश्व चैंपियंस, एशियाई खेल चैंपियंस, राष्ट्रमंडल खेल चैंपियंस और विश्व कप विजेताओं सहित खेल के शीर्ष एथलीट पांच दिनों के शीर्ष गुणवत्ता वाली ओलंपिक कोटा प्रतियोगिता में प्रशंसकों को लुभाएंगे। 10 इवेन्ट में से केवल दो मिक्स्ड टीम इवेंट, एयर राइफल और एयर पिस्टल में, कोई भी कोटा नहीं होगा। भारत ने पिछले साल चांगवोन में आईएसएसएफ विश्व चैम्पियनशिप में अंजुम मौद्गिल और अपूर्वी चंदेला के माध्यम से महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल प्रतियोगिता में अपने दो देश कोटा का अधिकतम हिस्सा पहले ही हासिल कर लिया है, जिससे ये एथलीट कोटा स्थान के लिए पात्र नहीं होंगे, हालांकि यह उन्हें एक प्रतिष्ठित विश्व कप पदक जीतने से नहीं रोकता है। इसलिए, भारत सात स्पर्धाओं में 14 कोटे से अधिकतम संभव जीतने की कोशिश करेगा, जिसमें वे कोटा जीतने के लिए पात्र होंगे।

नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरआई) के अध्यक्ष रणइंदर सिंह अंतर्राष्ट्रीय शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) के उपाध्यक्ष भी हैं। वह आयोजन समिति के अध्यक्ष होंगे। उन्होंने भारतीय टीम की बेहतर प्रदर्शन की संभावनाओं पर विश्वास व्यक्त किया। उन्होंने कहा, ‘हमारे पास एक शीर्ष लड़ने वाले फिट दस्ते और वरिष्ठ निशानेबाजों और युवा तुर्कों का एक अच्छा मिश्रण है, जिन्होंने विश्व स्तर की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में समय आने पर अपनी काबिलियत साबित की है। मुझे एक अच्छे प्रदर्शन का भरोसा है और हम अधिक से अधिक संख्या में कोटा हासिल करना चाहते हैं। मैं दिल्ली के सभी एथलीटों और अधिकारियों का स्वागत करने के लिए तत्पर हूं। मैं सभी प्रतियोगियों को उनके निर्धारित खेलों के लिए शुभकामनाएं देता हूं।’ ■

स्वस्थ रहने के लिए खेल एक बढ़िया तरीका : चौधरी बीरेन्द्र सिंह

स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के हीरक जयंती पर हुए क्रिकेट मैच में सेल जाइंट्स विजयी

अशोक किंकर

केंद्रीय इस्पात मंत्री चौधरी बीरेन्द्र सिंह ने नई दिल्ली के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में देश के इस्पात उद्योग के लिए स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) द्वारा आयोजित एक क्रिकेट मैच का उद्घाटन किया। यह क्रिकेट मैच सेल के उत्पादन के साठ साल के उपलक्ष्य में मनाये जा रहे हीरक जयंती समारोह का एक हिस्सा है । इस प्रयास की सराहना करते हुए, इस्पात मंत्री ने कहा, 'सेल ने इस खेल के जरिये पूरे इस्पात उद्योग को एक मंच पर लाने की शानदार पहल की है। स्वस्थ रहने के लिए खेल एक बढ़िया तरीका है और स्वस्थ दिमाग ही चुनौतियों का सामना कर सकता है तथा भविष्य का आकलन कर सकता है।' इस मैच की शुरुआत से पहले पुलवामा में हुए आतंकवादी हमले के शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए दो मिनट का मौन रखा गया।

सेल द्वारा आयोजित टी-20 मैच सेल जाइंट्स और स्टील वारियर्स (अन्य स्टील उद्योग) के बीच खेला गया, जिसमें विभिन्न स्टील कंपनियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। स्टील वारियर्स टीम की तरफ से जेएसडब्ल्यू, टाटा स्टील, आरआईएनएल, जेएसपीएल, एमओआईएल, एस्सार, जेएसएल कंपनियों के खिलाड़ीयों ने मैच में भाग लिया। इस रोमांचक मैच में स्टील वारियर्स के खिलाड़ी सेल जाइंट्स के द्वारा दिए गए 224 रन के लक्ष्य को पीछा कर रहे थे, सेल जाइंट्स ने यह मैच 5 रनों से जीता।

सेल अध्यक्ष अनिल कुमार चौधरी ने इस्पात उद्योग के कंपनियों के खिलाड़ियों को धन्यवाद देते हुआ कहा, 'खेल, विशेष रूप से क्रिकेट हमेशा से मनोरंजन का एक उत्तम स्रोत रहा है और यह टीमों के भीतर दोस्ती, एकजुटता और लोगों तथा देशों के बीच मित्रतापूर्ण सम्बन्ध बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आज घरेलू इस्पात उद्योग फिर से सस्ते आयात के खतरे का सामना कर रहा है, जो हम सभी को प्रभावित कर रहा है। अगर हम सार्थक समाधान के लिए एक टीम के रूप में मिलकर कार्य करते हैं तो मुझे यकीन है कि हम निश्चित रूप अपनी मुश्किलों का हल निकल पाएंगे।' ■

"खेल, विशेष रूप से क्रिकेट हमेशा से मनोरंजन का एक उत्तम स्रोत रहा है और यह टीमों के भीतर दोस्ती, एकजुटता और लोगों तथा देशों के बीच मित्रतापूर्ण सम्बन्ध बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आज घरेलू इस्पात उद्योग फिर से सस्ते आयात के खतरे का सामना कर रहा है, जो हम सभी को प्रभावित कर रहा है। अगर हम सार्थक समाधान के लिए एक टीम के रूप में मिलकर कार्य करते हैं तो मुझे यकीन है कि हम निश्चित रूप अपनी मुश्किलों का हल निकल पाएंगे।

- अनिल कुमार चौधरी, सेल अध्यक्ष"

नौवीं हॉकी इंडिया राष्ट्रीय महिला ए डिवीजन हॉकी प्रतियोगिता

रेलवे की टीम ने लगाया खिताबी छक्का

खेल टुडे ब्यूरो

राष्ट्रीय स्तर पर महिला हॉकी में रेलवे की खिलाड़ियों का वर्चस्व किसी से छुपा नहीं हैं। देश की उभरती खिलाड़ियों को नौकरी देने में यह संस्थान अग्रणी रहता है और इसी का नतीजा है कि भारतीय टीम में भी रेलवे की खिलाड़ी बड़ी संख्या में चुनी जाती हैं। कुछ सप्ताह पूर्व हिसार में हुई नौंवी हॉकी इंडिया राष्ट्रीय महिला ए डिवीजन हॉकी प्रतियोगिता में रेलवे ने अपनी धाक जमाई और खिताब छक्का लगाया। खिताबी संघर्ष में रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड की टीम ने मध्य प्रदेश की टीम को 5-0 से रौंद डाला। रेलवे की जीत में नेहा और नवनीत कौर ने दो-दो और वंदना कटारिया ने एक गोल किया। यह फाइनल एक तरह से पिछली बार का रीप्ले ही था। तब भी रेलवे ने मध्य प्रदेश को 4-0 से मात दी थी। इस जीत के बाद से रेलवे की खिलाड़ियों और उसके अधिकारियों की खुशी का ठिकाना नहीं था। सभी खुशी से चहक रहे थे। इस बार एक गोल रेलवे की टीम ने ज्यादा किया है। तीसरे स्थान के मुकाबले में हरियाणा ने महाराष्ट्र को 3-2 से शिकस्त दी। ■

फॉर्म -4

1 प्रकाशन का स्थान : दिल्ली

2 प्रकाशन की अवधि : मासिक

3 मुद्रक का नाम : राकेश थपलियाल

4 राष्ट्रीयता : भारतीय

पता : 130 बी, पॉकेट-ए दिलशाद गार्डन, दिल्ली 110095

5 संपादक का नाम : राकेश थपलियाल

राष्ट्रीयता : भारतीय

पता : 130 बी, पॉकेट-ए दिलशाद गार्डन, दिल्ली 110095

6 स्वामी का नाम और पता : राकेश थपलियाल, 130 बी, पॉकेट-ए दिलशाद गार्डन, दिल्ली 110095

मैं राकेश थपलियाल एतद्वारा घोषित करता हूं कि मेरी अधिकतम एवं विश्वास के अनुसार उपर दिए गए विवरण सत्य हैं।

दिनांक : 1 मार्च, 2019 ह. राकेश थपलियाल

(प्रकाशक के हस्ताक्षर)

स्विस क्लब एफसी बासेल निखारेगा भारतीय फुटबॉल का भविष्य

अतानु दास

चेन्नई सिटी एफसी की 26 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी

आई लीग के मौजूदा सत्र में खिताब के प्रबल दावेदारों में शामिल चेन्नई सिटी एफसी ने अपनी 26 प्रतिशत हिस्सेदारी स्विस चैंपियन एफसी बासेल को बेच दी और विदेशी क्लब को हिस्सेदारी बेचने वाला पहला भारतीय क्लब बना। एफसी बासेल की स्थापना 1893 में हुई और यह क्लब 20 बार स्विट्जरलैंड का राष्ट्रीय चैंपियन बना। टीम ने स्विट्जरलैंड के किसी अन्य क्लब की तुलना में सबसे अधिक बार यूएफा चैंपियन्स लीग के ग्रुप चरण के लिए क्वालीफाई किया है। टीम ने 2017-18 में यूरोप की इस शीर्ष प्रतियोगिता के प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। भारतीय फुटबॉल के भविष्य के लिए एक स्वागत योग्य कदम हो सकता है, सह-मालिक रोहित रमेश और आर कृष्णकुमार ने एफसी बसेल 1893 के प्रमुख बर्नहार्ड बर्गनर और सीईओ रोलांड हेरी और अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में टाई-अप का विवरण दिया।

भारतीय फुटबॉल के इतिहास में यह पहली बार है, जब किसी भारतीय क्लब में स्वामित्व हासिल करने की विदेशी निवेश की शर्तें हो रही हैं। एफसी बेसल होल्डिंग एजी, जिनके पास गर्व करने के लिए एक समृद्ध विरासत है, ने यूईएफए चैंपियंस लीग में पिछले सीजन में मैनचेस्टर यूनाइटेड और मैनचेस्टर सिटी की पसंद को हराया। यह साझेदारी अन्य चीजों के बीच सहयोग के लिए कोयंबटूर, तमिलनाडु में एक सर्वश्रेष्ठ इन-क्लास आवासीय यूथ अकादमी और चरण -1 में राज्य भर में सॉकर स्कूलों को शुरू करने पर ध्यान केंद्रित करेगी। कोयम्बटूर अकादमी की योजनाओं के हिस्से के रूप में, यह पता चला कि यह 10-18 वर्ष की आयु के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के लिए मुफ्त शिक्षा और बोर्डिंग की सुविधा प्रदान करेगा ताकि वे फुटबॉल में करियर पर अध्ययन, खेल और ध्यान केंद्रित कर सकें। साथ ही फुटबॉल स्कूलों के सामने, अकादमी सक्रिय रूप से स्कूलों को ज्ञान प्रदान करेगी कि वे अपने पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में इसे कैसे शामिल करें।

चेन्नई एफसी के सह मालिक रोहित रमेश और एफसी बासेल के अध्यक्ष बर्नहार्ड बर्गनर दोनों ने इस करार की वित्तीय जानकारी देने से इनकार कर दिया लेकिन कहा कि इस साझेदारी के तहत अन्य चीजों के अलावा पहले चरण में कोयंबटूर में रिहायशी युवा अकादमी और तमिलनाडु में फुटबॉल स्कूल खोलने पर ध्यान दिया जाएगा। रोहित ने करार पर हस्ताक्षर के बाद कहा, हमने यह कदम इसलिए उठाया जिससे कि हमारे प्रशंसकों को विश्व स्तरीय फुटबाल क्लब मिले। इस करार के तहत सीसीएफसी के सहयोग के लिए खेल, बुनियादी ढांचे और विविध क्षेत्रों सहित सभी विभागों में जानकारी साझा की जाएगी। उन्होंने कहा, हम शीर्ष यूरोपीय फुटबॉल क्लब से इससे अधिक क्या चाहते हैं जिसकी इतनी समृद्ध विरासत है और जिसने इतने सारे विश्व स्तरीय खिलाड़ी तैयार किए हैं। रोहित ने हालांकि कहा कि एफसी बासेल को 26 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने के बावजूद उन्होंने स्विट्जरलैंड के इस क्लब को फैसला लेने की प्रक्रिया में कोई अधिकार नहीं दिया है। रोहित ने साथ ही कहा कि उनकी टीम निकट भविष्य में इंडियन सुपर लीग से नहीं जुड़ेगी और भारतीय घरेलू फुटबॉल के पुनर्गठन के दौरान आईलीग को दूसरे दर्जे पर रेलीगेट करने में उन्हें कोई दिक्कत नहीं है। कोयंबटूर से चेन्नई स्थानांतरित होने के बारे में पूछने पर रोहित ने कहा, मैंने इस बारे में विचार नहीं किया है। फिलहाल हमारा बेस कोयंबटूर में हैं और हम यहीं रहेंगे। बर्गनर ने कहा कि उनका ध्यान पहले से बनी अकादमी (कोयंबटूर में) को एफसी बासेल की विशेषज्ञता से विश्व स्तरीय बनाने पर है। साथ ही शीर्ष स्तरीय कोच शिक्षा प्रणाली के जरिए वे अच्छे कोच तैयार करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, यह एफसी बासेल के लिए ऐतिहासिक लम्हा है क्योंकि हम पहली बार एशिया में रणनीतिक और वित्तीय रूप से सक्रिय हुए हैं। भारत में फुटबॉल में दिलचस्पी बढ़ी है और साथ ही हाल में संपन्न एशिया कप में प्रदर्शन दर्शाता है कि काफी फुटबॉल प्रतिभा मौजूद है जिसका फायदा उठाया जा सकता है। बर्गनर ने कहा कि चीन में अधिकांश अकादमियां सरकारी नियंत्रण में हैं जबकि भारत में ऐसा नहीं है इसलिए उन्होंने भारतीय क्लब को चुना। कोयंबटूर अकादमी में 10 से 18 आयु वर्ग के प्रतिभावान खिलाड़ियों को मुफ्त शिक्षा और रहने की सुविधा दी जाएगी जिससे कि वे पढ़ाई कर सकें, खेल सकें और फुटबॉल में करियर बनाने पर ध्यान लगा सकें। ■

एडिडास एफसी बेयर्न यूथ कप इंडिया 2018-19

आर्मी ब्वॉयज स्कूल, बेंगलुरु चैंपियन

खेल टुडे ब्यूरो

आर्मी ब्वॉयज स्कूल, बेंगलुरु ने डीपीएस ईस्ट, बेंगलुरु को 2-1 से हराकर एक शानदार फाइनल में खिताब जीता। दिल्ली में एडिडास के अत्याधुनिक फुटबॉल सुविधा के तहत अंडर -16, सेवन-ए-साइड इंटर-स्कूल फुटबॉल टूर्नामेंट नई दिल्ली में 'एडिडास फुटबॉल द बेस' में खेला गया था। एडिडास एफसी बेयर्न यूथ कप नवंबर 2018 के अंत से जनवरी 2019 तक 5 शहरों में फैला, जिसमें 2,000 से अधिक प्रतिभाशाली खिलाड़ी अपने कौशल का प्रदर्शन कर रहे थे। टूर्नामेंट में भाग लेने वाले 250 स्कूलों में से, दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, कोलकाता के 10 स्कूलों और जम्मू कश्मीर के पहली बार प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय फाइनल में अपने-अपने शहरों का प्रतिनिधित्व करने के लिए योग्यता हासिल की।

एक अंडर -16, सेवन ए साइड अंतर-स्कूल फुटबॉल टूर्नामेंट, एडिडास एफसी बेयर्न यूथ कप किसी भी युवा फुटबॉल खिलाड़ी के लिए एक सपना है क्योंकि यह एक पेशेवर फुटबॉल खिलाड़ी के जीवन का अनुभव करने के लिए एक खिड़की खोलता है। नेशनल फाइनल की विजेता टीम बेयर्न यूथ कप वर्ल्ड फाइनल में टीम इंडिया का प्रतिनिधित्व करेगी और बेयर्न म्यूनिख के पेशेवर प्रशिक्षकों की नजर में ट्रेन होगी। एडिडास फुटबॉल द बेस नई दिल्ली के नेशनल फाइनल में विश्व कप विजेता बिक्सांते लिजाराजू ने भाग लिया, जिन्होंने अपने नवोदित फुटबॉल खिलाड़ियों को प्रेरित करने के लिए अपने विशाल फुटबॉल ज्ञान और कौशल प्रदान करने के लिए सामान्य फुटबॉल खिलाड़ियों के साथ वक्त बिताया। उनकी खेल यात्रा। इस अवसर पर, शरद सिंगला, निदेशक ब्रांड मार्केटिंग, एडिडास इंडिया ने कहा, एडिडास, फुटबॉल में वैश्विक नेतृत्व के रूप में, भारत में फुटबॉल के पोषण के लिए लगातार पहल कर रहा है और युवाओं को सुंदर खेल का अनुभव करने के लिए प्रेरित करने के लिए नए रास्ते पेश कर रहा है। यह भारत में बेयर्न यूथ कप का 6 वां संस्करण है और इस साल हमने देश के अन्य हिस्सों जैसे जम्मू और कश्मीर और कोलकाता में अवधारणा को आगे बढ़ाया है, और पहली बार इन क्षेत्रों में युवा रचनाकारों के कौशल का परीक्षण किया है । हम राष्ट्रीय विजेताओं - आर्मी ब्वॉयज स्कूल, बेंगलुरु को न केवल गत विजेता के रूप में अपना स्थान बनाए रखने के लिए बधाई देते हैं, बल्कि पूरे टूर्नामेंट के फाइनल में उनका त्रुटिहीन प्रदर्शन भी करते हैं। उनके पास विश्व फाइनल में टीम इंडिया का प्रतिनिधित्व करने का सम्मान होगा और हमें उम्मीद है कि वे म्यूनिख में अपने प्रदर्शन से देश को गौरवान्वित करेंगे। ■

शरद सिंगला, निदेशक ब्रांड मार्केटिंग, एडिडास इंडिया और फ्रांस की विश्व कप विजेता के सदस्य बिक्सांते लिजाराजु। नई दिल्ली के 'एडिडास फुटबॉल द बेस' में।

नेशनल फाइनल 2018-19 की 10 क्वालीफाइंग टीमें

नई दिल्ली
श्री राम स्कूल
डीपीएस वसंत कुंज
डीपीएस आरके पुरम

मुंबई
सेंट पायस हाई स्कूल
रेयान इंटरनेशनल, नेरुल

बैंगलुरु
आर्मी बॉयज
डीपीएस पूर्व

कोलकाता
सेंट जोसेफ और मैरी

श्रीनगर
सेंटोरम स्कूल
बर्नहॉल स्कूल

मिट्टी में कुश्ती पर दो फेडरेशनों में 'लड़ंत'

खेल टुडे ब्यूरो

भारतीय शैली की मिट्टी की कुश्ती में वर्चस्व को लेकर दो भारतीय फेडरेशनों के बीच 'लड़ंत' चर्चा का विषय बनी हुई है।भारतीय शैली कुश्ती महासंघ 1958 में अस्तित्व में आने के बाद से ही मिट्टी पर दंगलों का आयोजन कर रहा है और उसने इस शैली में 50 राष्ट्रीय चैंपियनशिप आयोजित की हैं जिनमें हिंद केसरी, भारत केसरी और रूस्तमे हिंद जैसे टाइटल दिए गए हैं। वहीं भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने पहली बार 29 और 30 दिसंबर 2018 को महाराष्ट्र के पुणे में पहली पारंपरिक शैली की कुश्ती का आयोजन करा दिया। हालांकि इससे पूर्व यह मामला अदालत में पहुंच गया था। इस लड़ंत की वजह रही भारतीय शैली कुश्ती महासंघ को यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग द्वारा मिट्टी में कुश्ती कराने की मान्यता देना। इस बाबत पत्र जारी होते ही डब्ल्यूएफाआई, जो अनेक वर्षों से अभी तक मैट पर ही कुश्ती कराता था, ने पहली बार मिट्टी पर कुश्ती कराने की भी घोषणा कर दी। इससे परेशान होकर भारतीय शैली कुश्ती महासंघ ने दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा कि डब्ल्यूएफआई पारंपरिक शैली की राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन तो कर सकता है लेकिन वह हिंद केसरी टाइटल का इस्तेमाल नहीं कर सकता। इसका प्रयोग भारतीय शैली की कुश्ती महासंघ ही कर सकता है। वैसे दोनों महासंघों का संविधान अलग अलग है जिसमें यह स्पष्ट बता रखा है कि डब्ल्यूएफआई मैट पर कुश्ती कराता है और दूसरा संघ मिट्टी पर कुश्ती का आयोजन करता है।

भारतीय शैली कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष रामाश्रय याादव और महासचिव और द्रोणाचार्य अवार्डी रोशनलाल का कहना है कि, हमें इस बात से कोई एतराज नहीं है कि डब्ल्यूएफआई पहली पारंपरिक शैली की कुश्ती का आयोजन कर रहा है लेकिन हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि वह हिंद केसरी, भारत केसरी और रूस्तमे हिंद जैसे टाइटल का इस्तेमाल नहीं कर सकता है।

रामाश्रय ने कहा, उच्च न्यायालय ने हमारे हक में फैसला दिया है कि हम ही हिंद केसरी जैसे टाइटल का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह हैरानी की बात है कि हम 58 साल से ऐसी चैंपियनशिप का आयोजन कर रहे हैं और फेडरेशन हमें ही नकली करार दे रहा है जबकि वह इस तरह की पहली चैंपियनशिप का आयोजन कर रहा है और खुद को असली बता रहा है। द्रोणाचार्य अवार्डी रोशनलाल ने कहा, मैं 1961 से मिट्टी की शैली की कुश्ती से जुड़ा हुआ हूं और हम ही इस तरह के टाइटल का आयोजन करते हैं। फेडरेशन चाहे तो किसी दूसरे नाम से अपनी चैंपियनशिप करा सकता है लेकिन हिंद केसरी नाम से नहीं। यह पूछने पर कि क्या आप पहलवानों को डब्ल्यूएफआई की प्रतियोगिता में भाग लेने से रोकेंगे? रामाश्रय ने कहा, हम अपने किसी भी पहलवान को किसी भी चैंपियनशिप में हिस्सा लेने से नहीं रोकेंगे क्योंकि हम किसी पहलवान का नुकसान नहीं करना चाहते। लेकिन यदि फेडरेशन पहलवानों को हमारी चैंपियनशिप में हिस्सा लेने से रोकती है तो हम फिर अदालत की शरण में जाएंगे। रामाश्रय ने बताया कि 1958 में पहले हिंद केसरी बने रामचंद्र और देश के अन्य हिंद केसरी पहलवानों ने उनकी संस्था को अपना समर्थन दिया है। उन्होंने बताया था कि जनवरी-फरवरी में महाराष्ट्र के शोलापुर में उनका महासंघ अगले हिंद केसरी दंगल का आयोजन करेगा। डब्ल्यूएफआई ने अपने पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार पुणे में मिट्टी के अखाड़े में पुरुष फ्री स्टाइल में ओलंपिक के छह वजन वर्गों में मुकाबले कराए। इसमें 24 राज्यों व रेलवे और सर्विसेज के पहलवानो ने शिरकत की। सभी पदक विजेताओं को नगद इनाम दिए गए। स्वर्ण

डब्ल्यूएफआई की पहली पारंपरिक शैली की कुश्ती के पदक विजेता

57 किलो

स्वर्ण राहुल (झारखंड)
रजत हरिवंदर (पंजाब)
कांस्य ज्योतिभा और विजय(दोनों महाराष्ट्र)

65 किलो

स्वर्ण सोनाबा (महाराष्ट्र)
रजत सूरज (महाराष्ट्र)
कांस्य जयदीप (रेलवे)
विकास (हरियाणा)

74 किलो

स्वर्ण विनोद कुमार (सर्विसेज)
रजत प्रदीप (दिल्ली)
कांस्य प्रवीण मलिक (हरियाणा)
अनुज (दिल्ली)

86 किलो

स्वर्ण प्रवीण (रेलवे)
रजत संजीत (सर्विसेज)
कांस्य सतीश (हरियाणा)
सज्जन (हरियाणा)

97 किलो

स्वर्ण सोमवीर (हरियाणा)
रजत सत्यव्रत (रेलवे)
कांस्य जॉनी चौधरी (हिमाचल)
कपिल चौधरी (उत्तर प्रदेश)

125 किलो

स्वर्ण विशाल (हरियाणा)
रजत राजन तोमर (सर्विसेज)
कांस्य जसकरन (चंडीगढ़)
अनिल (राजस्थान)

विजेता को 75 हजार, रजत विजेता को 50 हजार और कांस्य विजेता को 25 हजार रुपये का इनाम मिला। रेलवे की टीम 105 अंक से चैंपियन बनी।सर्विसेज स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड 75 अंक से दूसरे और रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड की टीम 60 अंक लेकर तीसरे स्थान पर रही। ■

बार्सा अकादमी एशिया पैसिफिक सॉकर कप में 48 टीमों की शिरकत

खेल टुडे ब्यूरो

बार्सा अकादमी एशिया पैसिफिक सॉकर कप का आयोजन गुड़गांव के हैरिटेज एक्सपेरिंशियल लर्निंग स्कूल में किया गया जिसमें छह देश और कुल 48 टीमें चार आयु वर्गों में हिस्सा ले रही हैं। बार्सा अकादमी इंडिया इस टूर्नामेंट का आयोजन कर रहा है। बार्सा के लीजेंड फुटबॉलर लुइस गार्सिया ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में टूर्नामेंट की बेहद खूबसूरत ट्रॉफी का अनावरण किया। इस अवसर पर कन्साइन्ट फुटबॉल की निदेशक अनुपमा जैन ने बताया कि इस युवा फुटबाल टूर्नामेंट में टीमें अंडर-9, अंडर-11, अंडर-13 और अंडर-15 वर्गों में हिस्सा लेंगी।

टूर्नामेंट में कुल 500 खिलाड़ी उतरेंगे।टूर्नामेंट में भारत के अलावा आस्ट्रेलिया, जापान, चीन, स्पेन और सिंगापुर की टीमें उतरेंगी। अनुपमा जैन ने बताया कि स्कूली स्तर के इस टूर्नामेंट का उद्देश्य युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मंच प्रदान करना और उनकी प्रतिभा को सामने लाना है। बार्सा अकादमी इंडिया देश में विभिन्न फार्मेट में 25हजार से ज्यादा बच्चों को प्रशिक्षित कर चुकी है। टूर्नामेंट में भारत से कुल 18 टीमें होंगी जबकि स्पेन से दो टीमें होंगी। उन्होंने बताया कि बार्सा अकादमी के बच्चों को कड़ी चयन प्रक्रिया से गुजारने के बाद इस टूर्नामेंट में उतारा जा रहा है। उन्होंने बताया कि एशिया पैसिफिक सॉकर कप बार्सा अकादमी के कैलेंडर में मुख्य टूनार्मेंटों में से एक है।

इस टूर्नामेंट से न केवल भविष्य के खिलाड़ी निकलते हैं बल्कि इससे उन्हें अपना कौशल सुधारने का मौका मिलता है। यह पहली बार है जब भारत इस स्तर के अंतरराष्ट्रीय अंतर क्लब फुटबाल टूनार्मेंट का आयोजन कर रहा है। अंडर नौ के मुकाबले फाइव ए साइड और 30 मिनट के होंगे जबकि अंडर-11 और अंडर-13 के मैच सेवन ए साइड और 40मिनट के होंगे। अंडर-15 के मुकाबले सेवन ए साइड और 50 मिनट के होंगे। ■

वेस्टहैम में खेलकर मेरा एक सपना पूरा हुआ

अदिति चौहान
(इंग्लिश लीग में खेलने वाली पहली भारतीय महिला फुटबॉलर)

मेरा लक्ष्य लड़कियों में फुटबॉल को बढ़ावा देना है। मेरी अपनी अकादमी 'शी किक्स' है और फिलहाल हमने वर्कशॉप से शुरुआत की है। हम स्कूलों में जाते हैं, बच्चों से बात करते हैं और उन्हें फुटबॉल में आगे आने के लिए प्रेरित करते हैं। इस अकादमी को शुरू करने का विचार मेरे मन में तब आया था जब मैं देखती थी कि दिल्ली में लड़कियों को खेलने के लिए जगह नहीं मिलती है। मैं जब वेस्टहैम में खेल रही थी तो उस समय स्टूडेंट वीजा पर वहां गई थी इसलिए प्रोफेशनल नहीं खेल सकी। लेकिन वहां खेलने से मुझे काफी अनुभव मिला और मेरे खेल में सुधार आया। भारत में मैं इंडिया रश क्लब की तरफ से खेलती हूं। मैंआईडब्ल्यूएल के पहले सत्र में नहीं खेल सकी। भारतीय महिला फुटबॉल को अभी और आगे ले जाने की जरूरत है और इसके लिए टीम को पूरा समर्थन मिलना चाहिए। मेरा सपना था कि मैं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करूं।

भारतीय महिला फुटबाल के स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। भारतीय महिला एवं लड़कियों की टीम का प्रदर्शन लगातार सुधरता जा रहा है। भारतीय महिला लीग (आईडब्ल्यूएल) के शुरू होने का भी भारतीय खिलाड़ियों को फायदा हुआ है। गोवा में वेदांता ने लीग शुरू की है जबकि महाराष्ट्र के कोल्हापुर में भी महिलाओं के लिए लीग शुरू की गई है।

मैं भारतीय महिला फुटबॉल टीम की उपकप्तान हूं और मेरा लक्ष्य लड़कियों में फुटबॉल को बढ़ावा देना है। मेरी अपनी अकादमी 'शी किक्स' है और फिलहाल हमने वर्कशॉप से शुरुआत की है। हम स्कूलों में जाते हैं, बच्चों से बात करते हैं और उन्हें फुटबॉल में आगे आने के लिए प्रेरित करते हैं। इस अकादमी को शुरू करने का विचार मेरे मन में तब आया था जब मैं देखती थी कि दिल्ली में लड़कियों को खेलने के लिए जगह नहीं मिलती है। मैं जब वेस्टहैम में खेल रही थी तो उस समय स्टूडेंट वीजा पर वहां गई थी इसलिए प्रोफेशनल नहीं खेल सकी। लेकिन वहां खेलने से मुझे काफी अनुभव मिला और मेरे खेल में सुधार आया। भारत में मैं इंडिया रश क्लब की तरफ से खेलती हूं। मैंआईडब्ल्यूएल के पहले सत्र में नहीं खेल सकी। भारतीय महिला फुटबॉल को अभी और आगे ले जाने की जरूरत है और इसके लिए टीम को पूरा समर्थन मिलना चाहिए। मेरा सपना था कि मैं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करूं। वेस्टहैम में खेलकर भी मेरा एक सपना पूरा हुआ। मैंने हमेशा अपने खेल पर ध्यान केंद्रित किया है। हालांकि इसके लिए मुझे अपने सामाजिक जीवन का त्याग भी करना पड़ा क्योंकि खिलाड़ी बनने के लिए आपको पूरा संघर्ष करना पड़ता है।

एक स्टडी से पता चला है कि 51 प्रतिशत से अधिक दिल्लीवासी मध्यरात्रि के बाद सोते हैं और लगभग 35 प्रतिशत प्रतिदिन छह घंटे से कम नींद लेते हैं। दुर्भाग्यवश, मेट्रो में रहने वाले 8,000 भारतीयों के अध्ययन के अनुसार यह खतरनाक

प्रवृत्ति केवल दिल्ली तक ही सीमित नहीं है, बल्कि देश भर का यही हाल है। एक अच्छी नींद के स्वास्थ्य के लिहाज से कई फायदे हैं वहीं इससे उत्पादकता भी बढ़ती है, ऐसे में गोदरेज इंटीरियो ने लॉन्च किए हैं, पोश्चर सपोर्ट मेट्रेस ताकि लोग चैन की नींद सो पाएं। एक एथलीट के जीवन में नींद की महत्वपूर्ण भूमिका है, एक अच्छी नींद वाली दिनचर्या से खुद मेरे खेल जीवन की सफलता में बड़ी मदद मिली है गोदरेज इंटीरियो ने साइंटिफिक और एर्गोनॉमिकली रूप से विकसित मेट्रेस की श्रेणी में बहुत मजबूत कदम उठाया है। पोश्चर सपोर्ट मेट्रेस को कुछ इस तरह डिजाइन किया गया है कि यह आपके सोने वाली शारीरिक मुद्रा के अनुसार अनुकूलित हो जाता है। यह तीन तरह की बॉडी- लीन (40-60 किलो), मीडियम (50-90 किलो) और हाई बिल्ट (80-100 किलो) के लिए उपयुक्त तीन प्रकारों में आता है। स्लीप एट 10 पहल के माध्यम से, गोदरेज इंटीरियो का मकसद लोगों को यह बताना है कि अच्छी नींद का संबंध केवल शारीरिक स्वास्थ्य ही नहीं बल्कि मानसिक स्वास्थ्य से भी है। ब्रांड यह बता रहा है कि अगर आप गद्दों को लेकर लापरवाही बरतते हैं तो अंततः इसका असर देश के सामाजिक-आर्थिक विकास को भी प्रभावित कर सकता है।

फुटबॉल एक बहुत चुस्ती-फुर्ती की मांग करने वाला खेल है, जिसमें एकाग्रता और फिटनेस बहुत मायने रखते हैं। एक थके हुए या नींद से हारे हुए शरीर के साथ आप ऐसे खेलों में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाएंगे। इसलिए, पर्याप्त और गुणवत्ता से भरी नींद जरूरी है क्योंकि यह शरीर और मन को तरोताजा करती है, जिससे कोई भी शख्स अपने काम में अपना सर्वश्रेष्ठ दे पाता है। ■

खेल के बजट में भी बड़ा इजाफा किया

केंद्र सरकार ने आम चुनाव से पहले पेश अपने आखिरी बजट में खेल और युवा कार्य मंत्रालय के लिये बजटीय आवंटन में चालू वित्त वर्ष के संशोधित अनुमान की तुलना में करीब 200 करोड़ रुपये (दस प्रतिशत से कुछ अधिक) की बढ़ोतरी की है जिसमें खिलाड़ियों को प्रोत्साहन और पुरस्कार की राशि और भारतीय खेल प्राधिकरण के बजट में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वित्त मंत्री पीयूष गोयल ने लोकसभा में शुक्रवार को 2019-20 का अंतरिम बजट पेश करते हुये खेल और युवा कार्यों के मंत्रालय के लिए 2181.90 करोड़ रुपये का प्रावधान किया। 2018-19 के लिए संशोधित अनुमान में यह राशि 1981.03 करोड़ रुपये है। खिलाड़ियों को प्रोत्साहन और पुरस्कार की राशि पिछले बजट के संशोधित अनुमान में 316.93 करोड़ और 2017-18 में 299.27 करोड़ रुपये थी जिसे बढ़ाकर 411 करोड़ रुपये कर दिया गया है। इसमें खिलाड़ियों को प्रोत्साहन राशि 63 करोड़ रुपये से बढाकर 89 करोड़ रुपये और राष्ट्रीय खेल विकास कोष को आवंटन दो करोड़ रुपये से बढ़ाकर 68 करोड़ रुपये कर दिया गया है।

भारतीय खेल प्राधिकरण को पिछले साल संशोधित बजट में 395 करोड रुपये आवंटित किये गए थे जिसमें 55 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है। साई को 2019.20 के बजट में 450 करोड़ रुपये आवंटित हुए हैं। साई को 2017-18 के बजट में 495.73 करोड़ रुपये दिये गए थे जो 2018-19 के बजट में 429.56 करोड़ रुपये और संशोधित बजट में 395 करोड़ रुपये कर दिये गए हैं। राष्ट्रीय खेल महासंघों को दी जाने वाली सहायता राशि थोड़ी सी कम की गई है। पिछले बजट में एनएसएफ को 245.13 करोड़ रुपये दिये गए थे जिन्हें अब 245 करोड़ रुपये आवंटित किये गए हैं। खेलमंत्री और ओलंपिक पदक विजेता राज्यवर्धन सिंह राठौड़ की पहल पर शुरू किये गए खेलो इंडिया कार्यक्रम के लिये बजट 550.69 करोड़ रुपये (संशोधित अनुमान) से बढाकर 601.00 करोड़ रुपये कर दिया गया है। ■

'ब्रेकथ्रू टेबल टेनिस स्टार' अवॉर्ड पाने वाली पहली भारतीय बनीं मनिका बत्रा

मनिका बत्रा इंचियोन में प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ के स्टार पुरस्कारों में ब्रेकथ्रू टेबल टेनिस स्टार हासिल करने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गयीं। मनिका ने समारोह में कहा, मैं इस पुरस्कार को हासिल कर सचमुच काफी सम्मानित महसूस कर रही हूं और खुश हूं। मुझे लगता है कि 2018 अभी तक मेरे करियर का सर्वश्रेष्ठ वर्ष रहा है और मैंने जो हासिल किया है, उससे खुश हूं। उन्होंने कहा, मैं सरकार को, भारतीय टेबल टेनिस महासंघ और सबसे अहम अपने परिवार को शुक्रिया करना चाहूंगी। विशेषकर अपने परिवार को जो हमेशा मेरे साथ है और मुझे प्रेरित करता रहा है।

टीटीएफआई के महासचिव एमपी सिंह ने भारतीय स्टार को बधाई दी। उन्होंने कहा, ह्यायह साल भारतीय टेबल टेनिस के लिये शानदार रहा और मनिका का यह पुरस्कार खेल के लिए बेहतरीन रहा। हमें मनिका और अन्य पर गर्व है। मनिका ने 2018 में अपनी करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 52 हासिल की और वह ऐसा करने वाली भारत की सबसे ऊंची रैंकिंग की महिला खिलाड़ी बनीं। ■

भारत तिब्बत सीमा पुलिस लगातार तीसरी बार चैंपियन

खेल टुडे ब्यूरो

लद्दाख में सर्दियों में तापमान 0 से -20 डिग्री तक नीचे रहता है। इस मौसम में किसी खेल प्रतियोगिता का आयोजन आम लोगों के लिए आश्चर्य से कम नहीं हो सकता है। ऐसे में यहां आयोजित आइस हॉकी प्रतियोगिता के प्रति लोगों में काफी उत्साह देखने को मिला। भारत में वैसे तो आइस हॉकी का प्रचलन बहुत कम है लेकिन लद्दाख के क्षेत्रों में इस खेल को लेकर बहुत उत्साह देखा जाता है। इस खेल के प्रति लोगों में दिलचस्पी लगातार बढ़ती जा रही है। इसे बड़े चाव से देखने पहुंचते हैं। उनके लिए यह अच्छा मनोरंजन का साधन रहता है। आइटीबीपी हिमालय क्षेत्रों की निगरानी करने के साथ-साथ एडवेंचर स्पोर्ट्स के क्षेत्र में भी बहुत उत्कृष्ट भूमिका निभाती रही है और इसकी आइस हॉकी की टीम देश की एक बेहतरीन टीम है। पिछले दिनों आइटीबीपी ने जापान की टीम को हराकर एक विशेष आइस हॉकी टूर्नामेंट जीतने में भी सफलता हासिल की थी आइटीबीपी के आइस हॉकी खिलाड़ी देश की राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व भी करते रहे हैं।

भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आइटीबीपी) ने टीम सकरा को 6-5 गोल से हराकर खिताब पर लगातार तीसरी बार अपना कब्जा बरकरार रखा।

भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आइटीबीपी) टीम के खिलाड़ी ट्रॉफी के साथ।

समुद्र तल से लगभग 11000 फीट की ऊंचाई पर स्थापित आइस हॉकी रिंक में आयोजित इस विशेष प्रतियोगिता को आइटीबीपी की टीम ने लगातार तीसरी बार जीतने में सफलता प्राप्त की है । इसमें उसका वर्चस्व साफ देखा जा सकता है। उसे खिलाड़ी इस मुकाबले के लिए खासी तैयारी भी करते हैं। इस टूर्नामेंट में लद्दाख क्षेत्र की मजबूत आइस हॉकी टीमें हिस्सा लेती हैं। प्रत्येक वर्ष जनवरी माह में सर्दियों के चरम पर होने पर इस आइस हॉकी प्रतियोगिता का विशेष आयोजन स्थानीय प्रशासन द्वारा किया जाता है, जो जनता में काफी लोकप्रिय है। ■

सात पर्वत शिखरों और सात ज्वालामुखी पर्वतों पर तिरंगा लहराने वाले पहले सबसे कम उम्र के पर्वतारोही बने, गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रेकॉर्ड में दर्ज होगा नाम

सत्यरूप ने माउंट सिडले की चोटी पर लहराया तिंरगा

खेल टुडे ब्यूरो

पश्चिम बंगाल के पर्वतारोही सत्यरूप सिद्धांत ने पर्वतारोहण का अपना मिशन पूरा कर इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया है सबसे कम उम्र में सात पर्वत शिखरों और सात ज्वालामुखी पर्वतों पर तिरंगा लहराने वाले वह पहले भारतीय बन गए हैं उन्होंने 16 जनवरी 2019 को भारतीय मानक समय के अनुसार तड़के 6.28 मिनट पर सातवें ज्वालामुखी पर्वत माउंट सिडले को फतेह किया।

माउंट सिडले की चोटी पर पहुंचकर सत्यरूप ने तिरंगा फहराकर राष्ट्रगीत गाया और केक काटकर अपनी शानदार उपलब्धि का जश्न मनाया सात ज्वालामुखी पर्वतों और विश्व के सात पर्वत शिखरों पर तिरंगा फहराने वाले सत्यरूप का नाम अब गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया जाएगा सातवें ज्वालामुखी पर्वत माउंट सिडले को फतेह करने से पहले ही गिनीज बुक में नाम दर्ज कराने की ऑनलाइन एप्लिकेशन स्वीकार कर ली गई है।

वह विश्व के सात पर्वतों और सात ज्वालामुखी पर्वतों पर तिरंगा फहराने वाले पहले भारतीय हैं। इससे पहले सातों महाद्वीपों की सात चोटियों और सात ज्वालामुखी पर्वतों को सबसे कम उम्र में फतेह करने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के पर्वतारोही डेनियल बुल के नाम पर है डेनियल बुल ने 36 साल157 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी सत्यरूप ने 35 साल 9 महीने में यह उपलब्धि हासिल की है सेवन समिट विजय के लक्ष्य के साथ सत्यरूप ने 30 नवंबर 2017 को अंटार्कटिका मेंमाउंट विन्सन मैसिफपर चढ़ाई कर अपने मिशन के लिए यात्रा शुरू की थी।

सत्यरूप अब तक जिन पर्वत शिखरों पर तिरंगा फहरा चुके हैं, उनमें अफ्रीका की सबसे ऊंची चोटी किलिमंजारो, रूस में यूरोप की सबसे ऊंची चोटी माउंट एल्बरस, अर्जेंटीना में स्थित दक्षिण अमेरिका की सबसे ऊंची चोटी अकाकागुआ, नेपाल में एशिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट, ऑस्ट्रेलिया की सबसे ऊंची पर्वत चोटी माउंट कोज़िअस्को और अंटाकर्टिका की सबसे ऊंची चोटी माउंट विन्सनमैसिफ शामिल हैं। वह सात ज्वालामुखी पर्वतों की भी चढ़ाई कर चुके हैं। पर्वत शिखरों की चढ़ाई करते हुए ही माउंट किलिमंजारो और माउंट एल्बरस की चढ़ाई कर चुके हैं वह दक्षिण अमेरिका के सबसे ऊंचे ज्वालामुखी पर्वतओजोस डेल सालाडो की भी चढ़ाई पूरी कर चुके हैं ईरान में माउंट दामावंद, उत्तरी अमेरिका के मैक्सिको में स्थित सबसे ऊंचे ज्वालामुखी माउंट पिको डे ओरिजाबा औरअंटाकर्टिका की चढ़ाई वह कर चुके हैं।

सत्यरूप ने सिक्किम में मणिपाल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग बी.टेक की डिग्री लौ वह बेंगलुरु में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के तौर पर 2015 से सोल्यूशंसआर्किटेक्ट के रूप में काम कर रहे हैं बचपन में सत्यरूप अस्थमा के कारण इनहेलर के बिना 100 मीटर चलने में भी हांफ जाते थे, लेकिन उनके मन में अपनी इस कमजोरी से पार पाने का जुनून था। सत्यरूप ने खुद को पर्वतारोहण के लिए तैयार करने हेतु सात साल तक कड़ी ट्रेनिंग की थी। ■

8वां पद्मश्री श्याम लाल मेमोरियल इनवीटेशनल हॉकी टूर्नामेंट

खालसा कॉलेज ने चैंपियन बन चौंकाया

खेल टुडे ब्यूरो

श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज को 8वें पद्मश्री श्याम लाल मेमोरियल इनवीटेशनल हॉकी टूर्नामेंट के अपने पहले ही मैच में श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स से पराजय का सामना करना पड़ा था। इस हार से उबरते हुए खालसा कॉलेज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष वर्ग में चैंपियन बनने में सफलता पाई। वहीं महिला वर्ग का खिताब अमिता के जमाए शानदार गोल की बदौलत जीसस एंड मैरी कॉलेज ने जीता। फाइनल में जेएमसी टीम ने दिल्ली विश्वविद्यालय एल्युमनस टीम को 1-0 से मात दी। इस बार की दिलचस्प बात यह रही कि पिछले वर्ष की चैंपियन टीमों श्याम लाल कॉलेज और श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज की टीमें अपने खिताब की रक्षा नहीं कर सकीं।

पुरुष वर्ग के फाइनल में श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज ने भारी उलटफेर करते हुए पुरुष वर्ग का खिताब जीता। फाइनल में खालसा कॉलेज ने मेजबान और गत चैंपियन श्याम लाल कॉलेज को एकतरफा मुकाबले में 5-1 से रौंदा। हाफ टाइम तक खालसा कॉलेज की टीम 2-0 से आगे थी। श्याम लाल कॉलेज की टीम लगातार पांच बार से दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर कॉलेज पुरुष हॉकी प्रतियोगिता की चैंपियन है। उसे द्रोणाचार्य अवॉर्डी कोच एन एस सैनी प्रशिक्षण दे रहे हैं। श्याम लाल हॉकी टूर्नामेंट में उसने इस वर्ष फाइनल तक एक भी मैच नहीं गंवाया था। विजेता खालसा कॉलेज के लिए सचिन और मोहित ने दो-दो गोल किए। मनीष ने एक गोल किया। पराजित श्याम लाल कॉलेज के लिए एकमात्र गोल ललित ने किया। श्याम लाल कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर (खेल) वी एस जग्गी ने बताया कि टूर्नामेंट में विभिन्न पोजिशनों पर शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुरुष व महिला वर्ग में अवॉर्ड भी दिए गए। मेजबान श्याम लाल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. रबि नारायण कर और नोएडा फिजिकल एजुकेशन कॉलेज के चेयरमैन श्री सुशील कुमार राजपूत ने विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी प्रदान की। दिल्ली पुलिस उपायुक्त सुश्री मेघना यादव (आईपीस) ने मैच की शुरुआत से पूर्व दोनों टीमों को आशीर्वाद दिया। टूर्नामेंट का उद्घाटन अंतरराष्ट्रीय वॉलीबॉल खिलाड़ी श्री विक्रांत महलवाल ने किया था। इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय की पूर्व खेल निदेशक सुश्री सुदर्शन पाठक ने कहा कि 'श्याम लाल कॉलेज में हॉकी को काफी बढ़ावा दिया जा रहा है और कॉलेज को हॉकी अकादमी की शुरुआत करनी चाहिए।' इस पर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. रबि नारायण कर ने घोषणा की, 'हमारा कॉलेज आस-पास के स्कूलों में प्रतिभाशाली हॉकी खिलाड़ियों की तलाश करेगा और चयनित खिलाड़ियों को अपने कॉलेज के मैदान में प्रशिक्षण देगा। जिससे स्कूली स्तर पर खिलाड़ियों को हॉकी के गुर सीखने का मौका मिलेगा।' प्रधानाचार्य ने कॉलेज के खेल समिति के संयोजक वी एस जग्गी के खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के प्रयासों की जमकर प्रशंसा की।

हमारा कॉलेज शाहदरा क्षेत्र के आस-पास के स्कूलों में प्रतिभाशाली हॉकी खिलाड़ियों की तलाश करेगा और चयनित खिलाड़ियों को अपने कॉलेज के मैदान में प्रशिक्षण देगा। जिससे स्कूली स्तर पर खिलाड़ियों को हॉकी के गुर सीखने का मौका मिलेगा।

- डॉ. रबि नारायण कर,
श्याम लाल कॉलेज के प्रधानाचार्य

मेजबान श्याम लाल कॉलेज टीम के खिलाड़ी उपविजेता ट्रॉफी के साथ। उनके साथ खड़े हैं कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. रबि नारायण कर, नोएडा कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन के चेयरमैन श्री सुशील कुमार राजपूत व श्याम लाल कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर (खेल) वी एस जग्गी।

टूर्नामेंट के दौरान कॉलेज की गवर्निंग काउंसिल के सदस्य श्री केशव राय अरोड़ा, श्याम लाल कॉलेज सांध्य के प्रधानाचार्य डॉ. प्रवीण कुमार, शाहदरा थाने के एसएचओ श्री युद्धवीर सिंह और ज्योति नगर थाने के एसएचओ श्री जय भगवान, हेडकांस्टेबल योगेन्द्र कुमार, शिक्षाविद् सुशील बंसल और राजीव चौधरी के साथ जाने माने खेल पत्रकारों सर्वश्री अशोक किंकर, राजेन्द्र सजवान, विजय कुमार, राकेश थपलियाल, धर्मानंद धूलिया, राजेश राय, अजय नैथानी, राजेश, रोशन झा, राजेश और उस्मानी ने मैदान में पहुंच खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया।

श्याम लाल कॉलेज का लीग मैचों में सफर

- किरोड़ी मल कॉलेज को 7-0 से हराया। विजेता के लिए पंकज ने दो, जितेश, आशू, नितिन, मनीष और ललित ने एक-एक गोल किया।
- इंदिर गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंस को 8-0 से रौंदा। मनीष ने तीन, नितिन ने दो और आशीष, जुबेर और पंकज ने एक-एक गोल किया।
- श्याम लाल कॉलेज एल्युमनस को 6-3 से हराया। नितिन और प्रवीण मुंडा ने दो-दो गोल किए। मनीष और सूरज ने एक-एक गोल किया। एल्युमनस टीम के लिए विकास ने दो और श्रवण ने एक गोल किया।

श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज का लीग मैचों में सफर

- श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स ने 2-1 से हराया। विजेता के लिए सौरभ और गुलशन ने एक-एक गोल किया। पराजित टीम के लिए पुलकित ने एक गोल किया।
- मोतीलाल नेहरु कॉलेज (सांध्य) को 10-0 के विशाल अंतर से हराया। विजेता टीम के लिए मोहित ने चार, सचिन ने तीन,पुलकित ने दो और अंकित ने एक गोल किया।
- श्याम लाल कॉलेज (सांध्य) को 6-0 से रौंदा। सचिन ने तीन, अंकित ने दो और मनीष ने एक गोल किया।

पहला सेमीफाइनल : श्याम लाल कॉलेज जीता

घर की दो टीमों के बीच मैच में श्याम लाल कॉलेज (प्रातः) ने श्याम लाल कॉलेज (सांध्य) को एकतरफा मुकाबले में 9-2 से रौंदा डाला। श्याम लाल कॉलेज प्रातः की टीम ने हाफ टाइम तक 5-1 की बढ़त हासिल कर ली थी। उसकी तरफ से पंकज ने तीन और आशीष ने दो गोल किए, वहीं सूरज, नितिन, प्रवीण मुंडा और ललित ने एक-एक गोल किया। पराजित श्याम लाल कॉलेज सांध्य की टीम ने पहले और अंतिम क्वार्टर में जतिन और कामिल की बदौलत एक-एक गोल किया।

दूसरा सेमीफाइनल : खालसा कॉलेज जीता

श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज ने इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड

जीसस एंड मैरी कॉलेज की टीम की खिलाड़ी 8वें पद्मश्री श्याम लाल मेमोरियल इनवीटेशनल हॉकी टूर्नामेंट में महिला वर्ग का खिताब जीतने के बाद विजेता ट्रॉफी के साथ।

स्पोर्ट्स साइंस को 2-1 से हराया। विजेता टीम हाफ टाइम तक 2-0 से आगे थी। खालसा कॉलेज के लिए आकाश और मोहित ने एक-एक गोल किया। पराजित टीम के लिए बसंत ने एकमात्र गोल किया।

पुरुष वर्ग के अवॉर्ड

बेस्ट गोलकीपर : हरमनप्रीत (खालसा कॉलेज)
बेस्ट डिफेंडर : प्रवेश (खालसा कॉलेज)
बेस्ट हॉफ : अंकित (खालसा कॉलेज)
बेस्ट फॉरवर्ड : सचिन (खालसा कॉलेज)
बेस्ट स्कोरर : पंकज (श्याम लाल कॉलेज)

जीसस एंड मैरी कॉलेज का सफर

- विवेकानंद कॉलेज को 5-1 से हराया। त्रिमबिका, मानसी, आयुशी, अमिता, हर्षा ने एक-एक गोल किया। पराजित विवेकानंद कॉलेज के लिए सुधा ने गोल किया।
- भारती कॉलेज को एकतरफा मुकाबले में 4-0 से मात दी। आयुषी, त्रिमबिका, अनीता और शिल्पी ने एक-एक गोल किया।
- श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज को 5-0 से रौंदा। कोमल ने तीन, मानसी व दिव्या ने एक-एक गोल किया।
- दिल्ली विश्वविद्यालय एल्युमनस को 2-1 से हराया। कंचन ने विजेता के लिए दोनों गोल किए। डीयू के लिए मंजू ने गोल किया।

टूर्नामेंट की शुरुआत में ध्वजारोहण करते हुए मुख्य अतिथि पूर्व अंतरराष्ट्रीय वालीबॉल खिलाड़ी राकेश महलवाल, श्याम लाल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. रबि नारायण कर, असिस्टेंट प्रोफेसर (खेल) वी एस जग्गी और पूर्व खेल अधिकारी सुदर्शन पाठक।

फाइनल :जीसस एंड मैरी चैंपियन

अमिता के जमाए शानदार गोल की बदौलत जीसस एंड मैरी कॉलेज ने महिला वर्ग का खिताब जीत लिया। फाइनल में जेएमसी टीम ने दिल्ली विश्वविद्यालय एल्युमनस टीम को 1-0 से मात दी।

महिला वर्ग के अवॉर्ड

बेस्ट गोलकीपर : शीतल (दिल्ली विश्वविद्यालय एल्युमनस)
बेस्ट डिफेंडर : कंचन (जीसस एंड मैरी कॉलेज)
बेस्ट हॉफ : प्रियंका (श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज)
बेस्ट फॉरवर्ड : अमिता (जीसस एंड मेरी कॉलेज)
बेस्ट स्कोरर : मनीषा (दिल्ली विश्वविद्यालय एल्युमनस) ■

दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर कॉलेज बॉक्सिंग चैंपियनशिप

दयाल सिंह और जीसस एंड मैरी कॉलेज बने चैंपियन

विजय कुमार

मेजबान दयाल सिंह कालेज और जीसस एंड मैरी कॉलेज ने दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर कॉलेज बॉक्सिंग चैंपियनशिप में पुरुष और महिला वर्ग के खिताब जीत लिए। दयाल सिंह कॉलेज के अमन और जीसस एंड मैरी कॉलेज की अपेक्षा को सर्वश्रेष्ठ बॉक्सर घोषित किया गया। विजेता टीम को जज प्रवीन कुमार सिंह, भारतीय खेल प्राधिकरण के पूर्व सचिव बी के सिन्हा एंव दयाल सिंह कॉलेज के प्राचार्य आईएस बक्शी ने पुरस्कार वितरित किए। प्रतियोगिता का आयोजन 22 से 24 जनवरी तक दयाल सिंह कालेज पर किया गया।

सेमीफाइनज में दयाल सिंह कालेज के नीरज, सिद्वार्थ सोलंकी, अंकुश मेहता, अमन, रिकूं, सागर,कमल, मोहित कादयान, हर्षित ने अपने-अपने मुकाबले जीत कर फाइनल में जगह बनाई थी। चैंपियनशिप में विभिन्न वर्गो के फाइनल में दयाल सिंह के नीरज कुमार, सिद्वार्थ सोलंकी, अनुराग, सागर ने स्वर्ण पदक जीते। अमन कुमार, राहुल, कमल, मोहित तथा हर्षित कुमार ने रजत पदक जीतने में सफलता पाई। दयाल सिंह कॉलेज के नौ बॉक्सरों ने फाइनल में जगह बनाई थी और चार ने स्वर्ण व पांच ने रजत पदक जीते। पुरूष वर्ग के फाइलन में स्वर्ण जीतने वाले मुक्केबाज इस प्रकार है। वजन-46 से 49 किलोभार में दयाल सिंह कालेज के नीरज कुमार को आईजीआईपी के मुक्केबाज के खिलाफ वाकओवर मिला। 49 से 52 किलो में दयाल सिंह कॉलेज के सिद्वार्थ सोलंकी ने आर्यभट्ट कॉलेज के जतिन देशवाल को को हराया। 52 से 56 किलो में दयाल सिंह के अनुराग मेहता ने वोकेशनल कालेज के अंकित गुलिया को हराया। 56 से 60 किलो में केएमसी के आयुष नेगी ने दयाल कॉलेज के अमन कुमार राठी को हराया। 60 से 64 किलो में अरविंदो कालेज के जीतेन्द्र धवन ने दयाल सिंह कॉलेज के राहुल को हराया। 64 से 69 किलो में दयाल सिंह कॉलेज के सागर ने श्रद्धानंद कालेज के सूरज को हराया। 69 से 75 किलो राजधानी के हेमंत यादव ने दयाल सिंह कॉलेज के कमल को हराया। 75 से 81 किलोभार में केएमसी के मनविंदर सिंह ने दयाल सिंह कॉलेज के मोहित कादयान को हराया। 81 से 91 किलोभार में देशबन्धु कॉलेज के पुलकित ने केएमसी के हर्षित मोगिंया को हराया। 91 से अधिक किलोभार में अरविंदो कॉलेज के अंकित ने दयाल सिंह कॉलेज के हर्षित कुमार को हराकर स्वर्ण पदक जीता।

महिलाओं में जीसस एंड मैरी कॉलेज के खाते में चार स्वर्ण पदक आए। उसके लिए अपेक्षा, तन्वी, सूर्या और काजल ने अपने-अपने वर्ग में चैंपियन बनने का गौरव पाया। मैत्री कॉलेज की हर्षित, दीपिका, मुस्कान व माता सुन्दरी कालेज की स्नेहा नेगी ने स्वर्ण पदक जीतने में सफलता पाई। फाइनल मुकाबलों में 45 से 48 किलोभार में जेएमसी की अपेक्षा को एलएसआर की मुक्केबाज ने वॉकओवर दिया। 49 से 52 किलो में आईएनजी की मोना हुड्डा ने डीबीसी की काजल को हराया। 51 से 54 किलो में जेएमसी की तन्वी ने एलबीसी की प्रीति को हराया। 54 से 57 किलो में मैत्री की हर्षिता ने भारती कॉलेज की अंचल को हराया। 57 से 60 किलो में डीएवी की मानसी ने आरएलए की मेघा को हराया।

60 से 64 में मैत्री कॉलेज की दीपिका ने डीबीसी को दीया को हराया। 64 से 69 किलो में जेएमसी की सूर्या ने मैत्री की मुस्कान को हराया। 69 से 75 किलो में जेएमसी की काजल ने आईजीआई की वर्तिका को हराया। 75 से 81 किलोभार में दयाल सिंह की प्रगति ने एलबीसी की मेघा को हराया। 81 से अधिक किलोभार में मातासुंदरी कॉलेज की स्नेहा नेगी ने एलबीसी की भावना को हरा स्वर्ण पदक जीते। आयोजन सचिव संदीप मेहता एवं कोच अशोक पंवार ने बताया कि टूर्नामेंट में 70 महिला और 100 पुरुष मुक्केबाजों ने भाग लिया। इस दौरान अंतराष्ट्रीय बॉक्सर एंव रैफरी कुलदीप कुमार को सम्मानित किया। ■

अर्जेंटीना टीम के साथ कांटे के संघर्ष में टेस्ट सीरीज ड्रॉ

पोलो के खेल में सराबोर दिल्ली

राकेश थपलियाल

देश की राजधानी दिल्ली में लोक कल्याण मार्ग पर स्थित प्रधानमंत्री आवास के ठीक सामने स्थित जयपुर पोलो ग्राउंड में सर्दियों की दोपहर में खिली धूप और सर्द हवाओं की आंख मिचौली के बीच भारत और अर्जेंटीना की टीमों के बीच खेले गए कांटे के संघर्ष वाले मुकाबलों का पोलो प्रेमियों ने चाय व कॉफी की चुस्कियों और जाम छलकाते हुए भरपूर आनंद उठाया। यही नहीं राजसी ठाठ बाट के इस खेल को देखने आने वाले परंपरागत पोलो प्रेमियों का उत्साह, आकर्षक ड्रेसेज में उनकी शानो शौकत और खुले दिल से एक दूसरे से बड़े प्यार मिलना मैदान के बाहर भी लाजवाब नजारा पेश करता रहा।

ला पेगासस पोलो और दुनिया की सबसे सफल पोलो एसोसिएशन 'एसोसिएशन ऑफ अर्जेंटीना डी पोलो '(एएपी) ने जून 2018 में अर्जेंटीना में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को भारत में खेल के स्तर को बढ़ाने के लिए नियमित रूप से लाने और अंततः इसकी लोकप्रियता बढ़ाने के लिए एक साझेदारी की थी। इस

पहला टेस्ट मैच

29 दिसंबर को जोधपुर में खेल गए पहले टेस्ट मैच में अपने कप्तान और नेशनल पोलो एसोसिएशन के अध्यक्ष एडुआर्डो एस्ट्राडा की अगुवाई में विश्व विजेता अर्जेंटीना ने 13-10 से जीत दर्ज की थी। अर्जेंटीना के 16 वर्षीय उभरते सितारे इगानसियो अर्बेलबाइड ने छह गोल किए। भारत के लिए ध्रुवपाल गोदारा ने चार गोल कर प्रमुख स्कोरर रहे।

दूसरा टेस्ट मैच

5 जनवरी को दिल्ली के जयपुर पोलो ग्राउंड में ध्रुवपाल गोदारा ने अपनी ला पेगासस इंडिया टीम के लिए सभी सात गोल करके मेजबान टीम अर्जेंटीना की ऑल स्टार टीम को 9-8 से हराकर तीन टेस्ट मैच के पोलो सीरीज को 1-1 करने में मदद की थी। भारत की 20-गोल टीम की तुलना में अर्जेंटीना की ऑल स्टार 22 गोल की टीम थी और इस कारण से खेल की शुरुआत में भारतीयों को दो गोल का लाभ दिया गया था।

तीसरा टेस्ट मैच

12 जनवरी को दिल्ली के जयपुर पोलो ग्राउंड में खेला गया मुकाबला 11-11 से ड्रॉ रहा। अर्जेंटीना के जोएकिन पिट्टालुगा ने चार और भारत के ध्रुवपाल गोदारा ने पांच गोल दागे।

प्लेयर ऑफ द सीरीज : ध्रुवपाल गोदारा (21 गोल)

ला पेगासस ऑल स्टार्स इंडिया टीम ने जीता 'द अर्जेंटीना एंबेसडर्स पोलो कप'

गुरुग्राम में ला पेगासस पोलो सेंटर में एक मैच 'द अर्जेंटीना एंबेसडर्स पोलो कप' के तहत हुआ। इसमें ला पेगासस ऑल स्टार्स इंडिया टीम ने अर्जेंटीना की पोलो एसोसिएशन टीम को 11-10 से हराया। विजेता टीम के लिए ध्रुवपाल गोदारा ने पांच गोल किए, जबकि जोकिन पिटालुगा ने अर्जेंटीना के लिए पांच गोल किए। भारत में अर्जेंटीना के राजदूत एच. ई. डैनियल चुबुरू की उपस्थिति में यह मैच खेला गया। एएपी के अध्यक्ष एडुआर्डो नोविलो एस्ट्राडा के बेटे क्रूज एस्ट्राडा को मैच में सबसे मूल्यवान खिलाड़ी चुना गया।

मैं भारत में अपने पोलो राजदूतों का नेतृत्व करने पर बहुत खुश हूं, जो कि एक ऐसा देश है, जहां इस खेल की सबसे बड़ी परंपरा रही है। मैने अपने करियर में भारत के कई कुशल पोलो खिलाड़ियों के साथ खेला हैं और हम प्रतिस्पर्धी दौरे की उम्मीद कर रहे हैं। दुनिया में पोलो के खेल को आगे बढ़ाने में अर्जेंटीना सबसे आगे रहा है और हमारा अंतिम लक्ष्य इसे ओलंपिक में वापस लाना है, जो की इसका सही स्थान है। हम इन क्षेत्रों में भी भारत के प्रयासों का धन्यवाद करते हैं। मैं अपने मित्र संजय को हमें दिये गये स्वागत के लिए धन्यवाद करना चाहता हूं।

—एडुआर्डो नोविलो एस्ट्राडा, एसोसिएशन ऑफ अर्जेंटीना डी पोलो (एएपी) के अध्यक्ष

साझेदारी के तहत अर्जेंटीना का पहला दौरा बहुत ही सफल रहा है।

इसके तहत जोधपुर और दिल्ली में तीन टेस्ट मैचों की सीरीज खेली गई। इसके अलावा गुरुग्राम में एक प्रदर्शनी मैच भी हुआ। कुल मिलाकर इन चारों मैचों में उच्च स्तर की पोलो के साथ-साथ ला पेगासस के संस्थापक संजय जिंदल की मेहमान नवाजी ने न केवल अर्जेंटीनी दल बल्कि पोलो देखने वालों का दिल भी जीता। दिलचस्प बात यह रही कि दिल्ली में तीसरे और अंतिम टेस्ट मैच में भारत के समीर सुहाग के बाएं गाल पर चोट लगने के बाद अर्जेंटीना के खिलाड़ी मार्सेलो अराया ला पेगासस इंडिया टीम के लिए भी खेले। यही नहीं 11 जनवरी को 'द अर्जेंटीना एम्बेसडर्स पोलो कप' में भी दोनों टीमों के खिलाड़ी एक-दूसरे की टीमों के लिए

इंडियन एरिना पोलो लीग सितंबर से शुरू होगी

इंडियन पोलो एसोसिएशन और प्रो स्पोर्टीफाई वेंचर्स की घोषणा

खेल टुडे ब्यूरो

इंडियन पोलो एसोसिएशन और प्रो स्पोटीर्फाई वेंचर्स ने सितंबर 2019 से शुरू होने वाले इंडियन एरिना पोलो लीग की घोषणा कर दी है। कैवलरी गोल्ड कप के अवसर पर, आर्मी स्टाफ के प्रमुख, आईपीए के अध्यक्ष जनरल बिपिन रावत और क्यूएमजी लेफ्टिनेंट जनरल एमरे, मुख्य स्टीवर्ड और आईपीए के उपाध्यक्ष श्री स्पोर्टिकैट्स के संस्थापक और प्रमोटर श्री कार्तिकेय शर्मा से मिले और इस लीग की संयुक्त रूप से घोषणा की। इस समारोह के दौरान जनरल बिपिन रावत ने कार्तिकेय शर्मा को औपचारिक एरेना पोलो गेंद सौंपने के लिए संकेत दिया कि अब प्रो स्पोटीर्फाई वेंचर्स को इसे आगे बढ़ाएंगे। इंडियन एरेना पोलो लीग 6 टीमों के बीच एरेना पोलो प्रारूप में खेला जाएगा जो खेल का एक छोटा प्रारूप है और खेल में भाग लेने वाले भारतीय और अंतरर्राष्ट्रीय खिलाड़ी होंगे। भारतीय पोलो एसोसिएशन के मानद सचिव, कर्नल रवि राठौर, वीएसएम ने इंडियन एरीना पोलो लीग की घोषणा करते हुए कहा, हम इंडियन एरेना पोलो लीग की घोषणा करते हुए खुश हैं, हम प्रो स्पोर्टी वेंचर्स के साथ मिलकर काम कर रहे हैं और मैं श्री कार्तिकेय शर्मा को इसकी दृष्टि, जुनून और प्रतिबद्धता के लिए बधाई देता हूं। प्रो स्पोर्टीट वेंचर्स के संस्थापक और प्रमोटर, श्री कार्तिकेय शर्मा ने कहा, भारत में पोलो रॉयल्टी का पर्याय बन गया है, दुनिया भर के पोलो के संरक्षक के पास अब भारतीय अखाड़ा पोलो लीग में पोलो टीमों के मालिक बनने का मौका होगा और एक नए उभरते खेल और जीवन शैली व्यवसाय का हिस्सा बनना चाहेंगे। ■

ला पेगासस पोलो नॉर्दन इंडिया चैंपियनशिप में दुनिया के तोप खिलाड़ी बिखेरेंगे चमक

खेल टुडे ब्यूरो

भारतीय पोलो सितारे सिमरन शेरगिल (+6), शमशेर अली (+6), ध्रुवपाल गोदारा (+5), समीर सुहाग (+5) और साथ ही इंगलैंड के मैथ्यू पेरी (+6) और टॉम ब्रॉडी (+4), और अर्जेनटीना के मेनुयेल फर्नांडेज लॉरिन्ते (+6) अपने हुनर के प्रदर्शन करते हुए यहां जयपुर पोलो ग्राउंड में 19 से 24 फरवरी

तक होने वाले ला-पेगासस पोलो नॉर्दन इंडिया पोलो चैम्पियनशिप 2019 में भाग लेंगे।

सेनाध्यक्ष जनरल बिपिन रावत की फाइनल के लिए मुख्य अतिथि होने की उम्मीद है। ला पेगासस पोलो के संस्थापक संजय जिंदल टूर्नामेंट के तीन साल के प्रायोजन अधिकार प्राप्त करके खेल और इसके खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लगातार प्रयास कर रहे हैं। ला पेगासस पोलो के संरक्षक और संस्थापक संजय जिन्दल स्वाभाविक रूप से इस विकास पर उत्साहित थे । नॉर्दन इंडिया पोलो चैम्पियनशिप ट्रॉफी रतलाम चैलेंज कप के लिए खेली जाती है, जिसे 1922 में रतलाम के तत्कालीन महाराजा ने दिल्ली में दान किया था।

पिछले साल, ला पेगासस पोलो टीम ने फाइनल जीतने के लिए सोना/जिंदल पैंथर को 9-7 से हराया। ला पेगासस पोलो के तीन साल के लिए प्रायोजन अधिकार प्राप्त करने पर टिप्पणी करते हुए, आई.पी.ए के मानद सचिव +5 हैंडिकैप पोलो खिलाड़ी, विशिष्ट सेवा मेडल और अर्जुन पुरस्कार विजेता कर्नल रवि राठौड़ ने बताया, 'हम ला पेगासस पोलो का दिल्ली के स्प्रिंग पोलो सीजन के शीर्ष आकर्षण नॉर्दन इंडिया पोलो चैम्पियनशिप का प्रायोजक होने पर बहुत खुश हैं और इसलिए, क्योंकि यह एक दीर्घकालिक प्रतिबद्धता है। मैं संजय जिंदल को उनकी दृष्टि, जुनून और प्रतिबद्धता के लिए बधाई देता हूं।'

संभावित टीमों में ला पेगासस पोलो टीम के अलावा सहारा / रजनीगंधा, सोना पोलो, जिंदल पैंथर्स, गरचा होटल्स और अरावली पोलो जैसे टीम होंगे।

राजनयिकों, उद्योगपति और राजघरानों जैसे कि ब्रिटिश उच्चायुक्त, भारत में अर्जेंटीना के राजदूत, जयपुर के सवाई पद्मनाभ सिंह, नवीन जिंदल, संजय कपूर, डॉट कॉम मल्टीमाइनेयर सतिंदर गर्चा और अरावली पोलो के संरक्षक करण थापर, भी शामिल होने की उम्मीद हैं।

"यह ला पेगासस पोलो के लिए बहुत सम्मान कि बात है की नॉर्दन इंडिया पोलो चैम्पियनशिप जैसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के साथ जुड़ने में सक्षम हो पाए और मैं ऐसा अवसर हमें प्रदान करने के लिए आईपीए को धन्यवाद देता हूं। पोलो को बढ़ावा देने के प्रयास को प्रतिबद्ध है ला पेगासस पोलो। ला पेगासस पोलो के साथ पोलो की दुनिया में सबसे बड़े पोलो टूर्नामेंट के सह-प्रायोजकों में से एक होने के साथ, यह जरूरी था कि यह भारतीय सीजन के उच्चतम गोल टूर्नामेंट में भी शामिल हो। हम अगले साल से कुछ अंतरराष्ट्रीय टीमों को भी देखना चाहते हैं। यह टूर्नामेंट 1922 से 16 गोल पोलो टूर्नामेंट के रूप में हर साल खेला जाता है।'

-संजय जिंदल, संस्थापक व संरक्षक, ला पेगासस पोलो"

खेलते दिखाई दिए थे। पुरस्कार समारोह के दौरान उद्योगपति नवीन जिंदल, भारत में अर्जेंटीना के राजदूत एच.ई. डैनियल चुबुरू, भारत में ब्रिटिश हाई कमिशनर सर डोमिनिक एस्क्यूथ और ला पेगासस पोलो के संरक्षक एवं संस्थापक संजय जिंदल ने खिलाड़ियों को सम्मानित किया।

एसोसिएशन अर्जेंटीना डी पोलो(एएपी) के अध्यक्ष एडुआर्डो नोविलो एस्ट्राडा के नेतृत्व में 16 दिवसीय तीन मैचों की सीरीज की शुरूआत हुई थी, जिसमें से पहला मैच 29 दिसम्बर को जोधपुर में खेला गया। जिसके बाद 5 और 12 जनवरी को जयपुर पोलो ग्राउंड, नई दिल्ली में दो टेस्ट मैच खेले गए।11 जनवरी को ला पेगासस पोलो सेंटर, गुरुग्राम में अर्जेंटीना की टीम ने नव स्थापित 'द अर्जेंटीना एंबेसडर्स पोलो कप' में भी खेला। अर्जेंटीना ने जोधपुर में पहला टेस्ट जीता और भारत ने दिल्ली में दूसरा जीता। अर्जेंटीना के भारत दौरे का तीसरा और अंतिम टेस्ट मैच दिल्ली के जयपुर पोलो ग्राउंड में के11-11 के स्कोर से बराबरी पर रहा। यह टेस्ट सीरीज 1-1 से बराबरी पर रही। ■

'द्रोणाचार्य द जिम' की स्थापना के 30 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह की झलकियां

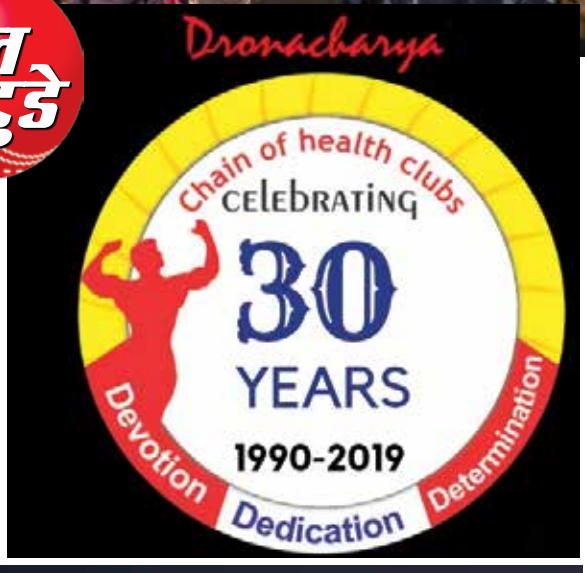

एमसीडी ने दिल्ली पुलिस को हराकर जीती यमुना ट्रॉफी

सुधीर पंडित

पर्यावरण और यमुना को स्वच्छ बनाने के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए आयोजित चौथे यमुना ट्रॉफी 2019 पर एमसीडी ने कब्जा किया। 15 सितंबर 2018 से दिल्ली के यमुना स्पोर्ट्स कंपलेक्स में खेली गई यमुना ट्रॉफी का समापन दिल्ली पुलिस के पुलिस आयुक्त अमूल्य पटनायक और दिल्ली के मुख्य चुनाव अधिकारी डॉक्टर रणवीर सिंह द्वारा फिरोजशाह कोटला मैदान में किया गया।

यमुना ट्रॉफी के फाइनल में दिल्ली पुलिस एकादश और एमसीडी एकादश की टीम के बीच शानदार मुकाबला रहा दिल्ली पुलिस के कप्तान राजेंद्र शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया और 136 रन ही बनाए। वहीं एमसीडी एकादश में 136 रन का पीछा करते हुए 18.2 ओवर में 141 रन बनाए 2 विकेट के नुकसान पर। इस तरह से एमसीडी ने जीत अपने नाम कर यमुना ट्रॉफी पर कब्जा किया।

इस मौके पर पुलिस आयुक्त अमूल्य पटनायक ने कहा की दिल्ली की जीवनदायिनी यमुना और पर्यावरण को स्वच्छ बनाने के लिए जन जागृति की आवश्यकता है। हर व्यक्ति दिल्ली के पर्यावरण

को और यमुना को स्वच्छ बनाने की जिम्मेदारी लें, तभी हम सब मिलकर दिल्ली और यमुना को स्वच्छ बना पाएंगे, जिसमें यमुना ट्रॉफी का एक अच्छा प्रयास है।

वहीं दिल्ली के मुख्य चुनाव आयुक्त डॉ. रणवीर सिंह ने कहा यमुना ट्रॉफी स्वच्छता के साथ साथ पर्यावरण का जो समाज में प्रचार कर रही है वह अच्छी पहल है। हम सभी को एक ऐसा मंच मिल गया है खेल के माध्यम से कि हम जनजागृति ला सकते हैं।

यमुना ट्रॉफी का आयोजन इंडियन मीडिया वेलफेयर एसोसिएशन और आईडीएचसी सोसायटी द्वारा किया जाता है। इम्वा के अध्यक्ष राजीव निशाना ने कहा कि यमुना ट्रॉफी का आयोजन 4 साल पहले आठ टीमों के साथ किया गया था और इस बार सबसे बड़ा आयोजन रहा है जिसमें 48 टीमों ने भाग लिया है।

समापन समारोह में दिल्ली पुलिस के विशेष पुलिस आयुक्त आरपी उपाध्याय, संयुक्त पुलिस आयुक्त देवेश श्रीवास्तव, आनंद मोहन, राजेश खुराना, तथा पुलिस उपायुक्त मधुर वर्मा, ए एस रंधावा के अलावा आचार्य विक्रमादित्य, भैरों सिंह गुर्जर, सुनील बाल्यान और विजय शर्मा मौजूद रहे। ■

दिल्ली पुलिस परिवार के बच्चों ने बिखेरी चमक

खेल टुडे ब्यूरो

दिल्ली पुलिस की पुलिस परिवार कल्याण सोसायटी ने मिशन ओलंपिक स्पोर्ट्स मीट - 2019 का आयोजन किया। स्पोर्ट्स मीट में दिल्ली के छह विभिन्न स्थानों पर छह विभिन्न वर्गों की खेल प्रतियोगिता हुईं। अंबेडकर स्टेडियम में समारोह का समापन हुआ, जिसमें युवा मामलों एवं खेल तथा सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कर्नल राज्यवर्द्धन राठौड़ विशेष रूप से उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि इस स्पोर्ट्स मीट में सात एथलेटिक टीमों, चार बैडमिंटन टीमों, सात फुटबॉल टीमों, दो कबड्डी टीमों, तीन कुश्ती टीमों ने हिस्सा लिया, जो दिल्ली के विभिन्न क्लबों और संघों से जुड़ी हैं। इनके अलावा स्पोर्ट्स मीट में 20 निशानेबाजों ने भी हिस्सा लिया।

आयोजकों, प्रतिस्पर्धियों और विजेताओं को बधाई देते हुए ने कहा कि खेल मंत्री ने कहा, सरकार देश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए अनेक कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार प्रयास कर रही है कि कम उम्र में ही खिलाड़ियों की प्रतिभा पहचानी जा सके, ताकि उन्हें विश्वस्तरीय चैंपियन बनाने के लिए उचित प्रशिक्षण दिया जा सके। उन्होंने बताया कि 8 और 12 वर्ष के बीच के दो करोड़ बच्चों की शारीरिक जांच जल्द शुरू की जाएगी। इसके आधार पर उनमें से प्रशिक्षण के लिए एक

हजार बच्चों को चुना जाएगा। ये बच्चे जब 18 साल के हो जाएंगे, तो वे अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने के लिए तैयार हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि भारत युवाओं को अच्छा नागरिक और अच्छा इनसान बनना चाहिए। इसके लिए स्वच्छ शरीर और तेज दिमाग की जरूरत होती है, जो खेल के मैदान से प्राप्त होने वाले अनुभव के आधार पर संभव होता है। उन्होंने इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए दिल्ली पुलिस के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने पुलिस परिवार कल्याण सोसायटी की प्रशंसा की कि वह आगामी ओलंपिक गेम्स -2020 के मद्देनजर देश के प्रति अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभा रही है। ■

2019 में विश्व स्तर के बड़े आयोजन

शूटिंग वर्ल्ड कप (ओलंपिक क्वालिफायर)
नई दिल्ली - 20 फरवरी से

आईसीसी विश्व कप क्रिकेट
इंग्लैंड एंड वेल्स - 30 मई से 15 जुलाई

महिला फुटबॉल वर्ल्ड कप
फ्रांस में - 7 जून से 7 जुलाई

नेटबॉल वर्ल्ड कप
लीवरपूल - 12 से 21 जुलाई

वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप
बासेल - 19 से 25 अगस्त

विश्व कुश्ती चैंपियनशिप
अस्ताना कजाखस्तान - 14 से 22 सितंबर

रग्बी यूनियन वर्ल्ड कप
जापान - 20 सितंबर से 2 नवंबर

रोड वर्ल्ड साइक्लिंग चैंपियनशिप
यार्कशर, इंग्लैंड - 21 से 29 सितंबर

वर्ल्ड वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप
16 से 25 सितंबर - पट्टाया, थाईलैंड

वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप
दोहा, कतर - 27 सितंबर से 06 अक्तूबर

आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक वर्ल्ड चैंपियनशिप
4-13 अक्तूबर

मिलिट्री वर्ल्ड गेम्स
18-27 अक्तूबर

पैरा वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप
दुबई - 7 से 15 नवंबर

बैडमिंटन

स्पेन मास्टर्स : 19 से 24 फरवरी
जर्मन ओपन : 26 फरवरी से 3 मार्च
ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप : 6 से 10 मार्च
इंडिया ओपन : 26 से 31 मार्च
मलेशिया ओपन : 2 से 7 अप्रैल
सिंगापुर ओपन - 9 से 14 अप्रैल
ऑस्ट्रेलिया ओपन - 4 से अप्रैल
कनाडा ओपन - 2 से 7 जुलाई
यूएस ओपन - 9 से 14 जुलाई
इंडोनेशिया ओपन - 16 से 21 जुलाई
जापान ओपन - 23 से 28 जुलाई
थाईलैंड ओपन - 30 से 4 अगस्त
बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप - 19 से 25 अगस्त
चीनी ताइपै - 3 से 8 सितंबर
वियतनाम ओपन - 10 से 15 सितंबर
चीन ओपन - 17 से 22 सितंबर
कोरिया ओपन - 24 से 29 सितंबर
डच ओपन - 08 से 13 सितंबर
डेनमार्क ओपन - 15 से 20 अक्टूबर
फ्रेंच ओपन - 22 से 27 अक्टूबर
मकाउ ओपन - 29 अक्टूबर से 3 नवंबर
चीन ओपन - 5 से 10 नवंबर
हॉन्गकॉन्ग ओपन - 12 से 17 नवंबर
बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल - 11 से 15 दिसंबर

2019 ओलंपिक की तैयारी का साल होगा। इस साल 2020 टोक्यो ओलिपिंक्स के क्वालिफायर खेले जाएंगे जहां दुनिया भर के एथलीट अपना कोटा हासिल करना चाहेंगे

क्रिकेट
ऑस्ट्रेलिया का भारत दौरा : 24 फरवरी से 13 मार्च (पांच वनडे, दो टी20)
भारतीय महिला टीम का न्यूजीलैंड दौरा: 24 जनवरी से 10 फरवरी(3 वनडे और 3 टी20)
इंग्लैंड महिला टीम का भारत दौरा : 22 फरवरी से9 मार्च (3 वनडे और 3 टी20)

ग्रैंड स्लैम टेनिस टूर्नामेंट
फ्रेंच ओपन - 27 मई से तीन जून
विंबलडन - एक जुलाई से आठ जुलाई
यूएस ओपन - 26 अगस्त से दो सितंबर

खेल टुडे सदस्यता फॉर्म

नाम : .....

पता : .....

.....

फोन नंबर : .....

कब से कब तक : .....

धनराशि : .....

चेक 'खेल टुडे' के कार्यालय प्लॉट नं. 241, सेक्टर 2बी, वैशाली, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201010 पर भेजे जा सकते हैं। ऑनलाइन भुगतान के लिए : **RTGS/NEFT** के लिए :

Khel Today, Ac/No: 50200019391977 IFScode: HDFC00001659

सदस्यता शुल्क

एक वर्ष	:	600 रुपये
दो वर्ष	:	1200 रुपये
तीन वर्ष	:	1800 रुपये
चार वर्ष	:	2400 रुपये
पांच वर्ष	:	3000 रुपये

इन नंबरों पर संपर्क करें :

9810308653, 7011442313, 9818015448

भारत के समृद्ध भविष्य के लिए

हरित ऊर्जान्वयन

पीएफसी – नवीकरणीय ऊर्जा के सशक्त विकास को प्रतिबद्ध

जलवायु परिवर्तन पर इसकी राष्ट्रीय कार्य योजना के अनुरूप, भारत सरकार ने नवीकरणीय ऊर्जा विकास को प्राथमिक रूप से प्रोत्साहित किया है। पीएफसी नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के विकास हेतु अगले पाँच वर्षों के लिए विशेष ब्याज दर पर ₹15,000 करोड़ की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के लिए वचनबद्ध है। क्योंकि हर हाल में एक स्वच्छ और हरित भविष्य की रचना ही पीएफसी का ध्येय है।

पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड

(एक नवरत्न पीएसयू)
पंजीकृत कार्यालय: "ऊर्जानिधि", 1, बाराखम्बा लेन, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001
फोन: 011-2345 6000; फैक्स: 2341 2545; वेबसाइट: www.pfcindia.com

naa

पीएफ़सी: 54 ईसी पूंजीगत लाभ कर मुक्त बॉण्ड जारी करने की पात्र कंपनी

/pfcindia पर हमें फॉलो करें